G20 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

GOVERNMENT OF ASSAM

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav

CELEBRATING 2 YEARS
OF CURRENT ASSAM GOVERNMENT

PROMISE MADE
PROMISE DELIVERED

A BIG STEP TOWARDS APPOINTMENT IN

1 LAKH
GOVERNMENT POSTS

Appointment letters will be distributed by
Shri Amit Shah
Minister of Home Affairs and
Minister of Cooperation,
Government of India

Ceremonial distribution of
appointment letters to

44,703
Successful Candidates

In the august presence of
Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

25th May 2023 | 4 pm
Veterinary College Ground, Khanapara, Guwahati

After successful appointment of 42,079 candidates and with the ongoing process of appointing 44,703 candidates, the total appointment will stand at 86,782. Remaining recruitments for reaching the 1-lakh mark are to be completed soon.

Recruitment Commission/Department

- State Level Recruitment Commission for Class III Posts (excluding Divyang)
- State Level Recruitment Commission for Class IV Posts (excluding Divyang)
- State Level Police Recruitment Board
- Health Department
- Education Department
- Social Justice & Empowerment Department
- Sports & Youth Welfare Department
- Divyang candidates who have been declared eligible by the Medical Examination Committee
- Agriculture Department

- All successful candidates are asked to attend the ceremony. They should carry their admit cards, printouts of results and ID proofs.
- Divyang candidates who have been declared eligible by the Medical Examination Committee, constituted by Gauhati Medical College and whose names/roll nos. have been published in newspapers on 22nd and 23rd May 2023, will only attend the ceremony.
- Divyang candidates will enter the venue from Gate no 1 . There will be separate seating arrangement for the PWD candidates at the venue.
- Successful candidates shall have to report at their respective places of posting from 1st June to 15th June 2023

All candidates are requested to be seated by 2pm

PUBLISHED BY DIRECTORATE OF INFORMATION AND PUBLIC RELATIONS, ASSAM

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 8287912158

-- Janasanyog /D/3573/ 23

CLASSIFIED

SÙor all kinds of classified advertisements à¿lease contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रमेन डेका से मिला जापानी प्रतिनिधिमंडल

गुवाहाटी (हिंस)। असम-जापान गेटवे 2023 को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से सीता के वाइस चेयरमैन रमेन देका से जापान की कंपनी ह्योयूयू कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष ओहता हिसातोशी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बुधवार को जनता भवन में मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सीता चेयरमैन देका के सामने अपनी कंपनी द्वारा किए जा रहे कार्यों का पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। रमेन देका ने आश्वासन दिया कि वे इस विषय में अपने अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करेंगे। यदि इस दिशा में कुछ संभावनाएं बनती है तो बात को आगे बढ़ाया जाएगा। इस मुलाकात का उद्देश्य असम जापान गेटवे के जरिए असम तथा जापान के बीच सांस्कृतिक आदान प्रदान करेना तथा पारस्परिक विकास दिशा में कार्य किया जाना है। इस अवसर पर सीता के को-वाइस चेयरमैन ध्रुव प्रसाद वैश्य वैश्य, सीड के प्रधान सचिव बी कल्याण चक्रवर्ती, माराई के निदेशक हेमंत कुमार मजुमदार, डॉ. राकेश अफरे, राजेश दास समेत सीता के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे।

गांजा के साथ दो महिला तस्कर गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा रेलवे जीआरपी ने दालगुड़ी रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म से 84 किलो 500 ग्राम वजन के कुल आठ पैकेट गांजा के साथ दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला तस्करों की पहचान दालगुड़ी थाना अंतर्गत रेकी गांव निवासी मालती चौहान और सुभद्रा बर्मन के रूप में की गई है। दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर आज तेजपुर कोर्ट में पेश किया गया। रंगापाड़ा रेलवे स्टेशन के जीआरपी प्रभारी ने बताया कि गोपनीय सूत्रों द्वारा दालगुड़ी थाना की पुलिस, रेलवे पुलिस और जीआरपी ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए गांजा के साथ दोनों महिला तस्करों को आज गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से की मुलाकात, विकास कार्यों पर की चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को राजभवन में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और राज्य के विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों ने राज्य के लोगों के कल्याण से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को उन योजनाओं से भी अवगत कराया जो सरकार ने राज्य के सभी वर्गों के लोगों की भलाई के लिए शुरू की है।

विश्वनाथ : ओरिएंट फ्लावर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान पाठ्यक्रम शामिल

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआली के निजी प्रखंड के अग्रणी शिक्षण संस्थान ओरियंट फ्लावर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान शाखा के पाठ्यक्रम को शामिल कर प्रारंभ किया गया है। हाईस्कूल शिक्षा परीक्षा के परिणाम उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और नामांकन के क्षेत्र में आने वाली आंशिक समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से 2004 में स्थापित ओरिएंट फ्लावर जूनियर कॉलेज, विश्वनाथ जिले का पहला अशासकीय जूनियर कॉलेज है। पिछले 18 वर्षों में, कई छात्र इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठा हासिल करने में सक्षम रहे हैं। स्थान के मीना देवी जल्द ही चारिआली हायर सेकेंडरी और मल्टीपरपज स्कूल के सेवानिवृत्त विषय शिक्षक दिजन हजारिका को शामिल किया। जो शिक्षण संस्थान की वर्तमान अध्यक्ष हैं। विश्वनाथ कॉलेज एवं बीएड कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सेवानिवृत्त अध्यक्ष शिक्षाविद प्रभात चंद्र गोगोई, संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में शुरू से ही अपने दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं। विश्वनाथ कॉलेज के सेवानिवृत्त शिक्षक हरिदेव महंत, जो इसमें शामिल हैं शिक्षा और संचालन के क्षेत्र में, विश्वनाथ कॉलेज ऑफ कॉमर्स के सेवानिवृत्त अध्यक्ष भूपेन दाधरा और अन्य शिक्षाविदों के

साथ-साथ कुछ उच्च शिक्षित युवा- कोचगांव के इस शिक्षण संस्थान ने लड़कियों के योगदान से एक स्वस्थ शैक्षिक वातावरण दिया है। शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार हाल ही में शिक्षण संस्थान का नाम ओरिएंट फ्लावर सीनियर सेकेंडरी कर दिया गया है। शिक्षण संस्थान की संचालन निदेशक मीना देवी ने बताया कि 11वीं और 12वीं कक्षा में कला और वाणिज्य पाठ्यक्रम चलाने वाली संस्था में इस वर्ष विज्ञान शाखा खोलने की तैयारी पूरी कर ली गई है। मीना देवी व कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष दिलीप कुमार भट्टाचार्य ने लोगों के सहयोग की कामना की है। स्कूल प्राधिकरण ने विज्ञान शाखा के पाठ्यक्रम के लिए कुछ शिक्षकों की भी नियुक्ति की गई है।

एनआईए ने असम के डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल से की पूछताछ

गुवाहाटी। खालिस्तान समर्थक नेता और *वारिस पंजाब दे* के प्रमुख अमृतपाल सिंह से राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) के अधिकारियों ने असम की डिब्रुगढ़ जेल में पूछताछ की। पंजाब के मोगा के रोड गांव से पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद से सिंह 23 अप्रैल से डिब्रुगढ़ जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक एनएसए के अधिकारी मंगलवार को डिब्रुगढ़ पहुंचे और सिंह से दो घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। इस बीच, डिब्रुगढ़ जेल में बंद सिंह के अन्य नौ सहयोगियों से भी एनएसए अधिकारियों ने पूछताछ की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को कहा कि सिंह से अलग से पूछताछ की गई। बाद में उसके सहयोगियों से पूछताछ की गई। पिछले हफ्ते अमृतपाल सिंह के माता-पिता-तरसेन सिंह और बलविंदर कौर-ने उससे जेल में मुलाकात की थी। इससे पहले चार मई को अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणपाल कौर ने भी उससे जेल में मुलाकात की थी। किरणपाल के साथ एक अन्य कैदी और अमृतपाल के सहयोगी दलजीत सिंह कलसी के परिवार के सदस्य भी थे। अमृतपाल सिंह के करीबी पापलप्रीत और चाचा हरजीत सिंह सहित नौ अन्य सहयोगी मार्च से डिब्रुगढ़ जेल में बंद हैं।

रंगिया में ट्रैफिक जाम की समस्या पर प्रशासन ने की अहम बैठक

रंगिया (विभास)। रंगिया नगर में ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर महकमा प्रशासन द्वारा मंगलवार को स्थानीय हरदत्त- वीरदत्त भवन प्रांगण में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में यातायात नियमों का पालन करना और जिम्मेदार युवा पीढ़ी को तैयार करने के लिए विशेष कदम उठाने पर विचार विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि निचले असम का एक अन्यतम रंगिया नगर में ट्रैफिक जाम की समस्या में दैनिक रूप से वृद्धि हो रही है। जिसके फलस्वरूप रंगिया के लोगों के अलावा यात्रियों और देश-विदेश के पर्यटकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है। विशेष तौर पर रंगिया नगर के बीच से होकर निकलता भारत-भूटान अंतर-राष्ट्रीय राजमार्ग के एनटी रोड पर ट्रैफिक जाम तेजी से बढ़ रहा है। इस ट्रैफिक जाम की समस्या के साथ रंगिया नगर के विभिन्न स्थानों में हो रही जाम को कम करने के उद्देश्य से महकमा प्रशासन द्वारा आयोजित बैठक के माध्यम से रंगिया के गणमान्य लोगों से विचार

विमर्श किया गया। बैठक में महकमाधिपति ने अपने विचार रखते हुए प्रत्येक शैक्षनिक संस्थान में एक नॉडल शिक्षक का चयन कर छात्रों को परिवहन कानून के बारे में महीने में एक बार विशेष शिक्षण की व्यवस्था करने के बारे में बताया। इस मौके पर रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा रंगिया वासियों से सहयोगिता की कामना की गई। बैठक में रंगिया महकमा की पुलिस अधिकारी सिजल अग्रवाल, महकमा चुनाव अधिकारी तथा रंगिया पौरसभा की कार्यवाहक अधिकारी नील हरित कौशिक, महकमा की सहायक आयुक्त कृतांजली कश्यप, सजीव दास, महकमा प्रशासन के उच्च पदस्थ अधिकारी और बहुत से गणमान्य लोग एवं मीडियाकर्मी सहित स्थानीय कई लोग उपस्थित रहे।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूसीरे करेगी विशेष ट्रेनें का परिचालन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ और एकतरफा विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेनें 25 और 26 मई को एक फेरा के लिए चलेंगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि विशेष ट्रेन संख्या 05609 (सिलचर-गोरखपुर) 25 मई (गुरुवार) को सिलचर से 18.45 बजे रवाना होगी। यह विशेष ट्रेन वाया न्यू हाफलोंग, गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, बरौनी जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, छपरा रेलवे स्टेशन होकर 27 मई (शनिवार) को गोरखपुर 05.45 बजे पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में 18 कोच होंगे। इसमें स्लीपर क्लास और सेकेंड सीटिंग कोच होंगे। विशेष ट्रेन संख्या 05610 (अगरतला-गया) 25 मई (गुरुवार) को अगरतला से 10 बजे रवाना होगी। यह विशेष ट्रेन वाया न्यू करीमगंज, न्यू हाफलोंग, गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा टाउन, न्यू बंगाईगांव, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, भागलपुर रेलवे स्टेशन होकर अगले दिन गया 23.30 बजे पहुंचेगी। इस विशेष ट्रेन में 20 कोच होंगे। इसमें स्लीपर क्लास और सेकेंड सीटिंग कोच होंगे। विशेष ट्रेन संख्या 05650 (गुवाहाटी-पुणे) 26 मई (शुक्रवार) को गुवाहाटी से 20-40 बजे रवाना होगी। यह विशेष ट्रेन वाया बरपेटा रोड, न्यू बंगाईगांव, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, बरौनी जंक्शन, मिर्ज़ापुर, इटारसी, जलगांव जंक्शन, अहमदनगर रेलवे स्टेशन होकर 28 मई (रविवार) को पुणे 18.20 बजे पहुंचेगी।

152 बटालियन सीआरपीएफ के जवान हार्टफुलनेस मेडिटेशन प्रशिक्षण से लाभान्वित

गुवाहाटी। ग्वालपाड़ा जिले के शास्त्रीनगर स्थित 152 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा आज दिनांक 24 मई, 2023 को दो दिवसीय हार्टफुलनेस कार्यक्रम का समापन श्री देव शंकर मिश्र, कमांडेंट-152 बटा द्वाराज्योत्स्ना श्रीवास्तव, केके श्रीवास्तव (हार्टफुलनेस संस्थान) को उपहार स्वरूप बटालियन का प्रतीक भेंट प्रदान कर किया गया। हार्टफुलनेस कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 23 मई, 2023 को हमारे बल के जवानों द्वारा लगातार कार्य करने एवं अन्य किसी कारणवश बढ़ते मानसिक तनाव को कम एवं नियंत्रण में करने के उद्देश्य से किया गया था। वर्तमान में हमारे दैनिक जीवन में लगातार कार्य करने से मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है जिससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा एवं अन्य समस्याएं सामने आ रही है जिसे आध्यात्मिक गुरुओं की शिक्षा एवं मेडिटेशन प्रशिक्षण के माध्यम से पुनः मन को शांत एवं एकाग्र कर सकते हैं। कार्यक्रम के दूसरे व तीसरे सत्र में आध्यात्म गुरु ज्योत्स्ना एवं केके श्रीवास्तव (हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षक) द्वारा बटालियन जवानों को ध्यान के माध्यम से अपने मन विकारों को दूर करना एवं अपने व्यस्ततम दैनिक जीवन में मानसिक तनाव व थकान को दूर दूर करने हेतु प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 जवानों ने भाग लेकर अपने जीवन को हार्टफुलनेस मेडिटेशन प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित हुए जिसमें मन को केंद्रित करने, मन विकारों को दूर करना एवं आसपास के शांत वातावरण में लीन होकर मानसिक तनाव को दूर करना शामिल हैं। आज हार्टफुलनेस ध्यान प्रशिक्षण में श्री देव शंकर मिश्र, कमांडेंट-152, कल्पना मिश्र, राकेश रंजन तिवारी द्वि.कमा.अधि., पूजा तिवारी, वी नारायणन उप कमां, अधिकारी, जवान, जवानों के परिवार एवं मीडिया बंधु उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में 10वीं की छात्रा की मौत

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर के द्वारकुची में बुधवार तड़के एक सड़क हादसे में 10वीं की एक छात्रा की मौत हो गई। आज सुबह देफेली गांव के प्राणेश्वर दास की बेटी हिमानी दास (14) को रंगिया-भूटान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर द्वारकुची स्थित अल्ट्रा बस (एएस-25एसी-5970) ने टक्कर मार दी, जिसके चलते उसकी मौत हो गयी। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने रंगिया-भूटान अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। मौके पर गुस्साए लोगों ने पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाणक्य आईएएस अकादमी के लिए गर्व का क्षण, यूपीएससी 2022 में 11 छात्रों का चयन

गुवाहाटी। आईएएस 2023 परीक्षा के हाल ही में घोषित परिणामों के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षित कई उम्मीदवार सफलता हासिल करने में सक्षम रहे हैं। अकादमी के प्रसेनजीत एआईआर 11 वें स्थान, नितिन सिंह एआईआर 32वें स्थान, मनन भट एआईआर 231 वें स्थान, पेबिका लेगो एआईआर 290 वें स्थान, मोहम्मद इरफान एआईआर 476 वें स्थान, एस मोहना प्रिया एआईआर 577 वें स्थान, सारा शंकर एआईआर 832 वें स्थान, वोतुला ओजोकुम एआईआर 871 वें स्थान, निरामांशु हंस एआईआर 811 वें स्थान और मानसज्योति दास एआईआर 881 वें स्थान प्राप्त करके अकादमी को गौरवान्वित किया है। प्रसेनजीत कौर ने 11 चयनों के साथ आईएएस 2022 में 11 वीं रैंक प्राप्त करके चाणक्य आईएएस गुवाहाटी सेंटर से चयनित उम्मीदवारों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। चाणक्य आईएएस अकादमी के छात्रों ने आईएएस परीक्षा में अकादमी की लगातार सफलता दर को और उज्ज्वल किया है। इस तरह के परिणाम देश भर में उभरते उम्मीदवारों के मन में नए आत्मविश्वास की भावना पैदा करते हैं। मुझे अपने छात्रों पर गर्व है और उनकी बड़ी सफलता से बहुत खुश हूं। अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त करने के लिए इशिता किशोर को हार्दिक बधाई। यूपीएससी में स्थान हासिल करने वाले अपने सभी छात्रों पर मुझे बहुत गर्व है। गुवाहाटी और अब जोरहाट में स्थित चाणक्य आईएएस अकादमी में आने वाला हर छात्र एक छिपी हुई क्षमता रखता है जिसे हम उनसे बाहर निकालकर सही तरीके से विकसित करने की कोशिश करते हैं। एक शिक्षक के लिए अपने छात्रों को सफलता और समृद्धि प्राप्त करते हुवे देखने से ज्यादा सुखद कुछ नहीं हो सकता है। कुरंगनयनी चेतिया (निदेशक, चाणक्य आईएएस अकादमी, उत्तर पूर्व भारत) ने कहा। हमारे शिक्षक दल सावधानीपूर्वक छात्रों को उनकी शिक्षण, तर्क और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को बढ़ाने में सहायता करती है ताकि प्रत्येक छात्र एक योग्य प्रशासक बनने के लिए उत्कृष्टता प्राप्त कर सके।

एसआई जोनमणि को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आरसू ने किया प्रदर्शन

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के आल राभा छात्र संसाथा (आरसू) के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने बुधवार को गोसाईगांव उपखंड के इस्लामपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करके प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पुलिस अधिकारी एसआई जोनमणि राभा की संदिग्धावस्था में हुई मौत की जांच कराने और दोषियों को दंडित करने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए दोषियों और एसपी लीला दलै को भी गिरफ्तार करने की मांग की।

जामुगुड़ीहाट में नकली नोटों के साथ एक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। पुलिस अधिकारी जोनमणि राभा की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत के बाद असम पुलिस ने उत्तरी असम में नकली सोने और नकली नोटों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात शोणितपुर जिले के जामुगुरीहाट में पुलिस टीम ने छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से बड़ी संख्या में नकली नोट बरामद किए। सूत्रों ने बताया है कि जामुगुरी पुलिस ने इलाके के कासमारी भैरबी से युनुस अली नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 हजार रुपये नकली भारतीय मुद्रा जब्त की गई है। ये सभी 500 रुपये के नकली नोट हैं। पुलिस नकली नोटों के साथ गिरफ्तार व्यक्ति के सघन पूछताछ कर रही है।

रंगिया : मनोकामना मंदिर का शिलान्यास

रंगिया (विभास)। रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन के प्रयास व स्थानीय लोगों के सहयोग से रंगिया के वार्ड नं. 6 में नए रूप में निर्माण किए जा रहे मनोकामना मंदिर का बुधवार को शिलान्यास किया गया। मंदिर निर्माण का शुभारंभ रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने पूरी वैदिक परंपरा व पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चारण, महिलाओं और माताओं की उरुली और शंख ध्वनि के शुभ वातावरण में सुबह 11.30 बजे किया। शिलान्यास समारोह में स्थानीय लोगों के साथ कई भक्तों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि रंगिया के सरस्वती कॉलोनी स्थित मां दक्षिणेश्वर काली मंदिर की दिशा गलत होने के कारण मंदिर की दिशा बदलने के निमित्त मंदिर का नवनिर्माण किया जा रहा है। मंदिर की दिशा को बदलकर नवनिर्माण किए जाने के लिए भक्तों में खुशी की लहर है। वहीं मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष प्रफुल्ल राम दास और महासचिव उत्तम पाल सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा मंदिर निर्माण के लिए सभी भक्तों के सहयोगीता की कामना की गई है।

इंतजार उस शाम का

कितनी बातें करनी हैं आप से...
बस इंतजार है, उस वक्त का जब मिलकर बेठेंगे हम...
कुछ आपके साथ की, कुछ आपके बाद की
कुछ आपकी, कुछ हमारी
कुछ उस रूहानी मुहब्बत की..
जो रूह में उतर गई है हमारी...
इंतजार है उस शाम का...जब हम नहीं,
हमारी खामोशियां बातें करेंगी..
करेंगी बयां हाले दिल अपना..
इंतजार है उस शाम का, जब आपकी तस्वीर
आंखों में भर के... आपकी खुशबू बाहों में समेट कर,
उन लम्हों को दिल में भर के.
अपनी आंखों में कैद कर लेंगे हम, इस उम्र के लिए..
और इंतजार करेंगे उस शाम का...
जो केवल एक शाम नहीं, एक उम्र गुजरे
हमारी आपके साथ...

– ईभा सिंगफो

SHORT E-TENDER NOTICE
FOR SALE OF TIMBER LOTS UNDER
SONITPUR WEST DIVISION, TEZPUR

This is for general information to all concerned that under the provision made in Assam Sale of Forest Produce Coupes and Mahal Rules, 1977 (Amendment Rule,2000) the timber lots lying under various Forest depot/ Ranges under Sonitpur West Division, Tezpur are intended to be sold by e-tender. The interested tenderers will participate through the web portal www.assamforestonline.in.

The details of eligibility criteria, experience, tender schedule and other terms & conditions are available in the tender documents which to be purchased and download by the bidders from the above portal from 27-05-2023 (9:30 AM).

DIVISIONAL FOREST OFFICER
SONITPUR WEST DIVISION::TEZPUR

-- Janasanyog /C/3260/23

स्कूल में छह टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन

गुवाहाटी (विभास)। एनजीओ राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) व लेडीज सर्कल इंडिया (एलसीआई) के अंतर्गत गुवाहाटी गेटवे राउंड टेबल (जीजीआरटी-240) व गुवाहाटी गेटवे लेडीज सर्किल (जीसीएलसी-158) ने सरकारी विद्यालय में 6 टॉयलेट ब्लॉक निर्मित कराये। फाटाशिल नतुन टाउन हाईस्कूल में निर्मित किए गए इन सभी आरसीसी टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों के अलावा सरकारी अधिकारी व विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी सहित शिक्षक व बच्चें मौजूद थे। शैक्षिक संस्थानों में स्वच्छता के महत्वपूर्ण मुद्दे को ध्यान में रखते हुए राउंड टेबल इंडिया के सहयोगात्मक प्रयासों का एक सच्चा उदाहरण है। विद्यालय में पिछले लंबे समय से अपर्याप्त स्वच्छता के चलते अध्ययनरत विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से छात्राओं को। साथ ही अपर्याप्त स्वच्छता के चलते विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और कल्याण पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। बच्चों को हो रही असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गुवाहाटी गेटवे राउंड टेबल 240 और गुवाहाटी

गेटवे लेडीज सर्कल 158 ने स्कूल परिसर के भीतर 6 आधुनिक शौचालय ब्लॉकों के निर्माण के लिए इस परियोजना की शुरुआत की। नवनिर्मित शौचालय ब्लॉकों में सभी विद्यार्थियों के लिए स्वच्छता, गोपनीयता और पहुंच सुनिश्चित करने वाली सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। जीजीआरटी-240 के अध्यक्ष शुभम सरावगी ने परियोजना के सफल क्रियान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छता एवं उससे जुड़ी सुविधाएं हर विद्यार्थी का एक मौलिक अधिकार है। इस मौके पर जीजीएलसी-158 की अध्यक्ष सोनम सरावगी ने परियोजना के पीछे सामूहिक प्रयास पर प्रकाश डालाद्य सेक्रेटरी पूनम जैन ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन पर हमारे संयुक्त प्रयास के सकारात्मक प्रभाव को देखकर हमें बहुत संतुष्टि मिलती है। हम इस परियोजना को वास्तविकता बनाने में उनके अटूट समर्थन के लिए अपने दानदाताओं, स्वयंसेवकों और स्कूल अधिकारियों के आभारी हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(ज्ञानी)

चार अचाह कुछ है नहीं, नहीं लोक व्यवहार।
लीला देखें अगम का, अन्तर दृष्टि पसार॥ 31 ॥

शब्दार्थ : (चाह) इच्छा (अचाह) अनिच्छा (लोक व्यवहार) संसार का व्यवहार (लीला) दृश्य (अगम) जहां प्रकृति की गम नहीं (अंतर दृष्टि) आत्मा की चेतन दृष्टि (पसार) फैलाव।

भाष्य : ज्ञानी भक्त की किसी वस्तु की इच्छा या दुराव नहीं है, न संसार का व्यवाहर-संबंध है, वह अपनी चेतन दृष्टि को फैलाकर प्रकृतिपार चेतन दृश्य को देखता है।

अंतर तत बूड़े रहें, बाहर जड़ नहिं काम।
प्रारब्ध अस्थूल है, रक्षक प्रभु सुख धाम॥ 32 ॥

शब्दार्थ : (अंतर तत) परब्रह्म, (परारब्ध) दैव भोग (अस्थूल) स्थूल जड़ शरी, (सुख-धाम) सुख का स्थान (रक्षक प्रभु) रक्षा करने वाला परब्रह्म।

भाष्य : ज्ञानी भक्त अंतर्तत्व में लीन रहते हैं, बाहर जड़ जगत से उनका कोई संबंध नहीं रहता। स्थूल शरीर का व्यवहार प्रारब्ध पर रहता है और सर्वसुखनिधान परमप्रभु उनकी रक्षा करते हैं।

शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 295 | गुवाहाटी | गुरुवार, 25 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

प्रधानमंत्री आज देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे पेज 4
पात्र पाए जाने पर सभी किसानों को पीएम सम्मान निधि की पिछली किश्तें भी... पेज 5
स्वतंत्र विचारों की महिला होना आसान नहीं पेज 6
राजस्थान के पेट्रोलियम क्षेत्र में दस हजार करोड़ रुपए से अधिक का नया निवेश पेज 8

असम-मेघालय सीमा विवाद

हम मतभेदों को सुलझा लेंगे : शर्मा-सांग्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा से बुधवार को मुलाकात की और सीमा पर शेष छह क्षेत्रों में दो पूर्वोत्तर पड़ोसियों के बीच विवादों को हल करने के लिए विचार-विमर्श किया। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में शर्मा ने घोषणा की कि वह सांग्मा के साथ अगले महीने असम के कार्बी आंग्लांग और मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स में विवादित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, जहां समस्या *थोड़ी जटिल* है। शर्मा ने कहा कि हम संयुक्त रूप से जून के अंत में कार्बी आंग्लांग और पश्चिम जयंतिया हिल्स जिलों का दौरा करेंगे क्योंकि वहां कुछ अशांति है। यह एक विश्वास-निर्माण उपाय होगा ताकि दोनों पक्षों के लोगों को यह भरोसा दिलाया जा सके कि हम मतभेदों को सुलझा रहे हैं। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ आठ पर

विपक्षी अपना चेहरा बचाने के लिए कर रहे उद्घाटन का बहिष्कार : हिमंत

गुवाहाटी। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह से पहले सियासी घमासान मचा हुआ है। 19 विपक्षी राजनीतिक दलों ने बुधवार को साझा बयान जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा इसके उद्घाटन का बहिष्कार किया। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसको लेकर विपक्ष की आलोचना की है। शर्मा ने कहा कि विपक्ष को उम्मीद नहीं थी कि यह इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा। इसलिए बहिष्कार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहिष्कार एक कारण यह भी हो सकता है कि उद्घाटन का दिन विनायक दामोदर सावरकर की जयंती से मेल खाता है। शर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बहिष्कार जाहिर है। उन्होंने संसद भवन के निर्माण का विरोध किया। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि निर्माण इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा। इसलिए, यह सबकुछ विपक्ष के लिए बाउंसर की तरह हुआ है। उन्होंने कहा कि (विपक्षी दल) सिर्फ अपना चेहरा बचाने के लिए वे बहिष्कार का नाटक कर रहे हैं। संसद भवन सावरकर से जुड़े दिन खुलेगा। यह उनके लिए समारोह का विरोध या बहिष्कार करने का एक और कारण हो सकता है। विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया। इनका कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बगैर संसद भ वन का उद्घाटन का प्रधानमंत्री मोदी का फैसला राष्ट्रपति के उच्च पद का अपमान करता है और संविधान की मूल भावना का उल्लंघन करता है। समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों ने एक साझा बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का इमारत का उद्घाटन खुद से करने का फैसला हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला है। नए संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब संसद से लोकतंत्र की आत्मा को निकाल लिया गया है, तो हमें एक नए भवन की कोई कीमत नजर नहीं आती है। हम नए संसद भवन का उद्घाटन का बहिष्कार करने के -शेष पृष्ठ आठ पर

मणिपुर : हथियार और गोला बारूद के तीन कार्टून बरामद

इंफाल। मणिपुर में रात सेना ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। दरअसल, मंगलवार की रात सेनापति जिले के कांगचुप तिंगखोंग जंक्शन पर व्हीकल चेक पोस्ट पर भारतीय सेना ने बदमाशों के मनसूबों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने चेकिंग के दौरान वहां से गुजरने वाली एक कार को रोका और उसमें से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। साथ ही उन्होंने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों से मिले इनपुट के आधार पर भारतीय सेना की स्पीयर कॉर्प्स ने मंगलवार रात 9:35 बजे मोबाइल व्हीकल चेक पोस्ट पर मारुति ऑल्टो को रोका गया था। सेना ने चेकिंग के दौरान 5 शॉटगन, 5 इंप्रोवाइज्ड लोकल ग्रेनेड और शॉटगन गोला बारूद के तीन कार्टन बरामद किए हैं। साथ ही गाड़ी -शेष पृष्ठ आठ पर

मानव बलि का प्रयास नाकाम, आरोपी फरार

शिवसागर। असम के शिवसागर जिले में एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी ने छिपे हुए खजाने को हासिल करने के लिए उस पर मानव बलि देने का प्रयास किया। यह घटना शिवसागर जिले के नाजिरा के बिहुबर क्षेत्र में घटी जब मोचोवा मुंडा नाम के एक व्यक्ति पर दफन संपत्ति की तलाश में मानव बलि देने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था। आरोपी मूल रूप से झारखंड का रहने वाला है। मीडिया से बात करते हुए पीड़िता ने कहा कि आरोपी मेरे घर के पास ही रहता है और पिछले दो हफ्ते से मेरा पीछा कर रहा था। एक दिन अचानक वह मेरे पास आया और मिट्टी में दबे खजाने को खोजने में मेरी मदद मांगी। उसने कहा कि खजाने को खोजने के लिए वह मानव बलि के लिए एक अनुष्ठान करेगा। उसने मुझे आश्वासन दिया कि वह मुझ पर मानव बलि अनुष्ठान करने से पहले मेरी मां को 2 लाख रुपये का भुगतान करेगा। उसने मुझे धमकी भी दी -शेष पृष्ठ आठ पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

आस्ट्रेलिया : खालिस्तान समर्थकों और भारतीयों में टकराव

सिडनी। आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल सिडनी में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। यह कार्यक्रम बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया, जिसमें करीब 20 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया जा रहा था, दूसरी ओर खालिस्तानी समर्थक और हिंदुस्तानी समुदाय के लोग आमने-सामने थे। खालिस्तानी समर्थक मोदी विरोधी नारे लगा रहे थे, जबकि भारतीय समुदाय के लोग मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। इस संबंध में कुछ वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इनमें खालिस्तानी समर्थक और भारतीय समुदाय के लोग आमने-सामने नजर आ रहे हैं। खालिस्तान समर्थक भारत विरोधी प्रचार कर रहे थे। एक तरफ भारत माता की जय के नारे सुनाई दे रहे थे और साथ ही पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे भी सुनाई दे रहे थे। कड़ी सुरक्षा के चलते दोनों समुदायों के बीच टकराव टल गया गौरतलब है कि खालिस्तान समर्थक चार जून को सिडनी में खालिस्तानी जनमत संग्रह कराने जा रहे हैं। वे मोदी के दौरे को इस कार्यक्रम की सफलता में बाधक मान रहे हैं इसलिए वे मोदी के दौरे का विरोध कर रहे थे।

फर्जी दिव्यांग दस्तावेज वालों को सरकारी नौकरी नहीं : सीएम

गुवाहाटी। एक बड़ी घोषणा में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि सरकार राज्य सरकार द्वारा विज्ञापित पदों पर दिव्यांग कोटे के तहत भर्ती पाने के लिए फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। सीएम शर्मा ने कहा कि आसानी से नौकरी पाने के लिए फर्जी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के मुद्दे पर पहले से ही कई संगठन विरोध कर रहे हैं। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सरकार ने इसे समाप्त करने के लिए पहले ही उपाय कर लिए हैं और हम नियुक्ति पाने के लिए फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र बनाने वाले उम्मीदवारों के साथ इसी तरह की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देंगे। असम के मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि इस स्थिति में उत्पन्न होने वाली मुख्य समस्या श्रवण हानि के लिए नकली प्रमाण पत्र बनाने वालों के संबंध में है। वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे और लगभग 45,000 नवनियुक्त -शेष पृष्ठ आठ पर

मैतेई व कुकी के प्रतिनिधियों से संवाद करे केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मणिपुर हिंसा को रोक पाने में केंद्र और राज्य सरकार विफल रही है। इस मुद्दे का समाधान निकालने के लिए केंद्र सरकार को मैतेई और कुकी समुदाय के प्रतिनिधियों से संवाद करना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ अजय कुमार ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को मैतेई और कुकी समुदाय के प्रतिनिधियों को बुलाकर बातचीत करनी चाहिए, जिससे मामले का समाधान निकाला जा सके। डॉक्टर अजय ने कहा कि कांग्रेस का एक -शेष पृष्ठ आठ पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कच्चा पात्र कच्चे पात्र से टकराकर टूट जाता है।
- आचार्य चाणक्य

2047 तक भारत बन जाएगा ग्लोबल लीडर : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अक्सर देश के विकास के विषय पर बात करते हैं। एक बार फिर बुधवार को उन्होंने भारत के आर्थिक विकास का जिक्र किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत विकास के अभूतपूर्व पथ पर आगे बढ़ रहा है। 2047 तक, जिस साल आजादी के सौ साल पूरे होंगे उस वक्त देश विश्व का नेतृत्व करेगा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राजधानी दिल्ली में बीएसएफ के *वार्षिक रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान* में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने सीमा सुरक्षा बल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति उसकी सुरक्षा से जुड़ी हुई है। धनखड़ ने जोर देकर कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे रक्षा बल भारत का पूरी तरह से विकास करने का काम करते हैं। *रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान* बीएसएफ के पहले प्रमुख और संस्थापक पिता केएफ रुस्तमजी की याद में आयोजित किया जाता है। बता दें कि रुस्तमजी 1965-74 के दौरान 3.25 लाख-मजबूत बल के महानिदेशक थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की स्थापना 1965 में हुई थी -शेष पृष्ठ आठ पर

कर्नाटक में हटेगा हिजाब से बैन, गोहत्या जैसे कानून भी

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हिजाब पर लगे बैन के खत्म होने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इन सुगबुगाहटों के सच साबित होने की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। सूत्रों ने बताया है कि कर्नाटक में नई कांग्रेस सरकार राज्य में हिजाब पर लगे बैन को हटाने वाली है। फिलहाल नई सरकार खुद को काबिज करने और कैबिनेट विस्तार पूरे होने का इंतजार कर रही है। कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान पहले ही कहा था -शेष पृष्ठ आठ पर

नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल स्थापित करने का निर्णय ऐतिहासिक : जेपी नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नए संसद भवन में पवित्र सेंगोल स्थापित करने का निर्णय ऐतिहासिक पल है। पवित्र सेंगोल राष्ट्रीय और ऐतिहासिक महत्व रखता है। पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि पहली बार पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 14 अगस्त, 1947 को राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में विशेष रूप से तमिलनाडु से आए पुजारियों से प्राप्त किया गया था। जेपी नड्डा ने कहा कि शासक के लिए शिव के आशीर्वाद का आह्वान करने के लिए मंत्रों के साथ सेंगोल वेस्टिंग समारोह की पवित्र तमिल परंपरा के बाद पंडित नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और *ट्रिस्ट विद डेस्टिनी* का संबोधन दिया। यह ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन से भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। सेंगोल शासन करने के सर्वोच्च नैतिक अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने इतिहास के इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को जीवंत करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक विदेशी शासक से भारत के लोगों को सत्ता का हस्तांतरण प्रत्यक्ष नहीं था, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रक्रिया के माध्यम से था।

न्यूज गैलरी

पत्नी का अनोखा प्रेम

फर्रुखाबाद। शादी के वक्त जिंदगी भर साथ रहने की कसम खाने वाले तो आपको दिख ही जाएंगे, लेकिन इस कसम को निभाने वाले लोग दुनिया में बहुत कम है। एक ऐसा ही अनोखा मामला फतेहगढ़ से सामने आया है, जहां एक पत्नी ने 2 साल पहले दुनिया से जा चुके अपने पति के शव को अपने साथ रखने के लिए कब्र खोदकर निकलवाया है। केरला की रहने वाली जॉली फर्रुखाबाद में सेंट एंथोनी स्कूल में शिक्षिका है। केरला से फर्रुखाबाद आकर जॉली और उनके पति पॉल ईजे बीते कई वर्षों से स्कूल में पढ़ा रहे थे। दो साल पहले कोरोना काल के दौरान जॉली के पति पॉल की मौत हो गई थी, -शेष पृष्ठ आठ पर

कोर्ट के फैसले के बाद लोगों को न्याय मिलना सुनिश्चित करना होगा : राष्ट्रपति

रांची (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को रांची स्थित धुर्वा के तिरिल मौजा में 72 एकड़ में नवनिर्मित झारखंड हाई कोर्ट के भवन का उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बहुत से मामलों में कोर्ट के फैसले के बाद भी लोगों को न्याय नहीं मिलता। आप सबको इसका रास्ता निकालना चाहिए। लोगों को सही मायने में न्याय मिलना चाहिए। ये जिम्मेदारी आप सबकी है। लोगों को न्याय मिले, यह सुनिश्चित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि झारखंड से उनका पुराना नाता रहा है। आपके स्वागत से अभिभूत हूं। नया भवन बेहतरीन बनाया गया है। पूरा कैम्पस पीसफुल एनर्जी कंजर्वेशन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यहां भारत के मुख्य न्यायाधीश और झारखंड के चीफ जस्टिस के अलावा बहुत से जज, वकील और विद्वान मौजूद हैं। बहुत से केस हाई कोर्ट में फाइनल होते हैं। बहुत से केस का फैसला सुप्रीम कोर्ट से आता है। जिनके पक्ष में फैसला आता है, वे खुश होते हैं। पांच-दस या 20 साल के बाद उनकी खुशी गायब हो जाती है। -शेष पृष्ठ आठ पर

मां के अंतिम संस्कार पर छिड़ा विवाद

हैदराबाद। दो भाई-बहन, एक हिंदू धर्म को मानने वाला तो एक मुस्लिम को। दोनों की मां की मौत हुई, फिर दोनों इस बात पर विवाद कर बैठे कि मां का अंतिम संस्कार किस रिवाज से होना चाहिए। मामले ने इतना ज्यादा तूल पकड़ लिया कि पुलिस को बीच में कूदना पड़ा। फिर कहीं जाकर मामला शांत हुआ। ये मामला तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का है। दोनों भाई बहनों के परिवार अलग-अलग धर्मों का पालन करते हैं। फिर मां के अंतिम संस्कार को लेकर हुए विवाद की वजह से हैदराबाद के मदन्नापेट में थोड़ा तनाव भी पैदा हो गया। पुलिस को जैसे ही इस मामले की जानकारी मिली तो वह फौरन घटनास्थाल पर पहुंची और मामले को किसी तरह शांत कराया। यह पूरा मामला मदन्नापेट के दराब जंग कॉलोनी का है, जहां बीते दिनों 95 साल की एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद उसके बेटे ने कहा कि वह अपनी मां का अंतिम संस्कार हिंदू रीति रिवाज से करेगा क्योंकि वह हिंदू है। वहीं, मृतक महिला की बेटी जो करीब 20 साल पहले इस्लाम धर्म अपना ली थी, उन्होंने कहा कि वह अपनी मां का अंतिम संस्कार इस्लाम -शेष पृष्ठ आठ पर

प्रधानमंत्री आज देहरादून-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देहरादून से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्रालय के अनुसार, रेलगाड़ी संख्या 22458/22457 देहरादून-आनंद विहार टर्मिनल-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवा 29 मई से दोनों दिशाओं से शुरू होगी। रेलगाड़ी संख्या 22458 देहरादून-आनंद विहार टर्मिनल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन देहरादून से सुबह 7 बजे प्रस्थान कर उसी दिन सुबह 11.45 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी दिशा में रेलगाड़ी संख्या 22457 आनंद विहार टर्मिनल-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल से शाम 05.50 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात 10.35 बजे देहरादून पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में हरिद्वार, रुड़की, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और मेरठ सिटी स्टेशनों पर रुकेगी। यह बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को कहा कि उत्तराखंड में शुरू होने वाली यह पहली वंदे भारत होगी। विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ, यह विशेष रूप से राज्य की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिए आरामदायक यात्रा अनुभव के एक नए युग की शुरूआत करेगी। यह ट्रेन पूरी तरह से स्वदेशी है और कवच तकनीक सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। सार्वजनिक परिवहन के स्वच्छ साधन उपलब्ध कराने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारतीय रेलवे देश में रेल मार्ग को पूरी तरह से विद्युतीकृत करने में जुटा है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री उत्तराखंड में नव विद्युतीकृत रेल लाइन खंडों का लोकार्पण करेंगे। इससे राज्य का पूरा रेल मार्ग 100 प्रतिशत विद्युतीकृत हो जाएगा। विद्युतीकृत खंडों पर इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन द्वारा चलाई जाने वाली ट्रेनों के परिणामस्वरूप ट्रेनों की गति में वृद्धि होगी और ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री करेंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शाम सात बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाएमओ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में खेल संस्कृति को विकसित करने और युवाओं को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने पर बहुत ध्यान दिया है। नवोदित खिलाड़ियों को समर्थन देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं और देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन इसी दिशा में एक और कदम है। इस साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का तीसरा संस्करण 25 मई से 3 जून तक उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएं वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ और गौतम बुद्ध नगर में आयोजित की जाएंगी। खेलों में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के 4750 से अधिक एथलीट भाग लेंगे, जो 21 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। खेलों का समापन समारोह तीन जून को वाराणसी में होगा। खेलों के शुभंकर का नाम जीतू है, जो उत्तर प्रदेश के राजकीय पशु दलदल हिरण (बारासिंघा) का प्रतिनिधित्व करता है।

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति से नहीं कराना आदिवासियों का अपमान: दिग्विजय सिंह

बुरहानपुर, (हि.स.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, राज्यसभा सांसद एवं मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने संसद के नए भवन के उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों न करवा कर प्रधानमंत्री ने देशभर के आदिवासियों का अपमान किया है। वह हर जगह खुद के नाम को प्रचारित करना चाहते हैं। बुरहानपुर में बुधवार को पत्रकार वार्ता के दौरान दिग्विजय सिंह ने नए संसद भवन के निर्माण पर ही सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि वैसे तो हेरिटेज संसद भवन को छोड़ कर नया भवन बनाने की आवश्यकता ही नहीं थी। पुराने संसद भवन को ही रिनोवेट कराया जा सकता था। उन्होंने भाजपा को आदिवासी विरोधी बताया। इसके साथ ही उन्होंने नोटबंदी और 2000 के नोट बंद करने को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। प्रेस वार्ता में दिग्विजय सिंह के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर नीखरा, क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिंकू टाक सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

विपक्षी दलों ने की नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की घोषणा

अजय त्यागी

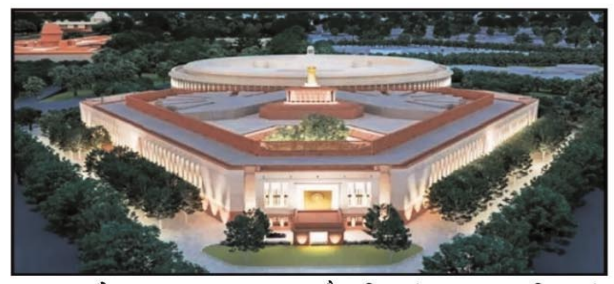

नई दिल्ली। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) सहित 19 विपक्षी दलों ने 28 मई को होने वाले नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार की घोषणा की। संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। विपक्षी दलों ने बुधवार को एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए नए संसद भवन का उद्घाटन करने का प्रधानमंत्री मोदी का फैसला न केवल घोर अपमान है, बल्कि हमारे लोकतंत्र पर भी सीधा हमला है। हम नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के अपने सामूहिक निर्णय की घोषणा करते हैं। इस आयोजन के बहिष्कार का आह्वान करने वालों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस (मणि), विदुथलाई चिरुथिगल काची, राष्ट्रीय लोकदल, तृणमूल कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), राष्ट्रीय जनता दल, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, नेशनल कॉन्फ्रेंस, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि हम अपने मतभेदों को दूर करने और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए तैयार थे। लेकिन राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार किया गया। यह हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला है। आगे कहा गया है कि राष्ट्रपति न केवल भारत में राज्य का प्रमुख होता है, बल्कि संसद का एक अभिन्न अंग भी होता है। वह संसद को बुलाती हैं, सत्रावसान करती हैं और संबोधित करती हैं। राष्ट्रपति के बिना संसद कार्य नहीं कर सकती है। फिर भी, प्रधानमंत्री ने उनके बिना नए संसद भवन का उद्घाटन करने का निर्णय लिया है। यह अशोभनीय है। संविधान के पाठ और भावना का उल्लंघन करता है। विपक्षी दलों ने कहा कि जब लोकतंत्र की आत्मा को संसद से निष्कासित कर दिया गया है, तो हमें नई इमारत में कोई मूल्य नहीं दिखता। हम नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के अपने सामूहिक निर्णय की घोषणा करते हैं।

कपड़ों से लेकर जूतों पर इंडियन स्टैंडर्ड नंबर दिखाई देगा

केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय कर रहा तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द अब कपड़ों से लेकर जूतों पर इंडियन स्टैंडर्ड नंबर दिखाई देगा। केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय इन्हें अंतिम रूप दे रहा है, और जल्द ये लोगों के सामाने आ जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि कंपनियों की ओर से बनाए गए कपड़े और जूते भारतीयों को अच्छे से फिट आएंगे। मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू ब्रांड्स की ओर से कपड़ों के माप के लिए यूएस और यूके के स्टैंडर्ड का उपयोग होता है, जो कि स्मॉल, मीडियम और लार्ज होते हैं। कपड़ों और जूतों के लिए इंडियन स्टैंडर्ड आने का लाभ कंपनियों और ग्राहकों दोनों को होगा, क्योंकि पश्चिमी देशों में लंबाई और वजन में भारतीय के मुकाबले काफी अंतर होता है। इससे कंपनियां भारतीय ग्राहकों के हिसाब से कपड़े बना सकेगी और ग्राहकों को भी अपनी फिट के हिसाब से कपड़े और जूते मिल पाएंगे। जानकारी के मुताबिक, भारतीय मानक 3डी स्कैनर की मदद से तय किया जाएंगे। इसके लिए देश के छह शहरों दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु, शिलांग और हैदराबाद के 15 से 65 वर्ष के उम्र के 25,000 लोगों के माप को लिया गया है। 2018 में कपड़ा मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन तकनीक (एनआईएफटी) भारतीय साइज चार्ट को लेकर अध्ययन करेगा और इस पूरा होने में 2 से 3 साल का समय लगेगा। इस सर्वे की लागत करीब 31 करोड़ रुपये आनी थी, जिसमें से 21 करोड़ रुपये का योगदान कपड़ा मंत्रालय की ओर से दिया जाएगा, जबकि बाकी का योगदान एनआईएफटी करेगा। भारतीय के लिए इंडियन स्टैंडर्ड की मांग उद्योग की ओर से भी की जा रही थी। भारतीय के शरीर का आकार पश्चिमी देशों के लोगों के मुकाबले काफी अलग होता है। सबसे बड़ा अंतर इंडियन स्टैंडर्ड में कमर और पैरों के माप को लेकर होता है। इससे भारत में बनने वाले कपड़े भारतीयों को यूएस और यूके वाले साइज के मुकाबले अधिक फिट आएंगे। इंडियन स्टैंडर्ड साइज आने से ग्राहकों से लेकर उद्योगों दोनों को फायदा होगा। इससे कंपनियां अपने ग्राहकों के लिए अधिक फिट कपड़े बना पाएंगी और ई-कॉमर्स को भी बड़ा बूस्ट मिलने की संभावना है। इससे भारत में कपड़ा बनाने वाली कंपनियों में भी साइज को लेकर कन्फ्यूजन दूर जाएगा। वहीं, ग्राहक अपने माप के हिसाब से कपड़े चुन सकते हैं। दुनिया के 40 से अधिक देशों में यूके के मानक का प्रयोग किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामला: मनीष सिसोदिया ने हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत याचिका वापस ली

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाई कोर्ट से अपनी अंतरिम जमानत याचिका वापस ले ली है। मनीष सिसोदिया ने पत्नी की सेहत का हवाला देते हुए अंतरिम जमानत याचिका दाखिल की थी। हाई कोर्ट सिसोदिया की इस मामले में दाखिल नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख चुका है। हाई कोर्ट ने 11 मई को नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखते हुए जेल अधीक्षक को निर्देश दिया था कि जेल मैन्युअल के हिसाब से दोपहर 3 बजे से 4 बजे के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पत्नी के साथ बैठक सुनिश्चित करें। 4 मई को कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया था। 28 अप्रैल को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। राऊज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सिसोदिया ने हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

टीवी अभिनेता नितेश पांडेय का दिल का दौरा पड़ने से निधन

मुंबई, (हि.स.)। टीवी इंडस्ट्री ने दो दिन में अपने तीन सितारों को खो दिया है। इससे टीवी और फिल्म इंडस्ट्री सदमे में है। वैभवी उपाध्याय की मौत की खबर आने के बाद अब धारावाहिक 'अनुपमा' के अभिनेता नितेश पांडेय को लेकर बुरी सूचना आई है। 'बधाई दो', 'दबंग 2' जैसी फिल्मों से लेकर 'अनुपमा' जैसे मशहूर धारावाहिक में अलग-अलग भूमिका निभाने वाले नितेश पांडेय (51) का रात को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। टीवी अभिनेत्री सुरभि तिवारी ने मीडिया को बताया है -'मैंने अपने डायरेक्टर सिद्धार्थ नागर की पोस्ट देखी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था, इसलिए उन्हें कॉल किया। मैंने उनसे पूछा, सर, ये क्या खबर है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है।' नितेश की 'अनुपमा' में मुख्य भूमिका है। उन्होंने इस सीरियल में धीरज का किरदार निभाया था। वह शाहरुख खान के साथ 'ओम शांति ओम' में सहायक की भूमिका में नजर आ चुके हैं। नितेश पांडे ने 1990 में थियेटर से अपने करियर की शुरूआत की थी। 1995 में उन्हें अभिनय का पहला अवसर शो 'तेजस' में मिला। इसमें वह जासूस की भूमिका में नजर आए थे।

दिल्ली में बादलों ने नरम किया मौसम का मिजाज, पर्वतीय राज्यों गिरी बर्फ

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र पर बादलों ने कुछ मेहरबानी कर मौसम के मिजाज को नरम कर दिया है। पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अचानक बदले मौसम से कुछ राहत मिली है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को बरसात हुई है। बारालाचा, शिंकुला और रोहतांग दर्रे में बर्फ गिरने से कुल्लू और लाहुल स्पीति में मौसम ठंडा हो गया है। उत्तराखंड में भी पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के 22 मौसम केंद्रों में से सात में मंगलवार को अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। यह इलाके दिनभर लू की गिरफ्त में रहे। शाम को 48 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली धूल भरी हवा और आसमान में छाए बादलों ने उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत दी। आज सुबह से कुछ क्षेत्रों में बादल छाए हैं। आंधी चलने और हल्की बारिश होने के आसार हैं। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने कहा कि गर्मी के मौसम में दिल्ली में बिजली की मांग मंगलवार को बढ़कर 6,916 मेगावाट हो गई। यह इस सीजन में अब तक की सबसे अधिक मांग है। पिछली गर्मियों में बिजली की अधिकतम मांग 7,695 मेगावाट दर्ज की गई थी। इस साल यह 8,100 मेगावाट तक पहुंच सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है नजफगढ़ सहित कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान मंगलवार को लगातार दूसरे दिन 46 डिग्री सेल्सियस के निशान को पार कर गया। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। मध्य दिल्ली के रिज क्षेत्र में पारा 45.1, जाफरपुर में 45.2, नरेला में 45.2 डिग्री, पीतमपुरा में 46.1, पूसा में 45.7 और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 46.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र पर सक्रिय एक पश्चिमी विक्षोभ आज (बुधवार) उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाएं लाएगा। गुरुवार तक अधिकतम तापमान में कमी आएगी। यह 36 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। बिहार के पूर्वी चंपारण, अररिया और किशनगंज में भी बरसात हो सकती है। पंजाब और हरियाणा में भी ऐसे ही आसार बन रहे हैं। झारखंड में 29 मई तक बारिश होने का पूवार्नुमान है।

राहुल गांधी को पासपोर्ट के लिए एनओसी देने की याचिका का स्वामी ने किया विरोध

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने दिल्ली की एक अदालत में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी के साधारण पासपोर्ट जारी करने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मांगने वाले आवेदन का विरोध किया। राहुल गांधी ने सांसद के रूप में अपनी अयोग्यता पर अपने राजनयिक यात्रा दस्तावेज को सरेंडर करने के बाद एक नया साधारण पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए एनओसी की मांग करते हुए अदालत का रुख किया। याचिका का विरोध कर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी ने कहा कि अगर राहुल गांधी को विदेश यात्रा की अनुमति दी जाती है, तब इससे नेशनल हेराल्ड मामले की जांच प्रभावित हो सकती है। स्वामी द्वारा कांग्रेस नेता और उनकी मां सोनिया गांधी, उनकी कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मामला दायर किया गया था। राहुल गांधी के वकील ने अदालत से कहा कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है, इसकारण उन्हें एनओसी दी जा सकती है। हालांकि, राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने कहा कि स्वामी को राहुल गांधी के आवेदन पर जवाब दाखिल करने का अधिकार है और मामले को 26 मई को अगली सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया।

ईडी की छापेमारी पर सांसद संजय भड़के, किया भाजपा पर जुबानी हमला

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के करीबियों के ठिकानों पर बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी हुई तो वे अपना आपा खो बैठे और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा निशाना साधा। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को ट्वीट के जरिए छापेमारी की पुष्टि करते हुए कहा कि शराब घोटाले में मेरे खिलाफ चार्जशीट में नाम डाल दिया गया, लेकिन जब मैंने केस किया तो कहा गया कि मेरा नाम गलती से आ गया। यह कहकर माफी मांग ली गई। आगे उन्होंने कहा कि ईडी की फर्जी जांच को पूरे देश के सामने उजागर किया। ईडी ने मुझसे गलती मानी। जब कुछ नहीं मिला तो आज मेरे सहयोगियों अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के घर ईडी ने छापा मारा है।

एक्टर नीतेश पांडे का दिल का दौरा पड़ने से निधन

मुंबई (ईएमएस)। धारावाहिक अनुपमा फेम एक्टर नीतेश पांडे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। इस खबर के सामने आने के बाद से पूरी मनोरंजन की दुनिया सकते में आ गई है। मनोरंजन जगत के लिए यह सप्ताह दुखद बन गया है। पहले आदित्य सिंह राजपूत फिर वैभवी उपाध्याय और अब नीतेश पांडे के निधन की खबर ने पूरे मनोरंजन जगत को हिला दिया है। जाहिर है कि प्रतिभाशाली अभिनेताओं का यूं अलविदा कहना फैंस और टीवी सेलेब्स को परेशान कर रहा है। बताया जा रहा है कि दिल का दौरा पड़ने से नीतेश पांडे का की सांसे थम गईं, वे 51 साल के थे। 17 जनवरी 1973 को नीतेश पांडे का जन्म हुआ था। एक्टिंग के शौकीन नीतेश ने 1990 में थिएटर से शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने टीवी की दुनिया में कदम रखा था। वे मंजिले अपनी अपनी, अस्तित्व एक प्रेम कहानी, साया, जूस्तजू, दुर्गेश नंदिनी जैसे शोज में अहम किरदार में नजर आए थे। वे रुपाली गांगुली के फेमस शो अनुपमा में धीरज कपूर के किरदार में नजर आए थे। नीतेश अपना एक प्रोडक्शन हाउस भी चलाते थे। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने एक्ट्रेस अश्विनी कलेसकर से 1998 में शादी की थी और साल 2002 में ये दोनों अलग हो गए थे।

उद्धव ठाकरे से मिले अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान

अजय कुमार

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बुधवार को मुंबई में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद इन तीनों नेताओं ने साझा पत्रकार वार्ता आयोजित कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों को बताया कि अगला साल चुनाव का है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दो निर्णय दिए हैं। एक दिल्ली सरकार के बारे में है और दूसरा शिवसेना के बारे में है। देश देख रहा है कि केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले का अनादर कर रही है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि इस समय लोकतंत्र खतरे में है, इसलिए सभी को साथ आना आवश्यक है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में उनकी सरकार आते ही मोदी सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन ली थीं । इसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट गए और सुप्रीम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला दिया। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट का फैसला केंद्र सरकार नहीं मान रही है। जजों और वकीलों को गालियां दी जा रही हैं। उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की ज्यादती का सबसे अधिक सामना शिवसेना को करना पड़ा है। उन्होंने सीबीआई, ईडी का इस्तेमाल करके बहुमत से बनी, जनता की सरकार को उखाड़ फेंका। अगर उनकी सरकार नहीं बनी तो विधायकों को तोड़ा जा रहा है। अगर उससे भी बात नहीं बनी तो अध्यादेश पारित करने की कोशिश की जा रही है। केजरीवाल ने कहा कि शिवसेना ने हमसे वादा किया है कि जब यह मुद्दा संसद में आएगा तो वे हमारा समर्थन करेंगे। भगवंत मान ने कहा कि केंद्र सरकार इलेक्टेड की जगह सेलेक्टेड को वरीयता दे रही है। ईडी, सीबीआई का प्रयोग कर गैर भाजपा सरकारों को अस्थिर किया जा रहा है। जनतंत्र की बजाय सिर्फ सत्ता ही उनका मुख्य मकसद बन गया है। भगवंत मान ने कहा कि देश के स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना खून देकर देश को आजादी दिलाई है और ये लोग देश के सारे संस्थानों को बेचने में लगे हैं, इसलिए देश बचाना जरूरी हो गया है और देश बचाने के लिए लोकतंत्र बचाना जरूरी है।

सभी राज्य सीमा सुरक्षा बल के प्रति रहें संवेदनशील : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सभी राज्य सरकारों, विशेषकर सीमावर्ती राज्यों की सरकारों से सीमा सुरक्षा बल के प्रति सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील होने की अपील की। यह देखते हुए कि बीएसएफ कर्मियों को भारत की लंबी और जटिल सीमाओं की रक्षा करने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि सभी राज्य सरकारें सकारात्मक कदम उठाएं और अपने तंत्र को संवेदनशील बनाएं ताकि बीएसएफ का मनोबल हमेशा ऊंचा बना रहे। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बुधवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 20वें अलंकरण समारोह के दौरान रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान-2023 देते हुए उपराष्ट्रपति ने सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों से बीएसएफ का विस्तार करने और सीमा सुरक्षा बल का समर्थन करने के लिए भी कहा। उन्होंने तस्करों से बीएसएफ द्वारा जब्त किए गए मवेशियों की देखभाल के लिए एक तंत्र बनाने का भी आह्वान किया। अलंकरण समारोह में 35 बीएसएफ कर्मियों को सम्मानित किया गया, जिसमें वीरता के लिए दो पुलिस पदक और मेधावी सेवा के लिए 33 पुलिस पदक शामिल थे। कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए बीएसएफ जवानों की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनमें से प्रत्येक ने उदात्त प्रतिबद्धता और राष्ट्रवाद को प्रतिबिंबित किया, जिसका हम सभी को अनुकरण करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, बीएसएफ के बहादुर पुरुष और महिलाएं राष्ट्र की सेवा में साहस, वीरता और समर्पण की मिसाल हैं। बीएसएफ जवानों के कभी हार न मानने वाले जज्बे की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि वे थार के रेगिस्तान, कच्छ के रण, कश्मीर में बर्फ से ढके पहाड़ों और पूर्वोत्तर के घने जंगलों जैसी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी भारत की सीमाओं की रखवाली करते हैं। उन्होंने तमाम कठिनाइयों के बावजूद अपना मनोबल बनाए रखने के लिए बीएसएफ जवानों के परिवारों का भी आभार व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत पहले की तरह बढ़ रहा है और इस वृद्धि में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक हमारी सुरक्षित सीमाएं हैं। केएफ रुस्तम को एक करिश्माई नेता बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने न केवल बीएसएफ की स्थापना की, बल्कि भारतीय न्यायिक प्रणाली में जनहित याचिका की नींव भी रखी। उनके मार्गदर्शन में बीएसएफ एक आधुनिक, अनुशासित और सक्षम बल के रूप में विकसित हुआ। उपराष्ट्रपति ने रुस्तमजी के 1977 में स्थापित पहले राष्ट्रीय पुलिस आयोग (एनपीसी) के सदस्य होने का स्मरण कराया। धनखड़ ने कहा कि, ह्लएनपीसी की आवश्यकता महसूस की गई, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 1975 में आपातकाल का एक काला युग आया था, जिसने बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन देखा, संस्थानों की पराजय देखी, कुछ ऐसा जिसकी संविधान के निमार्ताओं ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। बड़ी संख्या में लोगों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया और न्यायपालिका तक उनकी पहुंच नहीं थी। भारत में न्यायिक सक्रियता की घटना के लिए रुस्तम की प्रशंसा करते हुए, धनखड़ ने कहा कि उन्होंने भारत के पहले जनहित याचिका (पीआईएल) मामले, हुसैनारा खातून बनाम बिहार राज्य की आधारशिला रखी, जिसके कारण पूरे भारत में 40,000 विचाराधीन कैदी रिहा हुए, जो अधिकतम अनुमेय अवधि से बहुत अधिक समय से जेल में बंद थे।

पेयजल आपूर्ति व्यवस्था बाधित गांवों में टैंकरों से जलापूर्ति कराई जाए : जल शक्ति मंत्री

– घर के अंदर व सभी सार्वजनिक भवनों में भी जल संयोजन लगाने के निर्देश

झांसी, (हि.स.)। सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा के लिए आवश्यक बैठक सर्किट हाउस सभागार में बुधवार को आयोजित की गई। बैठक मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को अनुबन्धित समय में पूर्ण कर जनोपयोगी बनाना सुनिश्चित करें। बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पेयजल जीवन वरदान है, अतः उक्त योजनाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी न बरती जाये, साथ ही कार्यों को उचित गुणवत्ता से कराया जायें। उन्होंने कहा कि पेयजल से सम्बन्धित किसी विभाग को यदि कोई समस्या हो तो वह अन्य विभागों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए उसका निराकरण करें। पेयजल से जुड़ी परियोजनाओं एवं कार्यों को किसी भी स्तर पर लम्बित न रखा जाये। मंत्री ने कहा कि जनपद में किसी भी क्षेत्र

में पेयजल समस्या यदि हो तो जल संस्थान द्वारा जो भी वैकल्पिक व्यवस्था की जानी है उसे समय से पूरा कर लिया जाये। जल संयोजन घर के अंदर लगाया जाये, इसके अतिरिक्त उन्होंने कहा कि गांव में सार्वजनिक भवन, पंचायत भवन, विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र सहित अन्य भवनों में भी जल संयोजन लगाया जाना सुनिश्चित किया जाए। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन ग्राम समूह पेयजल योजनाओं के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति द्वारा बताया गया कि जनपद झांसी में 10 नग ग्राम समूह पेयजल योजनायें निमार्णाधीन है, जिसमें से 107 योजनाओं के 197 ग्रामों में 50179 एफ.एच.टी.सी. (गृह सयोजन) के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ की जा चुकी है। शेष ग्रामों जून-2023 तक पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी। उक्त योजनाओं में से तीन नल योजनाओं के माध्यम से जनपद झांसी के 100 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति माह जुलाई-2023 से प्रारम्भ कर दी जायेगी। मंत्री ने गुलारा ग्राम समूह पेयजल योजनान्तर्गत निमार्णाधीन डब्लू.टी.पी. का स्थलीय निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान डब्लू. टी. पी. प्लांट चलता हुआ पाया गया। उन्होंने डब्लू. टी. पी. स्थित प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया तथा जल गुणवत्ता जांच भी कराई, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप पेयजल हेतु उपयुक्त पायी गयी। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ने जल शक्ति मंत्री को अवगत कराया कि योजनान्तर्गत सम्मिलित कुल 44 ग्रामों में से 29 ग्रामों में 5920 एफ.एच.टी.सी. (गृह संयोजन) के माध्यम से पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ की जा चुकी है। शेष ग्रामों जून-2023 तक पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ कर दी जायेगी। इस मौके पर बबीना विधायक राजीव सिंह परीछा, जिलाध्यक्ष भाजपा जमना प्रसाद कुशवाहा, सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पात्र पाए जाने पर सभी किसानों को पीएम सम्मान निधि की पिछली किश्तें भी मिलेंगी : योगी

– पीएम किसान सम्मान निधि योजना का पात्र किसानों को लाभ दिलाने के लिए संतृप्तीकरण अभियान का शुभारम्भ

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बुधवार को यहां लोकभवन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिन किसानों को अब तक पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ किसी वजह से नहीं मिला होगा, उनके पात्र पाए जाने पर पिछली किश्तें भी मिलेंगी। किसानों के लिए यह बड़ी घोषणा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत समस्त पात्र किसानों को लाभ दिलाने के लिए वृहद संतृप्तीकरण अभियान का शुभारम्भ किया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भारत को बदलते देखा है। किसान, श्रमिक देश के एजेंडे में शामिल हुआ। किसान, श्रमिक जाति मजहब के नहीं होते। किसान श्रमिकों के नाम के नारे लगते थे लेकिन उन्हें कभी शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका। धरती माता की भी गुणवत्ता पहली बार पता लगाया गया। अन्नदाता किसान के फसलों का मूल्यांकन हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से 2022 तक हमने उत्तर प्रदेश मे पीएम कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत 22 लाख हेक्टेयर

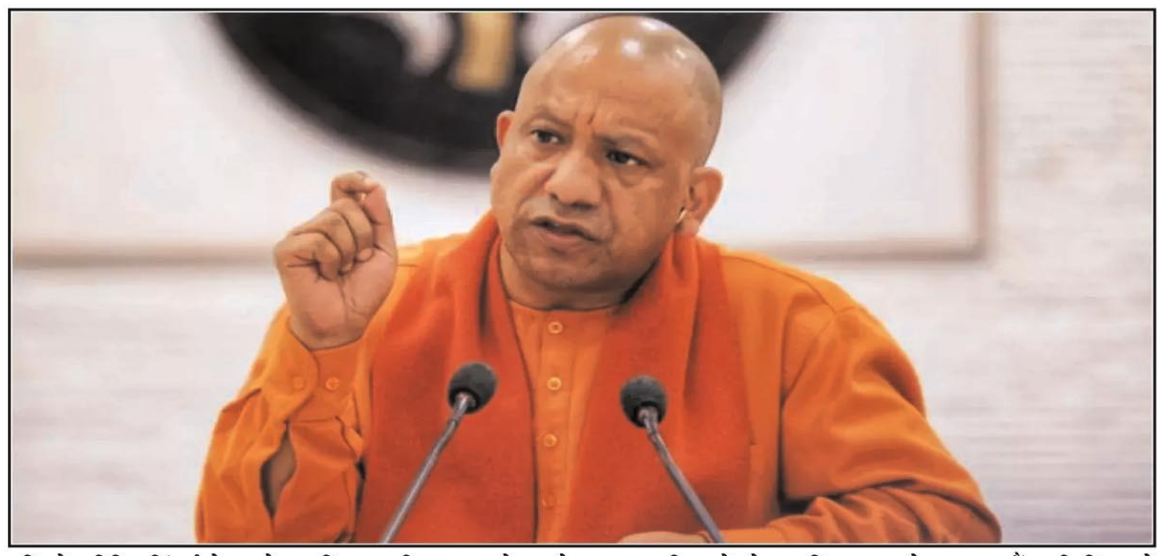

भूमि को अतिरिक्त सिंचाई योजना से युक्त किया। आज दलहन, तिलहन फसलों को भी एमएसपी पर दिये जा रहे हैं। हमारा अन्नदाता किसान हमेशा परेशान रहता था। समय पर बीज, खाद नहीं मिल पाता था। हमारे लिए यह चुनौती थी। उन्होंने कहा कि 2018 दिसम्बर में प्रधानमंत्री ने गोरखपुर में किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी। उत्तर प्रदेश के दो करोड़ 63 लाख किसान इस योजना से आज लाभान्वित हो रहे हैं। आज गांवों में भूमि विवाद समाप्त हो रहे हैं। पीएम स्वामित्व योजना अंतर्गत घरौनी वितरण किया जा रहा है। अब तक हमने 56 लाख परिवारों को सुविधा दी है। आगे इस वर्ष के अंत तक डेढ़ करोड़ परिवारों को इसका लाभ दे दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। बीसी सखी, ग्राम सचिवालय इसके उदाहरण हैं। कृषि विभाग मे आज व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इसका लाभ अन्नदाता किसान को मिल रहा है। आज का वृहद अभियान 10 जून तक चलेगा। जो शिकायतें आयी हैं या जो मिलेंगी उनका निस्तारण भी तत्काल होगा। इस मौके पर कृषि मंत्र सूर्य प्रताप शाही, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जेल में बंद पूर्व सपा विधायक रामेश्वर यादव पर दलित महिला से दुष्कर्म का केस दर्ज

आगरा (ईएमएस)। जेल में बंद सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर यादव के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। यह एफआईआर एक दलित महिला की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके साथ रामेश्वर यादव ने नौकरी देने के बहाने 4 साल पहले दुष्कर्म किया था। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाह ने कहा कि पीड़िता ने दावा किया कि रामेश्वर ने उसके साथ बलात्कार किया जबकि उसके छोटे भाई जोगेंद्र यादव ने उसके साथ मारपीट की। एफआईआर में आईपीसी की धारा 376, 354-बी, 323, 504, 506 के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराएं जोड़ी गईं। एटा जिले के जैथरा पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में महिला ने दावा किया कि वह 2 फरवरी 2019 को रामेश्वर के आवास पर मिली और नौकरी के लिए अनुरोध किया था। पीड़िता ने कहा कि उन्होंने मुझे शिक्षा विभाग में चतुर्थ

श्रेणी कर्मचारी के रूप में पद देने का वादा किया था। शुरूआत में मुझे उनके घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करने के लिए कहा गया। मैं नौकरी पाने की उम्मीद में इससे सहमत हो गई। एक दिन बाद रामेश्वर ने मुझ पर हमला किया जब मैं काम कर रही थी और मुझे घसीटते हुए अपने कमरे में ले गया। उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया और फिर मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। चार दिन बाद मैंने रामेश्वर के भाई जोगेंद्र को पूरी घटना सुनाई। मदद करने के बजाय उसने मेरे साथ क्रूरता से मारपीट की और मुझे निर्वस्त्र कर दिया। मैंने किसी तरह अपनी जान बचाई और पूर्व विधायक और उनके भाई के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत जुटाई। रामेश्वर और जोगेंद्र के खिलाफ 70 से अधिक मामले लंबित हैं।

निषाद पार्टी की राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी भंग

लखनऊ, (हि.स.)। निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय व प्रदेश कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। उनके अचानक इस निर्णय के पीछे आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को माना जा रहा है। डॉ. संजय कुमार निषाद ने लखनऊ में चल रही दो दिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन में बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने पार्टी की राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी को भंग कर दिया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर यह फैसला लिया जा रहा है। जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पार्टी ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि निषाद पार्टी का दो दिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन लखनऊ में चल रहा है। मंगलवार को शुरू हुए

प्रादेशिक सम्मेलन में पहले दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने पत्रकारों को आने वाले लोकसभा चुनाव-2024 में गठबंधन के साथ उतरने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नदियों के किनारे मछुआ समाज से जुड़ी लोकसभा की उप्र में 27 सीटों समेत 50 से अधिक लोकसभाओं में अपने उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने का दावा किया था। बुधवार को राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने वाला निर्णय इसी की तैयारी वाला बताया जा रहा है।

जिस केस में गई विधायकी उसी केस से बरी हुए आजम खान

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के लिए बड़ी राहत है। उन्हें हेट स्पीच के मामले में कोर्ट ने बरी कर दिया है। निचली अदालत के फैसले को कोर्ट ने खारिज कर आजम खान को बरी कर दिया। बता दें कि मामले में आजम को तीन साल की सजा हुई थी। इसकारण उनकी विधायकी चली गई थी। भड़काऊ भाषण देने के मामले में आजम खान को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से 27 अक्टूबर 2022 को दोषी करार देकर 3 साल की

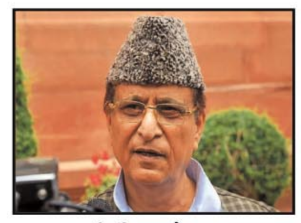

सजा सुनाई थी। इसके बाद आजम की विधानसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी। वहीं, आजम खान के वोट देने का अधिकार भी खत्म हो गया था। बाद में सपा नेता ने सजा के खिलाफ एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। इस पर कई माह बहस होने के बाद अब फैसला आया है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने आजम की तीन साल की सजा को खारिज कर उन्हें बरी किया गया है। साल 2019 का यह मामला है। रामपुर के मिलक विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को आजम खान ने संबोधित किया था। इस सभा में भड़काउ भाषण देने के आरोप उन पर लगे थे। इसके तीन साल बाद 2022 में आजम खान को तीन साल की सजा हुई थी और उनकी विधायकी चली गई थी।

दुबई के मरीन की तर्ज पर अयोध्या में क्रूज का होगा संचालन

अयोध्या (ईएमएस)। भगवान राम की नगरी अयोध्या सज रही है। यहां के मठ-मंदिरों का जीर्णोद्धार हो रहा है। त्रेता की अयोध्या का सपना साकार हो रहा है। धार्मिक दृष्टिकोण के साथ-साथ अयोध्या को पर्यटन के लिहाज से भी विकसित किया जा रहा है। अब सरयू नदी में पर्यटक पुष्पक विमान का लुत्फ उठाया जा सकेगा। दुबई की तर्ज पर सरयू में भी क्रूज चलाने की तैयारी है। दुबई के मरीन की तर्ज पर अयोध्या में क्रूज संचालन करने की योजना अगले माह से मूर्तरूप लेगी। इस क्रूज की खास बात है कि यह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। अयोध्या आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु क्रूज में रहने के साथ-साथ सरयू की जलधारा में विभिन्न व्यंजनों का स्वाद भी लेंगे। नया घाट से लेकर गुप्तार घाट तक लगभग 15 किलोमीटर के क्षेत्र में यह क्रूज चलाया जाएगा। एक बार में डेढ़

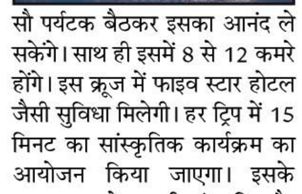

सौ पर्यटक बैठकर इसका आनंद ले सकेंगे। साथ ही इसमें 8 से 12 कमरे होंगे। इस क्रूज में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा मिलेगी। हर ट्रिप में 15 मिनट का सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा अयोध्या की संस्कृति और सभ्यता को ऑडियो तथा वीडियो के माध्यम से क्रूज में सफर कर रहे पर्यटक और श्रद्धालुओं को रूबरू कराया जाएगा। भगवान राम के जीवन पर आधारित एक लघु कथा का विवरण भी सुनाया जाएगा, ताकि प्रभु राम के अयोध्या की संस्कृति और सभ्यता को देश व दुनिया के लोग जान सकें। पर्यटन विभाग के अनुसार दीपोत्सव तक अयोध्या आने वाले पर्यटक के लिए यह सुविधा प्रारंभ कर दी जाएगी। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक आरपी यादव ने मीडिया को बताया कि अयोध्या में दो कंपनियां आई हैं, जो क्रूज का निर्माण कर रही हैं। नए घाट के पास बने पर्यटन विभाग की दो एकड़ भूमि पर क्रूज का निर्माण किया जाएगा। दुबई के तर्ज पर पर्यटक अयोध्या में क्रूज का आनंद ले सकेंगे। क्रूज में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा इसमें प्राकृतिक दृश्य को दिखाया जाएगा। इतना ही नहीं, अयोध्या में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह योजना कारगर साबित होगी। भविष्य में इस योजना के जरिए रोजगार की भी संभावना होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छा है कि धार्मिक महत्व के अलावा अयोध्या पर्यटन की दृष्टि से भी जानी और पहचानी जाए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देवघर के बाबा वैद्यनाथ धाम में की पूजा अर्चना

देवघर, (हि. स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि की कामना की। षोड्शोपचार विधि से बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना पुरोहितों ने कराई। पूजा के बाद राज्य के मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मंदिर श्राईन बोर्ड की तरफ से अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह समर्पित कर अभिनंदन किया गया। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही राष्ट्रपति का शंखनाद के साथ स्वागत किया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देवघर आने वाली चौथी राष्ट्रपति हैं।

इससे पहले देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद तथा दो बार बतौर राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी एवं रामनाथ कोविंद बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर चुके हैं। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे शहर में चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था की गयी थी।

जिनके दूध के दांत अभी नहीं टूटे, वे दे रहें हैं राजनीतिक सीखः हर्ष सहानी

मेदिनीनगर, (हि.स.)। झारखंड में सतारूढ़ कांग्रेस और झामुमो में इन दिनों बयानबाजी का दौर तेज है। दोनों दलों के नेता एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। एक दूसरे के संगठन के अंदरूनी मामले सार्वजनिक कर रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष जैशरंजन पाठक उर्फ बिट्टू के बयान पर झामुमो के सन्नी शुक्ला ने मंगलवार को बयानबाजी की थी। इसी बयान पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव हर्ष सहानी ने हमला बोलते हुए युवा नेता सन्नी को कई तरह की सीख दी है और उसे अपनाने की सलाह दी है। जिला महासचिव हर्ष ने कहा है कि झामुमो के नौसिखिया नेता अनर्गल बयानबाजी ना करें।

अभी तो उनके दूध के दांत भी नहीं टूटे हैं। उनकी तो खेलने-कूदने की उम्र हैं। किसी मैदान में जाकर खेलें ना कि राजनीतिक अखाड़ा में, जो उनके लिए यह उपयुक्त नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक गुटबाजी की बात है तो झामुमो खुद पारिवारिक गुटबाजी के दलदल में गर्दन तक डूबा हुआ है। अपना डफली-अपना राग अलाप रहे हैं। बिना कांग्रेस और राजद के सहयोग के झामुमो का राज्य में सरकार बनाना मुंगेरी लाल के हसीन सपने जैसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस के गोदी में बैठे झामुमो के कुछ नेता बिना जमीनी हकीकत जाने गठबंधन की गांठ खोलने में लगे हुए हैं। अगर कांग्रेस के नेता ने गठबंधन धर्म का पालन करने की सलाह दी तो इसमें क्या गलत है? कहा कि झामुमो अपने बूते पलामू तो क्या पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ने की स्थिति में है? अगर ऐसा है तो चुनाव लड़ कर देख ही ले, औकात का पता चल ही जाएगा।

बोकारो में माकपा राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक 26 से

रांची, (हि.स.)। माकपा राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक 26 और 27 मई को बोकारो स्टील सिटी में होगी। बैठक में 35 राज्य कमेटी सदस्यों के अलावा जिला सचिव और विशेष आमंत्रित सदस्य भी हिस्सा लेंगे। पार्टी की पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा करात और पूर्व सांसद डॉ. रामचंद्र डोम भी दिशा-निर्देश के लिए उपस्थित रहेंगे। राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने बुधवार को कहा कि बैठक में राज्य के ताजा राजनीतिक घटना विकास, हाल ही में संयुक्त वाम कन्वेंशन से तय किए गए कार्यभार और राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही विस्थापितों की समस्या, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा और वन

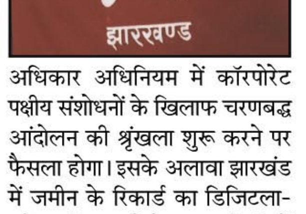

अधिकार अधिनियम में कॉरपोरेट पक्षीय संशोधनों के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की श्रृंखला शुरू करने पर फैसला होगा। इसके अलावा झारखंड में जमीन के रिकार्ड का डिजिटलाइजेशन किए जाने के बाद हुई त्रुटियों को अविलंब दुरुस्त करने की मांग और पेयजल एवं बिजली संकट के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध कार्रवाई का आह्वान किया जाएगा।

पलामू में उप मुखिया ने भाजपा नेता समेत चार को दांत से काटकर किया जख्मी

पलामू, (हि.स.)। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के सेलारी में तिलक समारोह में आर्केस्ट्रा प्रोग्राम के दौरान जमकर मारपीट हुई। इस दौरान उप मुखिया रंजीत शर्मा ने भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष करण शर्मा समेत चार लोगों को दांत से काट कर जख्मी कर दिया। पुलिस से शिकायत की गई है। जख्मी लोगों में करण शर्मा के अलावा नितेश शर्मा, सोमनाथ शर्मा और पवन शर्मा हैं। बताया जाता है कि सेलारी में सोमवार को मनोज शर्मा का तिलक समारोह था। आर्केस्ट्रा प्रोग्राम का भी आयोजन किया गया था। नितेश शर्मा ने यहां स्टेज बना था। मंगलवार की सुबह तक डांस प्रोग्राम चलता रहा। इस बीच स्टेज पर चढ़ने के लिए बनाई गई सीढ़ी टूट गई। इसको लेकर विवाद हुआ। उप मुखिया रंजीत शर्मा ने नितेश शर्मा को भला बुरा कहा। मामला काफी बढ़ गया। इस पर रंजीत ने नितेश को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। सूचना मिलने पर नितेश के भाई और बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष करण शर्मा के अलावा सोमनाथ शर्मा और पवन शर्मा मौके पर पहुंचे। उनके आने के बाद दोबारा मारपीट हुई। इस क्रम में रंजीत ने सभी को दांत से काटकर जख्मी कर दिया। थाना प्रभारी जयप्रकाश पासवान ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौता करा दिया गया है।

मनरेगा से लगाए गये 3 हजार पेड़ को जेई ने कटवाया

बगहा, (हि.स.)। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के त्रिवेणी कैनाल नहर के जीर्णोद्धार के नाम पर जूनियर इंजीनियर ने नौरंगिया दरदरी पंचायत के बेरई में करीब दो हजार और लक्ष्मीपुर पंचायत में एक हजार पेड़ को आदेश देकर कटवा दिया है। कुल तीन हजार पेड़ काट दिये गये हैं। नहर के किनारे मनरेगा से लगाये गये सभी पेड़ लगातार काटे जा रहें हैं। पेड़ की रखवाली में पिछले दो वर्षों से कार्यरत रीता देवी, लाजवंती देवी, पुष्पा देवी, नगीना देवी, लालमती देवी, कुंती देवी सहित दर्जनों महिला और पुरुषों ने बताया कि हम लोग पिछले दो साल से इन पौधों की रखवाली कर रहे हैं। मौसम, जानवर आदि से बचाते-बचाते हम खाना भी भूल जाते थे, जब पौधे वृक्ष हो गए तो इन्हें काटा जा रहा है। हम लोगों ने काफी गुहार लगाई मगर हमलोगों की नहीं सुनी गई। नौरंगिया दरदरी के बेरई त्रिवेणी कैनाल नहर पर हो रही सफाई के दौरान मौके पर संवेदक या जेई की उपस्थिति नहीं पाई गई। दर्जनों की संख्या में ट्रैक्टर अपने काम में लगे हुए थे। संवेदक का आदमी वहां मौजूद था, जिसके द्वारा खुद को ड्राइवर बताते हुए अपना नाम नहीं बताया गया। पेड़ काटे जाने के बारे में उससे पूछे जाने पर कहा कि जेई साहब ने पेड़ काटने का आदेश दिया है। मामले में त्रिवेणी कैनाल नहर के जेई चंदन कुमार से बात करने पर उन्होंने बताया कि मनरेगा के तहत गलत स्थानों पर पेड लगाये गए थे। इसलिए काटे जा रहें है। जब उनसे नहर में कार्य कर रहें संवेदक एजेंसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि एजेंसी का नाम मुझे पता नहीं, एसडीओ साहब से पूछें। पेड़ कटाई से यह लग रहा कि गंडक विभाग में पेड़ के प्रति कोई संवेदना नहीं है। नौरंगिया दरदरी के रोजगार सहायक भरत पासवान ने बताया कि पौधारोपण के समय किसी के द्वारा कोई आपत्ति नहीं की गई थी। वहीं इस मामले में मनरेगा पीओ संजीव राय से बात करने पर उन्होंने बताया कि पेड़ काटने की सूचना काफी दुखदाई है। लक्ष्मीपुर रमपुरवा में भी नहर पर पेड़ पौधे काटे जा रहे हैं। हम क्या कर सकते हैं हमारा काम है पौधा लगाना। उन्होंने कहा कि एक बार नहर की सफाई हो जाने के बाद पुनः पौधारोपण किया जायेगा।

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व सांसद आनंद मोहन

पटना, (हि.स.)। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री के पटना स्थित आवास पर दोनों के बीच आधे घंटे तक बातचीत हुई। बातचीत किन मुद्दों पर हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। हालांकि, आनंद मोहन ने इस मुलाकात को महज एक औपचारिक भेंट बताया है। आनंद मोहन ने इससे पूर्व मंगलवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से मुलाकात की थी। राज्य में महागठबंधन की सरकार है और राजद और जदयू दोनों ही सरकार में शामिल है। ऐसे में दोनों पार्टी के प्रमुख से आनंद मोहन की मुलाकात को राजनीति रूप से बड़ा बदलाव माना जा रहा है। दो दिन पूर्व ही आनंद मोहन ने बिहार में एक बड़ी रैली करने की घोषणा भी की है। इससे ऐसा माना जा रहा है कि आनंद मोहन

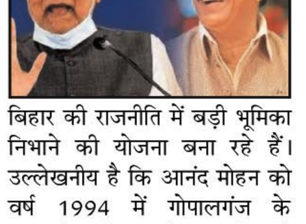

बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने की योजना बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आनंद मोहन को वर्ष 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन दलित आईएएस अधिकारी एवं जिलाधिकारी जी. कृष्णैया हत्याकांड में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा हुई थी, जिसे बाद में हाई कोर्ट ने उम्रकैद में तब्दील कर दिया था। वे कुछ दिन पहले की उम्रकैद की सजा काट कर जेल से रिहा हुए है। इसके बाद उन्होंने बेटे की शादी की और अब बिहार की राजनीति में सक्रिय हो रहे हैं।

सरकार के खिलाफ आंदोलन करने का मेरा संवैधानिक अधिकार है : डॉ. सुरेश राय

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार सरकार के अधिसूचित किए गए शिक्षक नियमावली 2023 के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन लगातार जारी है। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर बेगूसराय समाहरणालय के समीप चल रहे धरना के तीसरे दिन बुधवार को तेघरा अनुमंडल के शिक्षकों ने चिन्मय आनंद की अध्यक्षता में प्रदर्शन किया। धरना को संबोधित करते हुए बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कहा कि बिहार सरकार के विधि मंत्री को संविधान का भी ज्ञान नहीं है, क्योंकि तीन दिन पहले बेगूसराय में विधि मंत्री ने कहा था कि किसी भी सरकारी कर्मचारी को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने का अधिकार नहीं है। सरकार अध्यापक नियुक्ति नियमावली वापस नहीं लेती है तो इस हठधर्मी सरकार को बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के चट्टानी एकता की बदौलत उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष उमानंद चौधरी ने कहा कि

हमारा आंदोलन जब तक चलेगा, जब तक कि सरकार राज्य कर्मी का दर्जा एवं वेतन सुविधा नहीं देती है। कोई भी शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्ष परीक्षा फार्म नहीं भरेंगे। जिले के सभी सांसद, विधायक, विधान पार्षद से इस शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी आदेश को वापस लेने के लिए अपना समर्थन देने का आमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। जिला सचिव रणजीत कुमार ने कहा कि सत्ता भ्रष्ट बनाती है, पूर्ण सत्ता पूर्ण भ्रष्ट बनाती है। क्योंकि सरकार भ्रष्टाचार में पूर्ण रूप से लिप्त है। महागठबंधन की सरकार ने शिक्षकों से वादा खिलाफी की है। शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा नहीं देगी तो ऐसे सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। तेघड़ा अनुमंडल अध्यक्ष चिन्मय आनंद ने कहा कि सरकार की दमन पूर्ण नीतियों के कारण शिक्षा मंदिर में शिक्षा की अलख जलाने वाले शिक्षक गण आज सड़कों पर हैं। यह बिहार की शैक्षिक भविष्य के लिए दुर्भाग्य पूर्ण है।

संपादकीय

मध्यम वर्ग को धैर्य से सुनें

राजनीतिक नुमाइश में हिमाचल के मध्यमवर्गीय समाज का मूल्यांकन अगर पार्टियां कर लें, तो सत्ता की रूह और विपक्ष के तेवर आत्मनिरीक्षण कर पाएंगे, वरना घात-प्रतिघात में प्रदेश के जनादेश का मूल्यांकन कभी नहीं होगा। हिमाचल भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी के सुर स्वाभाविक तौर पर कांग्रेस सरकार के विरोधी ही होने थे, लेकिन अपनी हार या उनकी जीत में मंथन के चिराग अगर दस गारंटियों को गिनते रहेंगे, तो यह मध्यम वर्गीय हिमाचली का एक तरह से अपमान ही है। हम पहले भी कह चुके हैं कि सत्ता और विपक्ष को अपनी हार-जीत के पीछे इस वर्ग की अहमियत का संज्ञान लेना चाहिए। कम से कम अब एक ऐसा हिमाचल सामने आ चुका है, जो राष्ट्रीय राजनीति से अलग प्रादेशिक सूझबूझ से चुनावों के नतीजों को मोड़ता है। यह कहना व समझना आसान हो सकता है कि कांग्रेस की दस गारंटियों से ही सत्ता परिवर्तन हो गया या यह इतना बड़ा नहीं, छोटा सा बदलाव है, कह कर भाजपा दिल को तसल्ली दे सकती है, लेकिन जरा जिगर पर हाथ रखकर पूछें कि आखिर प्रदेश की जनता क्यों कांग्रेस के मोहल्ले में चली गई। दूसरी ओर यही भ्रम कांग्रेस को भी अगर है कि जीत का सारा कर्मकांड ओपीएस समेत तमाम गारंटियों ने ही किया है, तो यह गलत अवधारणा है। सरकारी कर्मचारियों की संख्या से तीन गुना से भी अधिक पढ़े-लिखे बेरोजगारों को ओपीएस जैसे मुद्दों से क्या लेना। कोई बेरोजगार युवती महीने के पंद्रह सौ लेने की चाह में यह भूल जाएगी कि वह स्कूल-कालेज व अन्य प्रोफेशनल कोर्स करके, ऐसे किसी चुग्गे के आगे हारने को तैयार है। कांग्रेस की कई गारंटियां अप्रत्याशित, अव्यावहारिक और असंगत मानी जा सकती हैं और जिनके प्रति समाज मरा नहीं जा रहा था, फिर भी मध्यम वर्गीय मूल्य, सरोकार, महत्त्वाकांक्षा और जीवन के प्रति अच्छे भविष्य की चिंता लाजिमी तौर पर भिन्न है। वह हर सरकार को अपने करीब देखना चाहती है, लेकिन कई बार या हर बार मुख्यमंत्रियों तक को एक ही क्षेत्र विशेष के प्रति फर्ज निभाते हुए देखकर खुद को ठगा हुआ महसूस करती है। सरकारों में निरंतरता का अभाव जब जनता को भी विपक्षी ठहरा देता है, तो इस रंज की मुलाकात अगले चुनाव में होती है। अक्सर विपक्षी विधायक के विधानसभा क्षेत्र को ही नहीं, बल्कि अब तो सत्ता पक्ष में भी जुंडलियों की कुंडलियां देखी जाती हैं। एक ही सरकार के प्रदर्शन पर अगर पूरा मंडी जिला रिवाज बदल देता है, तो दूसरी ओर कांगड़ा इतना ही विरोध क्यों अपना लेता है, इसका विश्लेषण भाजपा को करना होगा। पिछली सत्ता और मौजूदा सरकार के बीच 0.9 प्रतिशत मतों का अंतर अगर महीन होता तो सीटों की संख्या भी यही कहती, लेकिन अधिकांश मंत्रियों का हारना कई अनसुलझे प्रश्न उठाता है। क्या ये मंत्री शक्तिविहीन थे या इनके पल्ले वित्तीय संसाधनों की कमजोरी रही। यह केवल भाजपा सरकार की ही शिनाख्त नहीं, अमूमन हिमाचल की कमोबेश सभी सरकारों के आचरण में यही कमजोरी पल्लवित हो रही है। इसी कारण मंत्रियों की प्रासंगिकता व प्रभाव न तो अपने जिला में और न ही प्रदेश में विभागीय दायित्व के जरिए दिखाई देता है। सरकारों के आदर्श में भाजपा यह विश्लेषण जरूर करे कि डबल इंजन सरकार के तौर पर ऊना-हमीरपुर रेल ट्रैक, गगल एयरपोर्ट विस्तार, शिमला-धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, केंद्रीय विश्वविद्यालय, बागबानी के महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट तथा अनेक केंद्रीय परियोजनाएं सिरे क्यों नहीं चढ़ीं। क्यों सरकार में रहते हुए चार उपचुनाव हार गए या इन्वेस्टर मीट करवाकर तथा केंद्र सरकार का प्रश्रय पाकर भी प्रदेश का कर्जा शर्मनाक स्थिति तक पहुंच गया। इन सब प्रश्नों के उत्तर तब भी जनता के पास थे और अब भी, जबकि सुक्खू सरकार आ गई है, मध्यम वर्गीय समाज सब जानता है कि हो क्या रहा है। विडंबना यह जरूर है कि हिमाचल का पढ़ा-लिखा समाज न तो अपने लायक स्थानीय निकायों के और न ही विधानसभा व लोकसभा के लिए उपयुक्त चेहरे चुन पाता है। बार-बार राजनीति की गंदी थाली में अच्छा खाना परोस कर भी उसे वही जूठन चाटनी पड़ती है, जो संवेदनशील मध्यम वर्ग की सेहत के लिए हर बार अपच पैदा करती है। ऐसे में अब वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे पर भारी पडने के लिए या खुद को खरा साबित करने के लिए जनता की सोच, निर्णय व विवेक क्षमता को चौराहे पर नहीं छोड़ सकते। इसी जनता का केवल गारंटियों के लिए भाजपा से मोहभंग नहीं हुआ और आइंदा केवल गारंटियों के भरोसे कांग्रेस भी सत्ता स्थायित्व प्राप्त नहीं कर सकती। जनता बहुत कुछ कहने में सक्षम है, उसे धैर्य से सुनें।

> कांग्रेस की कई गारंटियां अप्रत्याशित, अव्यावहारिक और असंगत मानी जा सकती हैं और जिनके प्रति समाज मरा नहीं जा रहा था, फिर भी मध्यम वर्गीय मूल्य, सरोकार, महत्वाकांक्षा और जीवन के प्रति अच्छे भविष्य की चिंता लाजिमी तौर पर भिन्न है। वह हर सरकार को अपने करीब देखना चाहती है, लेकिन कई बार या हर बार मुख्यमंत्रियों तक को एक ही क्षेत्र विशेष के प्रति फर्ज निभाते हुए देखकर खुद को ठगा हुआ महसूस करती है। सरकारों में निरंतरता का अभाव जब जनता को भी विपक्षी ठहरा देता है, तो इस रंज की मुलाकात अगले चुनाव में होती है। अक्सर विपक्षी विधायक के विधानसभा क्षेत्र को ही नहीं, बल्कि अब तो सत्ता पक्ष में भी जुंडलियों की कुंडलियां देखी जाती हैं।

कुछ अलग

जी-20 का 'जन्नत'

कश्मीर एक बार फिर 'जन्नत' सा लग रहा है। रात में भी रंगीन रोशनियों में सराबोर है। डल झील लहरा रही है मानो नृत्य की मुद्रा में हो! शिकारे सैलानियों से लबालब हैं। पर्यटन विभाग के मुताबिक, 26 लाख से अधिक पर्यटक कश्मीर आ चुके हैं। अनुमान है कि इस साल यह आंकड़ा 2 करोड़ को पार कर जाएगा। सामान्य हालात का यह साक्षात पक्ष है। कश्मीर का परिसंस्कार किया जा रहा है। जिस 'लाल चौक' इलाके में पाकिस्तान का फरमान चलता था और उसी का झंडा लहराता हुआ दिखता था। हड़ताल का आदेश-सा होता था, तो बाजार बंद करने पड़ते थे और मौत का सा सन्नाटा पसरा रहता था। आज 'लाल चौक' और इर्द-गिर्द के इलाकों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। चारों ओर हलचल और गहमागहमी का माहौल है, क्योंकि कारोबार लगातार जारी है। निवेश भी आ रहा है। नई अपेक्षाएं और उम्मीदें हैं। पत्थरबाज नौजवान अब काम में जुट रहे हैं और राज्य का चौतरफा विकास देखने को लालायित हैं। कश्मीर का यह माहौल फिलहाल और अस्थायी नहीं है। अनुच्छेद 370 रद्द करने के बाद ऐसा अंतरराष्ट्रीय आयोजन किया गया है। जी-20 के 29 देशों के 61 प्रतिनिधियों ने कश्मीर बैठक में शिरकत की है। बैठक 24 मई तक जारी रहेगी। प्रतिनिधि पर्यटन, फिल्मों की शूटिंग, स्किल्स, गन्तव्य प्रबंधन, हरित पर्यटन आदि से जुड़े पहलुओं पर विमर्श कर रहे हैं। वैश्विक पर्यटन में कश्मीर भी एक आयाम होगा। जी-20 के भारतीय शेरपा अमिताभ कांत की टिप्पणी के व्यापक अर्थ हैं कि फिल्म निर्माण और रोमांस के लिए कश्मीर से बेहतर स्थान कोई और नहीं है। आतंकवाद के हत्यारे, अलगाववादी और तनावपूर्ण दौर के बाद जब कश्मीर का 'जन्नत' बहाल होता दिख रहा है, तो सुकून होता है और हमारी संप्रभुता की अखंडता भी सुनिश्चित होती है।इस परिवर्तन का श्रेय जी-20 के आयोजन को भी दिया जाना चाहिए। भारत इस वर्ष जी-20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है। सितंबर माह में 'शिखर सम्मेलन' आयोजित होगा, जिसमें इन देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री भाग लेंगे। चीन ने श्रीनगर में जी-20 की बैठक का बहिष्कार किया है, क्योंकि चीन आज भी जम्मू-कश्मीर को 'विवादित क्षेत्र' मानता है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, यह वैश्विक तौर पर स्पष्ट है। चीन ने पाकिस्तान का समर्थन करते हुए बहिष्कार का निर्णय लिया है। यदि वह शिरकत करता, तो उसकी अतिक्रमणवादी, एकतरफा नीतियों पर बैठक में सवाल किए जा सकते थे। पाकिस्तान का जी-20 से कोई लेना-देना नहीं है। वह न तो सदस्य है और न ही मेहमान की तरह उसे न्यौता दिया गया है। बहरहाल चीन के अलावा सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र ने भी अपने अधिकृत प्रतिनिधि नहीं भेजे हैं, लेकिन उन देशों की निजी कंपनियों, ट्रेवल एजेंट्स और टूर ऑपरेटर्स आदि ने शिरकत की है। यह इन देशों का दोगलापन है। दुनिया जानती है कि जब फरवरी में तुर्किए में महाविनाशकारी भूकंप आया था, तो भारत ने 'ऑपरेशन दोस्त' के जरिए उस देश की कितनी मदद की थी? कितनी जानें बचाई थीं? कितनों को भोजन, पानी, दूध मुहैया कराया गया था? सऊदी अरब भारत का चौथा सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी रहा है। फिर भी बहिष्कार समझ के परे है। मिस्र भी सदस्य नहीं, मेहमान देश है। इंडोनेशिया सरीखे इस्लामिक देशों ने भी शिरकत की है। जी-20 दुनिया का सबसे बड़ा, सम्पन्न, कारोबारी, समृद्ध और शक्तिशाली देशों का मंच है।

महिला दो वर्ष पूर्व अपने परिवार में अपने जन्मदिन की पार्टी में आधुनिक परिधान में डांस कर रही

स्वतंत्र विचारों की महिला होना आसान नहीं

सुरेश शर्मा

> संविधान ने देश के नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया है। बशर्ते कि यह स्वतंत्रता किसी दूसरे के जीवन में व्यवधान या परेशानी पैदा न करे। इसके साथ ही सामाजिक तथा व्यक्तिगत जीवन में किसे क्या करना है तथा क्या नहीं करना है, यह भी सभी नागरिकों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह व्यक्ति की अपनी सोच-समझ, स्वतंत्रता तथा दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। विशेषकर यद वह व्यक्ति महत्त्वपूर्ण दप पर सुशोभित प्रशासनिक अधिकारी हो तथा महिला हो तो प्रकरण को जानने की जिज्ञासा और बढ़ जाती है।

'हम आह भी करते हैं तो हो जाते हैं बदनाम, लोग कत्ल भी करते हैं चर्चा नहीं होता।' अकबर इलाहाबादी के इस शे'र में बहुत आक्रोश और शिकायत है। वैसे तो खाना-पीना, पहनना, नाचना, उठना-बैठना, घूमना-फिरना, बातचीत करना किसी के जीवन का व्यक्तिगत मामला है तथा इस पर किसी की टिप्पणी नहीं हो सकती। आमतौर पर नाचते तो सभी हैं अपने निजी जीवन में, लेकिन यदि यह नाच किसी प्रतिष्ठित महिला प्रशासनिक अधिकारी का हो तो चर्चा और बढ़ जाती है। संविधान ने देश के नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया है। बशर्ते कि यह स्वतंत्रता किसी दूसरे के जीवन में व्यवधान या परेशानी पैदा न करे। इसके साथ ही सामाजिक तथा व्यक्तिगत जीवन में किसे क्या करना है तथा क्या नहीं करना है, यह भी सभी नागरिकों के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है। यह व्यक्ति की अपनी सोच-समझ, स्वतंत्रता तथा दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। विशेषकर यदि वह व्यक्ति महत्त्वपूर्ण पद पर सुशोभित प्रशासनिक अधिकारी हो तथा महिला हो तो प्रकरण को जानने की जिज्ञासा और बढ़ जाती है। आजकल हिमाचल प्रदेश में एक महिला प्रशासनिक अधिकारी का डांस वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होकर चर्चा का विषय बना हुआ है। यह महिला दो वर्ष पूर्व अपने परिवार में अपने जन्मदिन की पार्टी में आधुनिक परिधान में डांस कर रही हैं। अब एक महिला रूप में अपने निजी जीवन में उनके क्या अधिकार हैं तथा उनकी क्या सीमाएं हैं, यह उन्हें तय करना है। लेकिन प्रशासनिक अधिकारी के रूप में किसी का आचरण कैसा हो, यह हमारे व्यावसायिक जीवन के कंडक्ट रूल्स तय करते हैं। अब यह मामला व्यक्तिगत होते हुए सामाजिक तथा प्रशासनिक भी है, लेकिन इसमें व्यक्ति को अपने आचरण की सीमाएं स्वयं तय करनी हैं ताकि व्यक्तिगत, सामाजिक तथा प्रशासनिक रूप से उसकी गरिमा बनी रहे। इस विषय पर कोई किसी को लाइसेंस देने के लिए अधिकृत भी नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को किसी का आचरण पसंद न हो तो फेसबुक, ट्विटर, वाट्सएप पर उस व्यक्ति से अपना नाता तोड़ ले, लेकिन किसी को किसी की पोस्ट को सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा अनाप-शनाप टिप्पणी करने का अधिकार हरगिज नहीं है। इस वीडियो में नृत्य कर रही यह महिला समझदार है, शिक्षित है, जिम्मेदार है, अपना अच्छा-बुरा

जानती है तथा अपने अधिकारों, कर्त्तव्यों, मर्यादाओं तथा सीमाओं को समझती है। वह अपने प्रियजनों तथा मित्रों के साथ जीवन के निजी क्षणों का आनंद ले रही है। इसमें किसी को कोई भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। यहां पर टिप्पणी करने वालों को अपनी सीमाओं में रहते हुए अपनी दृष्टि को भी बदलने की आवश्यकता है। हम इस तरह से कोई फैसला सुना देते हैं जैसे हमें सामाजिक नीति संहिता को तय करने का ठेका मिला गया हो। यहां पर कौन व्यक्ति किस सीमा में रहे, कैसा व्यवहार करे, क्या खाए-पिए, क्या पहने यह उस व्यक्ति की सोच-समझ, संस्कार तथा स्वतन्त्रता पर निर्भर करता है। कोई भी व्यक्ति किसी को कोई अन्तिम फैसला नहीं सुना सकता। सोशल मीडिया पर यह नृत्य वायरल होते ही यह महिला प्रशासनिक अधिकारी अपने फेसबुक अकाउंट पर सीधे-सीधे सामने आईं। महिला अधिकारी ने समाज तथा सोशल मीडिया पर बहुत से प्रश्न खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि वे सबसे पहले इनसान हैं, फिर महिला, उसके पश्चात एक अधिकारी। जिस समाज में महिला के कपड़े उसके ज्ञान और कौशल से ज्यादा टिप्पणी का विषय बनें, उस समाज में बदलाव बहुत जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ी को महिलाओं को बराबरी के सभी मायने समझ आएं। महिला अधिकारी की इस जवाबी प्रतिक्रिया में रोष भी है, आक्रोश भी है, भावुकता भी है, यथार्थ भी है तथा विडम्बना भी और धिक्कार भी है। सोशल मीडिया में सामने आए इस जवाबी वीडियो में महिला अधिकारी ने समाज तथा न्यूज चैनलों, फेसबुक पेजिज, इन्स्टाग्राम, वाट्सऐप में अपने चाहने वाले लगभग 94000 लोगों तथा समाज के समक्ष अनेक प्रश्न उठाकर सोचने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी का भी अपने ड्यूटी टाइम के पश्चात अपना निजी जीवन है। प्रश्न यह उठता है कि वर्तमान में एक प्रशासनिक अधिकारी या पढ़ी-लिखी महिला की सीमाएं कौन निश्चित करेगा? क्या यह निजी जीवन की स्वतन्त्रता का हनन नहीं होगा? क्या समाज जैसा कहे, वैसा ही व्यक्ति करने को बाध्य होगा? क्या व्यक्तिगत निजता समाज के कायदे कानून से ऊपर है? क्या व्यक्ति समाज के कायदे कानून से बढक़र है? यह सब तो किसी व्यक्ति की शिक्षा, ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, संस्कार तथा उसकी व्यक्तिगत इच्छा पर निर्भर करता है। इसके साथ ही व्यक्ति का संकीर्ण दृष्टिकोण, दूषित मानसिकता व उसकी प्रदूषित दृष्टि को कैसे बदला जा सकता है? यह भी विचारणीय प्रश्न है कि किसी भी व्यक्ति को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसे व्यक्ति स्वयं, परिवार, समाज, सरकार या फिर संविधान तय करेगा। यहां अपने संदेश में महिला अधिकारी ने बड़ी बेबाकी से उनके व्यक्तिगत जीवन से जुड़े हुए वीडियो को वायरल करने वालों से यह भी कहा है कि उनके द्वारा जनता तथा समाज के लिए किए गए सकारात्मक कार्यों को वायरल क्यों नहीं किया गया? समाजिक व्यवस्था पर प्रहार करते हुए महिला अधिकारी का कहना है कि एक महिला होना और विशेषकर एक स्वतन्त्र विचारों की महिला होना आज भी आसान नहीं है। नृत्य में पारंगत इस महिला अधिकारी ने कहा कि अभी भी महिला को स्वतन्त्र रूप से जीने तथा पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के लिए जीवन की परेशानियों, तनावों तथा चुनौतियों से आत्महत्या जैसे कदम उठाने से बेहतर तो पब में डांस करना है। यह आवश्यक है कि हम सभी भी अपने किरदार के साथ समय, स्थान तथा स्थिति के अनुसार अपनी सीमाओं को समझें। इसके साथ ही लोग भी दकियानूसी, संकीर्णता तथा प्रदूषित मानसिकता से ऊपर उठें। सभी को किसी के जीवन की निजता का सम्मान करना चाहिए, विशेषकर यदि वह व्यक्ति एक महिला हो। यहां पर कटु सत्य के धरातल पर बिना प्रशंसा तथा निंदा से इस प्रकरण पर कोई सलाह, सुझाव या अन्तिम फैसला तो नहीं दिया जा सकता, लेकिन महिला अधिकारी द्वारा उठाए गए प्रश्न विचारणीय अवश्य हैं।

गांवों की बदलती तस्वीर और महिलाएं

> ग्रामीण-सुलभ झिझक, नारी-सुलभ हया और निरक्षर होने की हीन भावना के साथ सरपंच, उप सरपंच, पंच, प्रधान और जिला प्रमुख बनी महिलाएं अब ऊंची उड़ान भर रही हैं। शुरू की हिचक जाती रही है। महिलाएं कहती हैं कि अब हिचक कैसी, महिलाएं सब कुछ कर सकती हैं। मैंने पिछले पच्चीस सालों में राजस्थान के हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू आदि जिलों में पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका को नजदीक से देखा है। सच में जिस तरह की सोच महिलाओं के प्रति व्यक्त की जा रही थी, उनके प्रति व्यवहार भी वैसा ही किया जा रहा था। 73वें संविधान संशोधन के जरिए तीन दशक पहले वंचित, दलित और शोषित वर्ग की महिलाओं के लिए पंचायत संस्थाओं में पद आरक्षित किए गए तो हालात बहुत प्रतिकूल थे। महिलाएं पदों पर तो बैठ गईं, लेकिन वास्तविक सत्ता पुरुषों के पास ही रही।

ग्रामीण महिलाएं घर सजाने, खाना बनाने, बच्चे पालने और कपड़े सिलने के अलावा कर भी क्या सकती हैं। जिन्हें बोलना नहीं आता, ऐसी गूंगी गुडिय़ा, नेतागिरी क्या खाक करेंगी? तीन दशक पहले ऐसी टिप्पणियां उस समय की गई थीं, जब 24 अप्रैल 1993 को लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और महिला सशक्तीकरण की सफल क्रियान्विति के लिए महिलाओं को उनकी जनसंख्या के अनुपातिक आधार पर पंचायत संस्थाओं में प्रतिनिधित्व देकर नई क्रांति के सूत्रपात का स्वप्न संजोया गया। पुरुष प्रधान पंचायत संस्थाओं में इस पर हर किसी ने प्रश्नचिन्ह खड़ा किया, मगर आज तीन दशक बाद यह स्वप्न साकार रूप लिए नजर आता है। पहले पांच साल बीते, फिर दस, बीस और अब तीस साल हो गए हैं। 'गूंगी गुडियाएं' न केवल बोल रही हैं बल्कि उन्होंने बड़बोलों की छुट्टी कर दी है। पंचायत संस्थाओं में, खासकर राजस्थान जैसे प्रदेश में जहां औरतें हमेशा पर्दे में रही हैं, नारी शिक्षा का स्तर आज भी अपेक्षित स्तर पर नहीं पहुंच पाया है और लडक़ों के मुकाबले आज भी लड़कियों को कमतर आंका जाता है, यह बदलाव हैरान कर देने वाला है। ग्रामीण-सुलभ झिझक, नारी-सुलभ हया और निरक्षर होने की हीन भावना के साथ सरपंच, उप सरपंच, पंच, प्रधान और जिला प्रमुख बनी महिलाएं अब ऊंची उड़ान भर रही हैं। शुरू की हिचक जाती रही है। महिलाएं कहती हैं कि अब हिचक कैसी, महिलाएं सब कुछ कर सकती हैं। मैंने पिछले पच्चीस सालों में राजस्थान के हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू आदि जिलों में पंचायती राज में महिलाओं की भूमिका को नजदीक से देखा है। सच में जिस तरह की सोच महिलाओं के प्रति व्यक्त की जा रही थी, उनके प्रति व्यवहार भी वैसा ही किया जा रहा था। 73वें संविधान संशोधन के जरिए तीन दशक पहले वंचित, दलित और शोषित वर्ग की महिलाओं के लिए पंचायत संस्थाओं में पद आरक्षित किए गए तो हालात बहुत प्रतिकूल थे। महिलाएं पदों पर तो बैठ गईं, लेकिन वास्तविक सत्ता पुरुषों के पास ही रही। ज्यादातर महिलाएं कहने को ही जन प्रतिनिधि थीं। उनके पतियों ने खुद ही जैडपीपी (जिला प्रमुख पति), पीपी (प्रधान पति), एसपी (सरपंच पति) जैसे पद सृजित कर कुर्सी हथिया ली। महिलाओं की भूमिका रबर स्टाम्प से ज्यादा न रही। सरपंच बनीं महिलाओं को हतोत्साहित करने के लिए उन पर अत्याचार किए गए। वर्ष 2000 में उदयपुर जिले की भानपुरा पंचायत के ग्रामीणों ने ओमली मीणा को निर्विरोध सरपंच चुना तो उसने महिलाओं के लिए अभिशाप बनी 'डायन प्रथा' को खत्म करने का बीड़ा उठाया, लेकिन ओमली को ही डायन करार दे दिया गया। उसे यह कहते हुए बुरी तरह मारा-पीटा गया कि वह डायन है। गांव वालों पर जादू-टोना करती है। वह निरीह महिला रोती रही, चिल्लाती रही, लेकिन हैवानों ने एक न सुनी। उसके घर पर पथराव किया गया। उसका देह शोषण भी हुआ। ओमली के साथ यह सब इसलिए हुआ था कि उसने गांव के दबंगों के दबाव में काम करने से इनकार कर दिया था। कोटड़ा तहसील की महाद पंचायत की 30 वर्षीय पंच फगू को 2005 में उसी के पति ने इसलिए पीट-पीट कर मार डाला क्योंकि उसे फगू का ग्राम विकास के मुद्दों पर सरपंच व ग्राम सचिव से बात करना पसंद नहीं था। जोधपुर जिले के शेखसर की दलित सरपंच किरण के पति को इसलिए झूठे मुकदमे में फंसा दिया गया क्योंकि उसने उप सरपंच द्वारा किरण को जमीन पर बैठा कर खुद सरपंच की कुर्सी पर बैठने का विरोध किया था। 2005 में हनुमानगढ़ जिले की उज्ज्लवास पंचायत की दलित सरपंच कमला लूणा को सुचारू रूप से चल रहे अकाल राहत कार्यों में गड़बड़ी दर्शाकर उन्हें फंसाने के प्रयास किए गए। यह इसलिए हुआ था क्योंकि कमला ने सरपंच चुनाव में एक पूर्व विधायक के नजदीक कार्यकर्ता को पराजित किया था। वर्ष 2005 में श्रीगंगानगर जिले के 22 क्यू की सरपंच सोमा देवी तथा संघर गांव की सरपंच चंदो देवी को अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। राजस्थान में इस तरह के मुकदमें दर्जनों महिलाओं के खिलाफ दर्ज किए गए। इन महिलाओं को तब राहत मिली, जब तत्कालीन राज्यपाल प्रतिभा पाटिल ने इस मामले में दखल दिया। महिला सरपंचों को हतोत्साहित करने के देश भर में ऐसे हजारों मामले हैं, लेकिन धीरे-धीरे स्थिति बदली है, जैडपीपी, पीपी, एसपी पृष्ठभूमि में जाने लगे हैं। महिलाएं अपनी भूमिका का निर्वहन बखूबी कर रही हैं। बहुत सी महिलाओं ने अपने दायित्व को स्वयं निभाकर अपनी काबिलियत को साबित किया है। अब देश भर से महिला सरपंचों की सफलता की कहानियां सामने आती रहती हैं। पंचायती राज के विकास में महिलाओं की भूमिका पुरुषों से किसी रूप में कम नहीं है, यह आभास अब किया जा सकता है। महिला जन प्रतिनिधियों ने न केवल सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई है, वहीं भ्रष्टाचार के खिलाफ सीना तानकर खड़ी हुई हैं। आज से बीस साल पहले श्रीगंगानगर की जिला प्रमुख सरिता बिश्नोई ने अकाल राहत कार्यों में अनियमितताओं के खिलाफ जमकर आवाज उठाई। मुझे याद है, शिकायतें मिलने पर सरिता न केवल गांव-गांव में गईं, बल्कि एक-एक काम का निरीक्षण कर जांच भी शुरू कराई। उन्होंने पंचायत राज की मजबूती के लिए और अधिकारों की मांग सरकार से की। मैंने विभिन्न जिलों में प्रत्यक्ष देखा है कि उन पंचायतों में ज्यादा सक्रियता और ईमानदारी से काम हुआ है, जहां महिलाएं सरपंच थीं। महिलाओं ने जो ठाना, वह कर दिखाया। 54 जीबी की सरपंच चरणजीत कौर ने अन्य कामों के अलावा अपने गांव में स्कूल भवन बनवाने को तरजीह दी। 24 एएससी की सरपंच कुसुम महेश्वरी ने महिलाओं को सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागृत करने के काम को प्राथमिकता से लिया। उनकी कोशिश से बहुत सी स्कूल छोड़ चुकीं बच्चियां फिर से पढऩे लगीं। कई महिलाओं ने गर्भ में लडक़ी होने की वजह से गर्भपात का इरादा टाल दिया। नागौर जिले के निम्बड़ी कलां की सरपंच मनीष कुमारी ने गांव में लड़कियों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए दस साल पहले जो कुछ किया, वह सराहनीय है। चूरू जिले के गोपालपुरा की सरपंच सविता राठी ने गांव की कायापलट दी है।

देश दुनीया से

अलविदा डियर!

उन जैसे सदाचारी देश बेच अपनी जेबें भर रहे हैं तो मेरे जैसे देवता मुहल्ला। बेचकर। कोई माने या न, पर कहीं न कहीं हम सब अपना कुछ न कुछ बेचते ही रहते हैं। जहां मौका मिला, वहां अपना कुछ न कुछ बेच डाला। जेब भरी और मुस्कुराते हुए, दुम दबाते हुए आगे हो लिए। जैसा कि मैंने ऊपर अर्ज किया कि मैं मुहल्ला स्तर का ईमानदार विक्रेता हूं। सो मुहल्ला बेचने से उस वक्त मेरा पर्स भरा हुआ था। मुहल्ला बेचने के बाद मैं फूला न समा रहा था। मेरे पांव मुहल्ले में नहीं टिक रहे थे। बंदे का कोई लेबल हो या न, पर मत पूछो उस वक्त मेरी खुशी का लेबल क्या था। यों समझ लीजिए कि मेरे सिर से भी ऊपर से मेरी खुशी बही जा रही थी। तभी अचानक पर्स से सिसकने की आवाज आने लगी तो मैं चौंका। हद है यार! आदमी का पर्स जब खाली होता है तो वह सिसकता ही रहता है, पर पर्स भरा होने के बाद भी पर्स सिसक रहा है? लग रहा है इसे इस बात का पता नहीं कि पगले! तू इस वक्त खाली नहीं, इस वक्त ठूंस ठूंस कर भरा है। पर कोई बात तो जरूर है। मैंने अपना पर्स अपनी पिछली जेब से बड़ी बेदर्दी से निकाला और अपने सामने उसका कान पकड़ रखा तो सच्ची को पर्स के भीतर के कडक़ड़ते दो हजार के नोट सिसक रहे थे। नोट भी सिसकते हैं मित्रो! मैंने तो आज तक इन नोटों के लिए साधु से लेकर स्वादु तक सबको सिसकते, चीखते चिल्लाते देखा है। इन नोटों के लिए वरिष्ठ से वरिष्ठ अहिंसावादी भी किसी का भी गला यों रेत देता है मानों वह तरबूज का गला रेत रहा हो। आखिर जब मैंने उनसे उनके सिसकने का कारण पूछा तो दो हजार के नोटों का प्रधान कुछ कहने के बदले सिर अकड़ाए और भी जोर से सिसकने लगा। मैं बड़ी देर तक उसे सांत्वना देता रहा। आखिर जब उसकी सिसकियां कुछ कम हुईं तो मैंने उससे कहा, 'हद है यार! सबसे बड़ा नोट होकर सिसक रहे हो? तुम तो आज तब सबको सिसकाते रहे हो।' 'बंधु बात ही कुछ ऐसी है कि...।' कंबख्त ने इतने इमोशनल होकर कहा कि उसकी तो उसकी, मेरी आंखों में भी असली के आंसू छलकने लगे। 'क्या बात है डियर?' 'मैं चलन से बाहर हो रहा हूं। अब तुम मेरे दर्शन केवल चूर्ण वाले नोटों में ही कर पाओगे।' दो हजार के नोटों का प्रधान गिरता पड़ता मेरे पर्स से निकला और मेरे गले लग फूट फूट कर रोने लगा। समाज में हद से अधिक का दबदबा रखने वाले पता नहीं क्यों इतने असहाय हो जाते होंगे? 'मतलब? मैं कुछ समझा नहीं।' 'अब मैं सपना हो रहा हूं। मुझे चलन से हटाया जा रहा है।' 'तुम जैसे कभी चलन से बाहर नहीं होते दोस्त! चलन से बाहर तो गलत तरीकों से कमाने वाले बदचलन होते हैं', मैंने उसकी आंखों के आंसू पोंछते हुए कहा। उसके बाद अपनी आंखों के आंसू पोंछे। ''काश! ऐसा होता। पर ऐसा होता ही कहां है दोस्त! लाख बदचलन होने के बाद भी वे तो समाज में हद से बेहतर चाल चलन वाले ही बने रहते हैं। काश! कभी कोई इन बदचलनों को भी चलन से बाहर कर पाता, तो उन्हें भी चलन से बाहर होने वालों की पीड़ा का भान होता', जब सारा किस्सा समझ आया तो अपने दिल पर हाथ रख उसका मन रखने के लिए मैंने उसे ढांढस बंधाते कहा, 'यहां चलन में सदा को कौन रहा है दोस्त! देखो तो, चलन में तो मैं भी नहीं। फिर भी चल रहा हूं फेक करंसी की तरह। पर इसका मतलब यह तो नहीं हो जाता कि मैं चलन में न होने के चलते आत्महत्या कर लूं?' आगे कुछ कहने के बदले वह रोते हुए धीरे धीरे मुझसे अपना हाथ यों छुड़ाने लगा मानों हम आखिरी बार बिछुड़ रहे हों। मत पूछो उस वक्त मेरे दिल का क्या हाल हुआ! जो हुआ वह गूंगे की पीड़ सा है। इसे केवल वही फील कर सकते हैं जिनके पास।

> जेब भरी और मुस्कुराते हुए, दुम दबाते हुए आगे हो लिए। जैसा कि मैंने ऊपर अर्ज किया कि मैं मुहल्ला स्तर का ईमानदार विक्रेता हूं। सो मुहल्ला बेचने से उस वक्त मेरा पर्स भरा हुआ था। मुहल्ला बेचने के बाद मैं फूला न समा रहा था। मेरे पांव मुहल्ले में नहीं टकि रहे थे। बंदे का कोई लेबल हो या न, पर मत पूछो उस वक्त मेरी खुशी का लेबल क्या था। यों समझ लीजिए कि मेरे सिर से भी ऊपर से मेरी खुशी बही जा रही थी। तभी अचानक पर्स से सिसकने की आवाज आने लगी तो मैं चौंका। हद है यार! आदमी का पर्स जब खाली होता है तो वह सिसकता ही रहता है, पर पर्स भरा होने के बाद भी पर्स सिसक रहा है? लग रहा है इसे इस बात का पता नहीं कि पगले! तू इस वक्त खाली नहीं, इस वक्त ठूंस ठूंस कर भरा है। पर कोई बात तो जरूर है। मैंने अपना पर्स अपनी पिछली जेब से बड़ी बेदर्दी से निकाला और अपने सामने उसका कान पकड़ रखा तो सच्ची को पर्स के भीतर के कडक़ड़ते दो हजार के नोट सिसक रहे थे।

नागरिक बोध

चुनाव का बिगुल बजने से पहले राजस्थान में कुमावत समाज ने ठोकी ताल

राजस्थान में विधानसभा चुनाव में छह महीने से कम समय रह गया है। राजनैतिक दलों के सियासी तेवर आरोप प्रत्यारोप के इर्दगिर्द है। राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई से अशोक गहलोत उभर ही नही पाए है। वही राजस्थान में सैनी,माली,गुर्जर राजपूत समाज के बाद अब कुमावत समाज ने सरकार के समक्ष आरक्षण की मांग रखी है। जयपुर के मुख्य मार्ग पर हजारो की संख्या में कुमावत समाज के लोगो ने जयश्री राम के जयघोष के साथ सरकार से विभिन्न मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। कर्नाटक में शपथ ग्रहण समारोह में दिग्गज नेताओं की उपस्थिति कांग्रेस के लिए हर्ष का विषय है। कर्नाटक कांग्रेस की जीत के बाद कांग्रेस पार्टी में खुशी की लहर है। इस जीत को आगामी दिनों में बड़ी सफलता के नजरिये से देखा जा रहा है। कांग्रेस की जीत के साथ ही अलग अलग समाज के संगठनों ने कांग्रेस को विधानसभा में परास्त करने का फार्मूला अख्तियार कर दिया है। अशोक गहलोत ने दो हजार के नोट पर निशाना साधते हुए कहा कि सात साल में करंसी को नही चला पाने वाले देश को क्या संभाल सकते है।यह राजनीतिक आरोप है। राजस्थान में सचिन और अशोक गहलोत की सियासी लड़ाई को भाजपा चुनाव में मुद्दा बनाने का मन बना रही है। दरअसल,राजस्थान में कुमावत समाज की आरक्षण की मांग को 21 से 27 प्रतिशत करने की मांग की गई। ओबीसी कैटेगरी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग की जा रही है। कुमावत महापंचायत में ओम बिड़ला ने भी भाग लिया। कांग्रेस की जीत के साथ ही मध्यप्रदेश में नारी सम्मान के एक कार्यक्रम में भाजपा के दिग्गज नेताओं ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया । भाजपा में असंतुष्ट विधायक को भाजपा में बहुत समय से रह रहे विधायक को भाजपा रास नही आई।इसलिए कांग्रेस का हाथ थामा है। उधर राजस्थान में कुमावत का इतिहास बताकर उनकी शिल्पकारी के बखान मंच से साझा किया। 65 विधानसभा क्षेत्रों में कुमावत समाज के हजारो मतदाताओं को नाराज होने पर इन क्षेत्रों को प्रभावित करने में बड़ी भूमिका हो सकती है। कांग्रेस को फूंक फूंक कर कदम रखने का समय आ गया है। कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगते आ रहे है।कांग्रेस खुद कहती है कि वो तुष्टिकरण के पक्ष में है। जिसके चलते मुस्लिम समाज का वोट हार जीत में निर्णायक साबित होता है। कई विधानसभा सीटों को प्रभावित किया जाता है। कुमावत समाज ने जातिगत जनगणना और शिल्पकला पर डाक टिकट जारी करने की मांग की है। कुमावत वास्तुकारों का सम्मान,स्थापत्य कला यूनिवर्सिटी और समाज के छात्रों के लिए भूमि उपलब्ध कराने को लेकर कुमावत समाज सड़क पर उतरा है। अब देखना है कि कांग्रेस कुमावत समाज की मांगों को जायज मानकर शर्तें मानने के लिए तैयार है या आश्वाशन से ही समाज को राजी करने की चेष्टा करती है।

अमेरिकी सांसदों की स्पीकर मैक्कार्थी को चिट्ठी, संसद के संयुक्त सत्र में पीएम मोदी को आमंत्रित करने की मांग

वाशिंगटन।
अमेरिकी कांग्रेस के कॉकस ने बैठक की। उन्होंने संसद के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी से आग्रह किया है कि अमेरिका दौरे के दौरान संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जाए। कॉकस का कहना है कि भारत और अमेरिका के रिश्तों को मजबूत बनाने में कांग्रेस में पीएम मोदी का संबोधन बेहतर साबित होगा।

दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण

डेमोक्रेटिक पार्टी के कांग्रेसी रो खन्ना ने मैक्कार्थी को चिट्ठी लिखकर कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन 22 जून को पीएम मोदी की यात्रा और रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। भारतीय मूल के कांग्रेसी के साथ रिपब्लिकन पार्टी के कांग्रेसी माइकल वाल्ट्ज ने भी केविन को लिखा कि संसद के संयुक्त सत्र में पीएम मोदी का संबोधन दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

दुश्मनों को भी दे सकते हैं कड़ा संदेश

सांसदों ने कहा कि जिस प्रकार राष्ट्रपति बाइडेन रात्रिभोज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान कर रहे हैं ठीक वैसे ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का संसद के संयुक्त सत्र में संबोधन एक सम्मान है। बता दें, मई की शुरुआत में दोनों सांसदों ने भारत और अमेरिका समिट की मेजबानी की थी, समिट में देश भर के नेताओं और विशेषज्ञ शामिल हुए थे। सांसदों का कहना है कि हमारे इस प्रयास से भारत-अमेरिका के रिश्तों में मजबूती तो आएगी ही साथ में हम इससे चीन को भी एक कड़ा संदेश दे सकते हैं।

दोनों देशों के हित में मजबूत रिश्ते

दोनों कांग्रेसियों ने लिखा कि राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई कुछ बैठकों के कारण दोनों देशों के संबंधों में लचीलापन आया है। सभी के लिए शांति और समृद्धि को बढ़ावा देती है। सांसदों ने कहा कि इससे हम दोनों के व्यापार, निवेश और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगे और दोनों देशों के बीच गहरा संबंध स्थापित किया जा सकता है। खन्ना और वाल्टज ने कहा कि क्वाड्रीलेटरल सुरक्षा संवाद ने भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को क्षेत्रीय, वैश्विक और सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मंच दिया है। भारत के विकास की अमेरिका सराहना करता है।

न्यूज ब्रीफ

भारतवंशी शख्स ने व्हाइट हाउस के पास बैरिकेड से भिड़ाया था ट्रक, बोला- राष्ट्रपति बाइडन को मारना था लक्ष्य

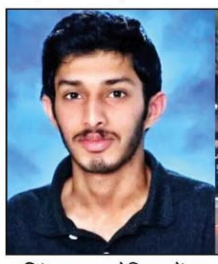

वाशिंगटन। अमेरिका में एक ट्रक व्हाइट हाउस की सुरक्षा में लगे बैरीकेड से टकरा गया था, जिसकी वजह से वहां अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया था। हालांकि, पुलिस ने ड्राइवर को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। अब बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किया गया किशोर भारतीय मूल का है। वह अमेरिका के राष्टपति को मारना चाहता था। एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 वर्षीय भारतीय मूल के किशोर ने पहले एक यू-हॉल ट्रक को किराए पर लिया। बाद में, व्हाइट हाउस की सुरक्षा में लगे बैरीकेड में जानबूझकर टक्कर मार दी। अधिकारियों का कहना है कि किशोर ने पूछताछ में बताया है कि वह सत्ता पर कब्जा करने और अमेरिकी राष्टपति जो बाइडन को मारने के लिए राष्टपति भवन के अंदर जाना चाहता था। घटना करीब 10 बजे की है। जहां लेफेटे स्कवायर के स्ट्रीट नंबर 16 पर यह घटना घटी। फिलहाल घटना की जांच चल रही और यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह एक हादसा ही था या फिर इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। अमेरिका की सीक्रेट सर्विस ने घटना की पुष्टि की थी। व्हाइट हाउस के आसपास की सड़कें एहतियातन बंद कर दी गई थीं। व्हाइट हाउस के आसपास के कई होटल, जिनमें हे एडम्स होटल भी शामिल है, उन्हें खाली करा लिया गया। यूएस सीक्रेट सर्विस के एक एजेंट ने संघीय जिला अदालत में दस्तावेज पेश किए और बताया कि ट्रक के चालक की पहचान सेंट लुइस उपनगर के रहने वाले 19 वर्षीय साई वार्षिठ कंडुला के रूप में हुई।

पीटीआई नेता कुरैशी, चीमा और उनकी पत्नी नजरबंद, रावलपिंडी प्रशासन ने कानून व्यवस्था का दिया हवाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीटीआई के वरिष्ठ नेता महमूद कुरैशी को

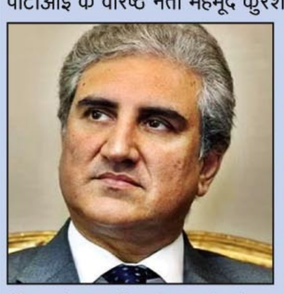

पाकिस्तानी सरकार ने नजरबंद कर दिया है। इसके अलावा सरकार ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीटीआई नेता जमशेद चीमा और उनकी पत्नी मुसर्रत चीमा को भी नजरबंद किया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, रावलपिंडी आयुक्त ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथी नेताओं को नजरबंद करने के आदेश जारी किए हैं। पाकिस्तान के मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर की धारा तीन के तहत रावलपिंडी कमिश्नर ने नजरबंद के आदेश दिए हैं। बता दें, पूर्व मंत्री कुरैशी और पीटीआई नेता जमशेद चीमा और उनकी पत्नी मुसर्रत को 15 दिनों तक नजरबंद करने के आदेश दिए गए हैं। पाकिस्तानी की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी की अदियाली जेल से रिहा होने के कुछ मिनट बाद ही उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। कुरैशी के रिहा होते ही मुसर्रत चीमा को भी गिरफ्तार किया गया था। जेल से छूटते ही पाकिस्तानी पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि वह अभी भी पीटीआई का हिस्सा हैं और रहेंगे। पीटीआई के उपाध्यक्ष शिरीन मजारी ने पहले कहा था कि वह पार्टी छोड़कर राजनीति छोड़ देंगे, जिसके कुछ घंटों बाद ही उन्होंने एलान किया कि वह पार्टी में ही शामिल रहेंगे।

विमान से छोटी दूरी की यात्रा पर अब प्रतिबंध, मैक्रों सरकार के इस फैसला का क्या है कारण

पैरिस। फ्रांस सरकार ने कार्बन की रोकथाम के लिए एक नया फैसला लिया है, जिससे विमान उद्योग में खलबली सी मच गई है। फ्रांस ने छोटी दूरी की यात्रा के लिए हवाई जहाज पर रोक लगा दी है। एक विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस सरकार ने फैसला किया है कि जिन यात्रा में ट्रेन में ढाई घंटे से कम समय लगता है, उन यात्राओं को अब फ्लाइट से नहीं किया जा सकता। फ्रांस के परिवहन मंत्री क्लेमेंट ब्यून ने बताया कि कार्बन को कम करने के लिए यह एक आवश्यक और महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने जिंदगी से कार्बन के इस्तेमाल को कम करना चाहते हैं, इसलिए छोटी दूरी के लिए हवाई यात्रा सही नहीं है। छोटी दूरी की यात्रा ट्रेन से तेज और नियमित है। नए कानून के अनुसार, ट्रेन की सेवाओं को प्रतिबद्ध किया जा रहा है। कानून के अनुसार, यह सुनिश्चित किया जा रह है कि ट्रेन सेवाएं सभी छोटे रूटों पर हो, जो समय पर यात्रियों को मिल सके। नए कानून में ध्यान रखा गया है कि छोटी यात्रा करने वाले यात्रियों को उसी रूट पर आठ घंटे बाद दोबारा ट्रेन मिल सके, जिससे वह वापस आ सकें। पर्यावरण को स्वच्छ करने के लिए सरकार छोटी यात्राओं के लिए जेट के इस्तेमाल पर भी रोक लगा रहा है। यूरोपियन फेडरेशन फॉर क्लीन ट्रांसपोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, कमर्शियल उड़ानों की तुलना में एक जेट प्रति व्यक्ति 14 गुना अधिक प्रदूषण करता है। वहीं ट्रेन की तुलना में प्रदूषण 50 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

अमेरिका के दिवालिया होने का खतरा बढ़ा

बाइडेन और हाउस स्पीकर की बातचीत नाकाम, 10 दिन में निकालना होगा हल

वॉशिंगटन।
संसद से कर्ज की मंजूरी हासिल करने की कोशिश में जुटे प्रेसिडेंट जो बाइडेन की एक और कोशिश नाकाम हो गई है। बाइडेन ने हाउस स्पीकर कैविन मैक्कार्थी से लंबी बातचीत की, लेकिन मसले का हल नहीं निकल सका।

रिपोर्ट के मुताबिक- बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन के पास अब महज 10 दिन हैं। इस दौरान उन्हें हर सूरत में रिपब्लिकन पार्टी को मनाकर डेट् सीलिंग (आसान भाषा में नए कर्ज के लिए बिल पास कराना) अप्रूवल लेना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सरकार किसी तरह के नए पेमेंट्स नहीं कर सकेगी। तकनीकी तौर पर इसे आप दिवालिया होना या डिफॉल्टर कह सकते हैं।

बाइडेन और मैक्कार्थी की बातचीत भले ही किसी नतीजे पर न पहुंची हो, लेकिन मीडिया के सामने दोनों यही कहते रहे कि वक्त रहते इस मुश्किल का हल निकाल लिया जाएगा।

रिपोर्ट में भी यही भरोसा जताया गया है। इसमें कहा गया- बहुत मुमकिन है कि मई के आखिरी हफ्ते या जून की शुरुआत में तमाम फाइनेंशियल मैटर सैटल हो जाएं और अमेरिकी इकोनॉमी नए ट्रैक पर लौट आए। इसकी एक बड़ी वजह चीन और रूस से मिल रही चुनौती भी है।

बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन की मुश्किल

प्रेसिडेंट बाइडेन 2024 का प्रेसिडेंशियल इलेक्शन लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। कुल मिलाकर उनके लिए यह चुनावी साल है। उनके सामने दो बड़े चैलेंज हैं। पहला- सियासी नफा-नुकसान देखा जाए। दूसरा- अमेरिकी इकोनॉमी को मजबूत किया जाए।

बाइडेन कह रहे हैं कि टैक्स कलेक्शन से जुड़े कानूनों में सुधार की जरूरत है। वो अमीरों पर टैक्स का बोझ बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन उनका ये दांव सियासी तौर पर भारी पड़ सकता है। वैसे भी डेमोक्रेट्स को पारंपरिक तौर पर अमीरों की पार्टी नहीं माना जाता। इसका फायदा डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी उठा सकती है। चीन को लेकर बाइडेन की पॉलिसी को लेकर वैसे ही रिपब्लिकन्स नाराज हैं।

बहरहाल, इस डेडलॉक के बीच हाउस स्पीकर मैक्कार्थी ने कहा- मैं और प्रेसिडेंट हर दिन बातचीत कर रहे हैं। उम्मीद है जल्द ही अच्छी खबर आएगी। हालांकि, मैक्कार्थी ने ये नहीं बताया कि वो सरकार को राहत देने के लिए तैयार हैं या नहीं।

हालात ऐसे क्यों बने

सीधे तौर पर यह मामला कमाई और खर्च के बैलेंस से जुड़ा है। दरअसल, अगर आपके घर में कमाई कम और खर्च ज्यादा होता है तो क्या होता है ऐसी स्थिति में आप खर्च में कटौती करके बचत करने की कोशिश करते हैं, लेकिन अगर खर्च बहुत जरूरी हों तो कर्ज लेकर उसकी भरपाई करते हैं।

50-60 साल से अमेरिका में यही होता आया है। अमेरिकी सरकार टैक्स वगैरह से होने वाली कमाई से ज्यादा खर्च करती आई है। इस खर्च को पूरा करने के लिए हर बार अमेरिकी सरकार अपने दबदबे के बूते दुनिया भर से कर्ज लेती रही है।

आमदनी और खर्चों का हिसाब ट्रेजरी डिपार्टमेंट देखता है। यही ट्रेजरी डिपार्टमेंट दूसरे देशों या कंपनियों से बॉन्ड के जरिए कर्ज लेती है। ये एक तरह का डॉक्यूमेंट होता है। इसमें कर्ज देने वाले को इसकी वक्त पर अदायगी का भरोसा दिलाया जाता है।

आसान भाषा में यूं समझिए

मान लीजिए किसी कंपनी ने अमेरिका से 1000 का बॉन्ड 10 साल के लिए 10प्रतिशत ब्याज के दर पर खरीदा। अब उस कंपनी को अमेरिका से हर साल 100 रुपए इंट्रेस्ट मिलेंगे। ये ब्याज कंपनी को अगले 10 साल के लिए मिलेंगे। 10 साल बाद आप इस बॉन्ड को 1000 में बेचकर वह कंपनी अपना पैसा वापस ले सकती है।

अमेरिका पर भरोसे के चलते दुनिया भर के निवेशक अमेरिकी बॉन्ड खरीदकर उन्हें कर्ज देने से पीछे नहीं हटते। अमेरिकी सरकार काफी ज्यादा कर्ज न ले इसके लिए 1917 में यहां एक कानून बना है। इसके तहत कर्ज जुटाने का एक तय सीमा है। अमेरिका उस सीमा को क्रॉस चुका है। ऐसे में इस सीमा को बढ़ाए बिना अमेरिकी सरकार कर्ज नहीं ले सकती है।

पहले भी ऐसा हुआ है, लेकिन जब भी अमेरिका के सामने ऐसा संकट आता है तो सरकार अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पारित करवाकर इस सीमा को बढ़वा लेती है। 1960 से अब तक 78 बार अमेरिकी संसद ने इस सीमा को बढ़ाया है।

यही काम बाइडेन करना चाहते हैं, लेकिन अपर हाउस में बाइडेन को बहुमत नहीं है। इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए उन्हें विपक्षी दलों के मदद की जरूरत होगी।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम की बढ़ी मुश्किल, लॉकडाउन नियम तोड़ने के मामले की नए सिरे से होगी जांच

लंदन।
पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। लॉकडाउन नियम तोड़ने के मामले की नए सिरे से जांच हो सकती हैं। इनपर अपनी ही सरकार में महामारी लॉकडाउन नियमों को तोड़ने के लिए जुर्माना लगाया गया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस बल और टेम्स वैली पुलिस ने कहा कि वे जून 2020 और मई 2021 के बीच की घटनाओं से संबंधित विवरणों का आकलन कर रहे हैं।

बोरिस जॉनसन पर लगे थे ये आरोप

ब्रिटेन में कोरोनावायरस महामारी का दौर सबसे कठिन समय में से एक रहा। इस दौरान सरकार ने लॉकडाउन समेत कई कड़े प्रतिबंध लगाए। इसके चलते जनता को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसी मुश्किल वक्त के दौरान एक रिपोर्ट सामने आई, जिसमें दावा किया गया कि जब आम जनता कोरोना और प्रतिबंधों से जूझ रही थी, उस दौरान जॉनसन सरकार के कुछ मंत्री और अधिकारी शराब पार्टियां कर रहे थे। वह भी किसी आम क्लब या चोरी-छिपे नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के डाउनिंग स्ट्रीट स्थित आवास पर।

जॉनसन ने लगातार इन आरोपों को नकारा और कहा कि उनके या उनकी पार्टी के नेताओं की तरफ से लॉकडाउन के किसी नियम को नहीं तोड़ा गया। हालांकि, इसी साल 25 मई को सिविल सर्वेंट स्यू ग्रे की जांच कमेटी ने जो रिपोर्ट दायर की, उससे साफ हो गया कि कोरोना के सबसे कठिन वक्त के दौरान ब्रिटिश सरकार के मंत्री नियमों को ताक पर रख पार्टियां कर रहे थे। इस रिपोर्ट में मई 2020 से लेकर अप्रैल 2021 के बीच की 16 पार्टियों के फोटोग्राफ और जानकारियां दी गई थीं। साथ ही यह भी कहा गया था कि पीएम बोरिस जॉनसन खुद इनमें से कम से कम छह अवैध पार्टियों में शामिल थे।

यह उस दौरान कोविड गाइडलाइंस का पूरी तरह से उल्लंघन था। क्योंकि तब लोगों के साथ घूमने तो दूर उनके मिलने पर भी रोक थी। यहां तक कि किसी के निधन में भी लोगों के जुटने की संख्या पर कई पाबंदियां थीं। लोग पीड़ितों से मिलने अस्पताल तक नहीं जा सकते थे। इस रिपोर्ट के सामने आने के अगले ही दिन जॉनसन ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली और संसद को बताया कि वह इन गलतियों के लिए खुद जिम्मेदार हैं।

डब्लूएचओ ने कहा- कोरोना का खतरा टला नहीं: नया वैरिएंट या वायरस आ सकता है, ज्यादा जानलेवा महामारी के लिए तैयार रहें

जेनेवा।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने कोरोना के बाद अगली महामारी को लेकर चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के गवर्नर जनरल टेड्रोस एडनम घेब्रेयसस ने कहा कि दुनिया को अगले पेंडेमिक के लिए तैयार रहना चाहिए जो कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। स्विटजरलैंड के जेनेवा में हुई 76वीं वर्ल्ड हेल्थ असेंबली की मीटिंग में डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट पेश की। इस दौरान टेड्रोस ने कहा- कोरोना भले ही अब ग्लोबल इमरजेंसी नहीं है लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि इससे अब कोई खतरा नहीं है। कोविड-19 का नया वैरिएंट कभी भी आ सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि कोई नई बीमारी सामने आ जाए जो इससे कहीं ज्यादा खतरनाक हो। ऐसे में हमें अभी से तैयारी करनी होगी।

कोरोना से मौत का असली आंकड़ा 2 करोड़ से ज्यादा - मीटिंग में टेड्रोस ने कहा- कोविड-19 सदी की सबसे खतरनाक बीमारी रही। जब कोरोना आया तो हम इससे मुकाबले के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन दूसरी महामारी जरूर आएगी और हमें हर तरह से साथ मिलकर इसका सामना करना होगा। कोरोना के चलते करीब 70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि वास्तविक आंकड़ा 2 करोड़ से ज्यादा हो सकता है। ये देखते हुए हमें अपने हेल्थ सेक्टर में जल्द से जल्द जरूरी बदलाव करने की जरूरत है।

कोरोना ग्लोबल हेल्थ टारगेट्स के लिए चैलेंज रहा - महामारी ने 2017 की वर्ल्ड हेल्थ असेंबली मीटिंग में घोषित ट्रिपल बिलियन लक्ष्यों की प्रगति को भी प्रभावित किया। टेड्रोस ने कहा कि भले ही कोरोना हमारे टारगेट के लिए बड़ा चैलेंज रहा लेकिन इससे हमें ये भी पता चला कि क्यों सस्टेनेबल गोल्स पर फोकस बनाए रखना जरूरी है। इस पीढ़ी में महामारी से समझौता नहीं करने की प्रतिबद्धता है क्योंकि यह वह लोग हैं, जिन्होंने अनुभव किया कि एक छोटा सा वायरस कितना भयानक हो सकता है।

बोलिविया की संसद में चले लात-घूंसे : महिला सांसदों ने एक-दूसरे के बाल खींचे; गवर्नर की गिरफ्तारी पर विवाद

ला पाज।
साउथ अमेरिकी देश बोलिविया की संसद में महिला सांसदों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। उन्होंने एक-दूसरे के बाल नोंचे लिए। दरअसल, विपक्षी सांसद बैनर लेकर हंगामा कर रही थीं। उनसे सत्ता पक्ष की सांसद भिड़ गईं। इसका वीडियो भी सामने आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक रूलिंग पार्टी के मिनिस्टर एडुआर्डो डेल कैस्टिलो दिसंबर में हुई सांता क्रूज रीजन के गवर्नर की गिरफ्तारी पर एक रिपोर्ट पेश कर रहे थे। तभी विपक्षी नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी।

विपक्षी नेताओं ने मिनिस्टर कैस्टिलो की तस्वीर वाले बैनर भी दिखाए। इन पर लिखा था- मिनिस्टर ऑफ टेरर। इस बीच सत्ता पक्ष के सांसदों ने बैनर फाड़ना शुरू कर दिया। देखते ही देखते करीब 20 सांसद आपस में भिड़ गए। वीडियो में कुछ सांसद बीच-बचाव करते भी नजर आ रहे हैं।

मंत्री ने गवर्नर की गिरफ्तारी को लीगल बताया - दरअसल, मिनिस्टर एडुआर्डो डेल कैस्टिलो ने संसद में सांता क्रूज रीजन के गवर्नर और विपक्षी नेता लूइस फर्नांडो कैमाचो की गिरफ्तारी को लीगल बताया। जब विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे तो डेल कैस्टिलो ने उन्हें कट्टरपंथी, हिंसक कह दिया। इसके बाद विवाद बढ़ता चला गया। विपक्षी नेताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि अगर किसी देश में राजनीतिक कैदी हैं, तो वहां लोकतंत्र है ही नहीं।

सेनेगल की संसद में महिला सांसद को थप्पड़ मारने पर विवाद हुआ था - ये पहली बार नहीं है जब किसी देश की संसद में हंगामा हुआ हो। 2 दिसंबर 2022 को सेनेगल की संसद में एक सांसद ने महिला सांसद को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद गुस्साई महिला मंत्री ने उन पर कुर्सी फेंक दी। इसके बाद दोनों सांसदों में मारपीट हो गई थी। दरअसल, महिला सांसद एमी नदिये गनीबी ने राष्ट्रपति मैकी सॉल के तीसरे कार्यकाल का विरोध करने वाले एक आध्यात्मिक नेता की आलोचना कर दी थी। विपक्षी पार्टी के सांसद मस्साता साम्ब को ये बात पसंद नहीं आई। वो अपनी जगह से उठे और गनीबी को थप्पड़ मार दिया।

अमेरिकी संसद की स्पीकर ने फाड़ी थी ट्रम्प की स्पीच - अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने 2020 में कार्यवाही के दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की स्पीच फाड़ दी थी। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक पेलोसी ने ट्रम्प की स्पीच को अविश्वास का घोषणापत्र बताया था। डोनाल्ड ट्रम्प ने इन सब विवादों के चलते पेलोसी को क्रेजी नैंसी भी कहा था।

घाना की संसद में हुई थी जूतम पैजार - घाना की संसद में एक बिल पर बहस के दौरान सरकार और विपक्ष के बीच विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि जमकर लात-घूंसे चले। इस जूतम-पैजार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जब सांसदों के बीच हाथापाई नहीं रुकी तो मार्शलों ने हालात संभालने की कोशिश की। कुछ सांसदों ने भी बीच बचाव करने की कोशिश की थी।

अमेरिका में 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हार हुई थी। इसके बाद 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) पर उनके समर्थकों ने हमला कर दिया था।

इमरान खान की पार्टी की समर्थक खदीजा शाह गिरफ्तार, जिन्ना हाउस पर हमले की अगुवाई करने का आरोप

इस्लामाबाद।
जिन्ना हाउस पर हमले के मामले में पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की समर्थक फैशन डिजाइनर खदीजा शाह को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने नौ मई को जिन्ना हाउस पर हमला कर दिया था। पंजाब पुलिस ने कहा कि लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमले की मुख्य संदिग्ध खदीजा शाह को हिरासत में लिया गया है।

खदीजा शाह ने अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया, जबकि उन्होंने पहले दावा किया था कि वह खुद उनके सामने पेश होंगी। उनके पति और परिवार के अन्य सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पीटीआई प्रमुख इमरान खान को इसी महीने नौ मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद पूरे पाकिस्तान हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरु हो गए थे। उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों ने जिन्ना हाउस में घुसकर आग लगा दी थी और कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर भी हमला किया था।

पंजाब के अंतरिम मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि सैन्य प्रतिष्ठान पर हमले के मामले में शामिल महिलाओं को हर कीमत पर गिरफ्तार किया जाएगा। खबर के मुताबिक, आत्मसमर्पण से कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल एक ऑडियो क्लिप में शाह को यह बताते हुए सुना जा सकता है कि उनके परिवार को इन दिनों कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि वह पीटीआई की समर्थक हैं और लाहौर कोर कमांडर हाउस के बाहर प्रदर्शन का हिस्सा थीं लेकिन उन्होंने लोगों को हिंसा के लिए उकसाने सहित कुछ भी गलत करने से इनकार किया।

खदीजा शाह ने एक वॉयस नोट जारी करते हुए कहा कि वह पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने जा रही हैं और उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। शाह ने स्वीकार किया कि उन्होंने गुस्से और भावना में सैन्य नेतृत्व के खिलाफ अनुचित ट्वीट किए थे, लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, मैं पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने जा रही हूं। मैंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि पिछले पांच दिन मेरे लिए काफी मुश्किल रहे हैं। उन्होंने कहा, वे (अधिकारी) आधी रात को मेरे घर में घुसे और मेरे पति व पिता का अपहरण कर लिया। उन्होंने हमारे बच्चों के सामने मेरे पति के साथ मारपीट की... मेरे घरेलू नौकरों को भी यातनाएं दी गईं। पीटीआई समर्थक ने आगे कहा कि उन्होंने किसी भी कानून या देश के संविधान का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने पिछले साल पीटीआई के कई विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया था।

शाह, डॉ. सलमान शाह की बेटी हैं जो पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की वित्तीय टीम के सदस्य थे और पंजाब में उस्मान बुजदार सरकार के दौरान सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। वह एक पूर्व सेना प्रमुख की पोती भी हैं। सेना और संघीय सरकार ने फैसला किया है कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल सभी उपद्रवियों पर पाकिस्तान सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

बुल्गेरियाई लेखक ने डार्क कॉमिक मेमोरी उपन्यास के लिए जीता इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार

लंदन। बुल्गेरियाई लेखक जॉर्जी गोस्पोडिनोव और अनुवादक एंजेला रोडेल ने टाइम शेल्टर के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता। टाइम शेल्टर उदासीनता की खतरनाक अपील के बारे में अव्यक्त रूप से एक हास्य उपन्यास है। इस पुस्तक ने पुरस्कार के लिए पांच अन्य फाइनलिस्ट को पीछे छोड़ दिया। यह दुनिया भर के उन उपन्यासों को मान्यता देता है जिनका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।50,000 पाउंड (62,000 डॉलर) की पुरस्कार राशि लेखक और अनुवादक के बीच बांटी गई। एक ऐसे क्लिनिक की कल्पना करता है जो अतीत को फिर से बनाता है, जिसमें प्रत्येक मंजिल एक अलग दशक का पुनरुत्पादन करती है। मनोभ्रम से पीड़ित लोगों को उनकी यादों को फिर से ताजा करने में मदद करने के उद्देश्य लिखी गई यह पुस्तक जल्द ही आधुनिक दुनिया से बचने के लिए उत्सुक लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। 55 वर्षीय गोस्पोडिनोव ने कहा कि उन्होंने 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव और यूके के ब्रेक्जिट जनमत संग्रह के वर्ष में उदासीनता के शस्त्रीकरण के रूप में अपनी पुस्तक लिखना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि यह एक समय था जब वातावरण में चिंता का माहौल था।

राजस्थान के पेट्रोलियम क्षेत्र में दस हजार करोड़ रुपए से अधिक का नया निवेश

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में पेट्रोलियम क्षेत्र में 22 हजार 838 करोड़ के निवेश प्रस्तावों में से लगभग 10 हजार 200 करोड़ रुपए के नये निवेश प्रस्तावों पर कार्य किए जा चुके हैं। प्रदेश में पेट्रोलियम क्षेत्र के चारों निवेशकों द्वारा कार्य जारी हैं। यह जानकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव माइन्स, पेट्रोलियम, उद्योग व एमएसएमई वीनू गुप्ता ने बुधवार को यहां दी। एसीएस माइंस वीनू गुप्ता ने पेट्रोलियम विभाग की समीक्षा बैठक के बाद बताया कि समन्वित प्रयासों से इन्वेस्ट राजस्थान के तहत पेट्रोलियम क्षेत्र में केयर्न वेदांता द्वारा 20 हजार करोड़ रुपए, ऑयल इंडिया द्वारा 663 करोड़ रुपए, ओएनजीसी द्वारा 1050 करोड़ रुपए और फोकस एनर्जी द्वारा 1125 करोड़ रुपए के नए निवेश प्रस्तावों पर करार किए गए थे। उन्होंने बताया कि चारों ही निवेशक कंपनियों द्वारा प्रदेश में निवेश प्रस्तावों

पर तेजी से क्रियान्वयन जारी हैं और 10 हजार 245 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश कार्य किए जा चुके हैं। प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से निवेश कार्य प्रगति पर है। गुप्ता ने बताया कि पेट्रोलियम क्षेत्र में सबसे अधिक निवेश केयर्न वेदांता द्वारा बाड़मेर और जालौर जिले में किया जा रहा है। 20 हजार करोड़ रुपए के निवेश करार के मुकाबले अब तक बाड़मेर और जालौर जिले में 9450 करोड़ रुपए लागत से पीएमएल और पीईएल ब्लॉक में एक्सप्लोरेशन और अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी तरह से फोकस एनर्जी द्वारा जैसलमेर ब्लॉक में 1125 करोड़ रुपए के निवेश कार्यों के मुकाबले 270 करोड़ रुपए के निवेश कार्य किए जा चुके हैं। एसीएस वीनू गुप्ता ने बताया कि ओएनजीसी द्वारा बीकानेर व जैसलमेर की पीएमएल व पीईएल में एक्सप्लोरेशन और उत्पादन में 1050 करोड़ रुपए के निवेश कार्य किए जा रहे हैं, जिसमें से 326 करोड़ 23 लाख रुपए से अधिक निवेश कार्य पूर्ण हो गए हैं। इसी तरह से ऑयल इंडिया द्वारा 663 करोड़ रुपए के निवेश लक्ष्य के मुकाबले जैसलमेर में 270 करोड़ रुपए के कार्य किए जा चुके हैं। निदेशक मांइस एवं पेट्रोलियम संदेश नायक ने बताया कि इन्वेस्ट राजस्थान में पेट्रोलियम क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के साथ ही विभाग द्वारा अनवरत समन्वय बनाते हुए प्रदेश में लगभग 10 हजार 200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश कार्य धरातल पर ला दिये हैं। सभी चारों निवेशकों द्वारा निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने के तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। निदेशक नायक ने बताया कि इससे जहां प्रदेश में पेट्रोलियम क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन और खनन कार्य को गति मिली है, वहीं नए निवेश से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए रोजगार की राह खुली हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान आज ऑनलैंड क्षेत्र में देश में सर्वाधिक खनिज कच्चा तेल उत्पादक प्रदेश बन गया है।

तीन दुकानों पर बच्चों से करवाया जा रहा था काम, टीम ने पकड़ा

फतेहाबाद (हिंस)। बच्चों से काम करवाने की मिल रही शिकायतों के बाद बुधवार को टीम द्वारा भट्टू के बाजारों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान तीन दुकानों से तीन बच्चों से नाम मात्र वेतन पर काम करवाते पाया गया। पुलिस ने तीनों बच्चों को छुड़वाकर जहां उनके परिजनों के हवाले कर दिया, वहीं तीनों दुकान मालिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में कालका जी, नई दिल्ली निवासी पुनीत शर्मा, स्टेट कोर्डिनेटर बचपन बचाओ आंदोलन ने कहा कि ऑपरेशन स्माइल के अंतर्गत उन्होंने लेबर इंस्पेक्टर कमलेश देवी जिला सिरसा व फतेहाबाद, बाल संरक्षण विभाग से सामाजिक कार्यकर्ता व आउटरीच वर्कर आशा, सविना व पुलिस टीम के साथ भट्टू के बाजार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने 3 बच्चों को अलग-अलग दुकानों पर काम करते हुए पाया। टीम द्वारा इन बच्चों को सुरक्षित छुड़वाया गया। उन्होंने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने दुकान मालिकों के खिलाफ जेजे एक्ट व चाइल्ड लेबर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इन तीनों बच्चों को उनके पारिवारिक सदस्यों के हवाले किया गया है।

तंबाकू निषेध सप्ताह के दौरान होंगे कई जन-जागरुकता कार्यक्रम

जयपुर (हिंस)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिले में 25 मई से 31 मई, 2023 को तंबाकू निषेध सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत जिले में कई जन-जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. बीएल मीणा ने बताया कि राज्य सरकार की जन घोषणा *युवाओं में नशे की लत को रोकने हेतु कारगर कदम उठाना* और विश्व तंबाकू निषेध दिवस की कार्य योजना के अंतर्गत जिले में 25 मई से 31 मई तक व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान की कार्ययोजना के अंतर्गत जिले में जिला व ब्लॉक स्तरीय बैठकों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा माईकिंग ई रिक्शा, जनजागरूकता रैली, पोस्टर, बैनर, पम्पलेट के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से अपील करते हुए कहा कि 31 मई को आयोजित होने विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह के दौरान अधिक से अधिक संख्या में आमजन को तंबाकू व नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करें और तंबाकू मुक्त राजस्थान की संकल्पना में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

अमृतसर में गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

अमृतसर। अमृतसर जिले के ब्यास थाना क्षेत्र के गांव सठियाला में बुधवार की दोपहर गैंगस्टर जरनैल सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। तीन युवकों ने गैंगस्टर जरनैल सिंह पर उस समय हमला किया जब वह तेल निकलवाने सरसों लेकर चक्की पर पहुंचा। इस दौरान जब वह चक्की से बाहर निकला तो अचानक वहां पहुंचे तीन नकाबपोशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमलावरों ने 20 से 25 फायर किए। गैंगस्टर जरनैल सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर

दी। पुलिस इसे गैंगवार के साथ जोड़कर देख रही है। वहीं, एसएसपी (देहात) सतिंदर सिंह ने बताया कि गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर हमलावरों का पता लगाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक यूपी में मारे गए गैंगस्टर गोपी घनश्यामपुरा का एक पुराना गुर्गा जरनैल सिंह सठियाला कॉलेज में विद्यार्थी यूनियन का प्रधान भी रह चुका है। करीब पांच साल पहले वह गैंगस्टर गोपी घनश्यामपुरा के संपर्क में आया और इस गैंग का गुर्गा बन गया। इस गिरोह के गुर्गों का काम कारोबारियों, उद्योगपतियों और धनाढ्य लोगों से रंगदारी वसूल करना और अपहरण करना था। इस गिरोह के सदस्य हथियार खरीदना और बेचने का धंधा भी करते थे। साल 2018 में गैंगस्टर गोपी घनश्यामपुरा का यूपी पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था। बता दें कि इस दौरान जरनैल सिंह के खिलाफ भी रंगदारी, फायरिंग करने और अवैध पिस्तौल बरामद होने के कई मामले दर्ज थे। पारिवारिक सदस्यों के मुताबिक बुधवार दोपहर जरनैल सिंह पर तीन नकाबपोशों ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। जरनैल सिंह ने बचाव का प्रयास किया मगर हमलावरों ने बहुत तेजी से 20 से 25 गोली दागी। जरनैल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। सीबीआई द्वारा की गई जांच अन्य सबूत और पंजाब की एसआईटी द्वारा पेश किए गए दस्तावेज आदि की मांग को लेकर डेरा मुखी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने एक हफ्ते में यह रिकॉर्ड दिए जाने के आदेश दे दिए।

बेअदबी का मामला : डेरा मुखी गुरमीत सिंह राम रहीम को हाईकोर्ट से राहत

चंडीगढ़। बेअदबी मामले में सीबीआई और पंजाब पुलिस द्वारा की गई जांच से जुड़ा रिकॉर्ड डेरा मुखी को दिए जाने में हाईकोर्ट ने आदेश दे दिए हैं। सीबीआई द्वारा की गई जांच अन्य सबूत और पंजाब की एसआईटी द्वारा पेश किए गए दस्तावेज आदि की मांग को लेकर डेरा मुखी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने एक हफ्ते में यह रिकॉर्ड दिए जाने के आदेश दे दिए।

सहकारी बैंक में सीएम फ्लाइंग का छापा

फतेहाबाद (हिंस)। सिरसा रोड स्थित दि फतेहाबाद केंद्रीय सहकारी बैंक में टेंडर देने को लेकर बरती गई अनियमितताओं और इसमें भ्रष्टाचार होने की शिकायतों के चलते बुधवार को सीएम फ्लाइंग की टीम ने छापेमार कार्रवाई को अंजाम दिया। एसआई कुलदीप सिंह के नेतृत्व में बैंक में पहुंची टीम ने बैंक में आते ही हाल ही में बैंक द्वारा छोड़े गए टेंडर से संबंधित कागजात खंगाले और अन्य रिकार्ड की भी जांच की। सीएम फ्लाइंग की छापेमारी की सूचना मिलते ही बैंक कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सीएम फ्लाइंग की इस टीम में एसआई कुलदीप सिंह, एएसआई सुरेंद्र ढांडा व ड्यूटी मजिस्ट्रेट ट्रेजरी अधिकारी राजेश कुमार शामिल थे। मिली जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग को बैंक में टेंडर छोड़े जाने को लेकर अनियमितताओं के बारे शिकायत मिली थी। इसी के चलते सीएम फ्लाइंग की टीम दि फतेहाबाद केंद्रीय सहकारी बैंक में पहुंची और बैंक के लेन-देन सहित हाल में छोड़े गए टेंडर की फाइलों की गहनता से जांच की। बताया गया है कि बैंक के महा प्रबंधक रहे दीपक मोर का 8 मई को ही तबादला हुआ है। इसी दिन बैंक में सीसीटीवी कैमरे और फायर सेफ्टी उपकरण लगाने के लिए 36 लाख का टेंडर छोड़ा गया है। 10 मई को महा प्रबंधक ने अपना चार्ज छोड़ा था। यह भी बताया गया है कि टेंडर लगाने वाली कंपनी को 25 लाख की पेमेंट भी कर दी गई है। इसी को लेकर सीएम फ्लाइंग को शिकायतें मिलीं थीं, जिसके आधार पर आज बैंक में जांच की गई।

रिश्वत लेते अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर(हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की धौलपुर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय भरतपुर के अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) को परिवादी से आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की धौलपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी वेतन वृद्धि इत्यादि का संशोधित आदेश जारी करने की एवज में एडीईईओ भरतपुर सुनील अग्रवाल व संस्थापन बाबू अजय गुप्ता आठ हजार रुपए की रिश्वत राशि की मांग कर रहे है। एसीबी की धौलपुर टीम के उप अधीक्षक पुलिस सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार अग्रवाल को आठ हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

नई पीढ़ी को स्वाधीनता सेनानियों की बलिदान-गाथाओं से जोड़ा जाए : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान की गाथाएं हमें प्रेरणा देने के साथ ही राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित होने के लिए जागरूक भी करती है। उन्होंने आजादी आंदोलन के गुमनाम शहीदों के बारे में लिखे साहित्य, नाटक और अन्य कार्यों से नई पीढ़ी को अधिकाधिक जोड़ने का आह्वान किया है। राज्यपाल मिश्र बुधवार को रविन्द्र रंगमंच में श्री करणी इन्द्र सेवा समिति, जयपुर द्वारा आयोजित अमर स्वाधीनता सेनानी कुंवर प्रताप सिंह बारहठ के जयंती समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश के स्वाधीनता सेनानियों की वीरता और साहस अद्भुत था, तमाम यातनाएं और प्रलोभन भी उन्हें मातृभूमिकॉ के प्रति अपने लक्ष्य से डिगा नहीं सके। राज्यपाल ने कुंवर प्रताप सिंह बारहठ सहित सभी स्वाधीनता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि राजस्थान का कण-कण अमर बलिदानियों के शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के लिए जाता है। उन्होंने कहा कि

कुंवर प्रतापसिंह बारहठ का पूरा परिवार महान क्रांतिकारी परिवार था। ऐसा उदाहरण अन्यत्र शायद ही मिले जहां स्वाधीनता के लिए हुई क्रांति में परिजनों सहित किसी ने देश के लिए इस तरह का अनूठा त्याग किया है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कुंवर प्रतापसिंह के पिता प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी केसरी सिंह बारहठ चाहते तो अपनी रियासत में ऐशोआराम का जीवन जी सकते थे। पर उन्होंने पराधीनता की पीड़ा को अनुभूत किया और क्रांति में अपना सारा सुख-वैभव होम कर दिया। उन्होंने कहा कि केसरीसिंह बारहठ ने अपने भाई जोरावरसिंह बारहठ, पुत्र प्रतापसिंह बारहठ व जामाता ईश्वरदास आसिया को भी विशेष रूप से क्रांतिकारी कार्यों में भाग लेने के लिए भेजा था। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर कुंवर प्रतापसिंह बारहठ के प्रपौत्र विशाल सिंह, उनके जामाता ईश्वरदास आसिया के परिजन सुखदेव सिंह आसिया सहित देशभर से पधाए स्वतंत्रता सेनानी परिजनों को सम्मानित भी किया। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री महेश जोशी ने कहा कि चारण समाज के बिना देश और प्रदेश के व्यवस्थित इतिहास की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि देवखेडा में राजकीय विद्यालय का नाम कुंवर प्रताप सिंह के नाम पर करने की प्रकिया लगभग पूरी हो चुकी है। उन्होंने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संदेश का वाचन भी किया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और विधायक कैलाश मेघवाल ने कहा कि देवखेड़ा में क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ पैनोरमा का निर्माण करवाया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा चार करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस अवसर पर पूर्व सांसद और धरोहर संरक्षण बोर्ड के अध्यक्ष रहे ओंकार सिंह लखावत, महंत प्रताप पुरी महाराज, पूर्व विधायक और अखिल भारतीय चारण गढ़ी समाज के अध्यक्ष सी.डी. देवल ने भी विचार व्यक्त किए। राज्यपाल मिश्र ने इस अवसर पर उपस्थितजन को संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्यजन एवं आमजन उपस्थित रहे।

पृष्ठ तीन का शेष

हम मतभेदों को ...

कि मेरा मानना है कि बातचीत, आपसी विश्वास और भरोसे के जरिए हम विवादित अन्य छह क्षेत्रों को लेकर मतभेदों को काफी पहले सुलझा लेंगे। सांग्मा ने कहा कि हालांकि इन छह क्षेत्रों में मतभेद *जटिल* हैं, लेकिन इन्हें भी विश्वास और दोस्ती की भावना से सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चीजें जटिल हैं लेकिन हमारा मानना है कि जहां चाह होती है, तो वहां रास्ता अपने आप बन जाता है। सांग्मा ने कहा कि जिन छह क्षेत्रों के लिए पिछले साल पहले चरण में दोनों राज्यों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उनमें सर्वेक्षण तथा अन्य संबद्ध कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने विभिन्न विभागों और भारतीय सर्वेक्षण विभाग से पहले छह क्षेत्रों में काम जारी रखने को कहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या शेष छह क्षेत्रों में समाधान खोजने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित की गई है ? शर्मा ने कहा कि ये छह क्षेत्र थोड़े जटिल हैं, समय सीमा तय करना उचित विचार नहीं है लेकिन हम काम की प्रगति की समीक्षा के लिए जुलाई में मिलेंगे। मेघालय, असम से अलग होकर 1972 में नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था, तभी से दोनों राज्यों के बीच सीमा को लेकर विवाद चल रहा है। असम और मेघालय 884.9 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा साझा करते हैं।

विपक्षी अपना चेहरा...

अपने सामूहिक फैसले की घोषणा करते हैं। हम इस अधिनायकवादी प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिाफ लड़ना जारी रखेंगे और अपने संदेश को सीधे भारत के लोगों तक पहुंचाएंगे। उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने वाले 19 विपक्षी दलों में कांग्रेस, द्रमुक, आम आदमी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), राजद, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, नेशनल कांफ्रेंस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस (मणि), विधुथलाई चिरुंथैगल काची, राष्ट्रीय लोक दल, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी और मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि नए संसद भवन का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारे इस विश्वास के बावजूद कि सरकार लोकतंत्र के लिए खतरा है और जिस निरंकुश तरीके से नई संसद का निर्माण किया गया, हम अपने मतभेदों को भुलाने और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए तैयार थे। लेकिन, राष्ट्रपति मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए नए संसद भवन का उद्घाटन करने का प्रधानमंत्री मोदी का निर्णय न केवल एक अपमान है, बल्कि हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला है। शर्मा ने एक ट्वीट में यह भी लिखा कि बीते नौ वर्षों में पांच गैर भाजपा/विपक्षी राज्य सरकारों ने या तो एक नए विधानसभा भवन की आधारशिला रखी या उद्घाटन किया। यह सब या तो मुख्यमंत्री या पार्टी अध्यक्ष द्वारा किया गया था। एक भी मामले में राज्यपाल या राष्ट्रपति आमंत्रित नहीं किया गया था।

मणिपुर : हथियार और ...

में सवार तीन लोगों को धर-दबोचा है। सेना ने तीनों संदिग्धों से हथियार जब्त कर उन्हें पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, उन्होंने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मानव बलि का ...

कि अगर मैंने मना किया तो वह मुझे जबरदस्ती अगवा कर लेगा और रस्म निभाएगा। पीड़िता ने धमकी मिलने के बाद पुलिस से गुहार लगाई और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। इस बीच, जब पुलिस आरोपी के घर पहुंची, तो उन्होंने पाया कि पीड़िता के पुलिस से संपर्क करने के बाद से वह भाग रहा था। शिवसागर जिले से यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले 2020 में भी रविवार आधी रात को पांच बच्चों की मानव बलि देने के प्रयास में एक महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। तीनों लोगों को देवमुख में काली पूजा करते हुए गिरफ्तार किया गया था। पांच बच्चों में एक आरोपी का बच्चा भी शामिल है। बताया जा रहा है कि सभी बच्चों को मोहल्ले के लोगों ने बचा लिया था। निवासियों ने आरोपी जमीउल हुसैन, शफीउल हुसैन और आयशा बेगम को शिवसागर पुलिस को सौंप दिया। जमीउल और शफीउल भाई हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी महिला ने दावा किया कि वह देवी काली की तरह महसूस करती है और एक तांत्रिक के परामर्श से, उसे काली पूजा के दौरान आधी रात को पांच बच्चों की बलि देने की सलाह दी गई थी। इसके अलावा, अपराधी अंधविश्वासों और बर्बर रीति-रिवाजों में विश्वास करते थे कि मानव बलि उन्हें धन और संपत्ति प्राप्त करने के मामले में सौभाग्य प्रदान करेगी।

फर्जी दिव्यांग दस्तावेज ...

उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के कार्यक्रम से पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वहां बोलते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि हमें सूचित किया गया है कि कुछ दिव्यांग उम्मीदवार हैं जो अपना मेडिकल मूल्यांकन पास नहीं कर पाए हैं। इसलिए, उनके परिणाम फिलहाल रोके जा रहे हैं। फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र के माध्यम से भर्ती होने वाले कुछ उम्मीदवारों के मुद्दे पर एक पत्रकार द्वारा दबाव डाले जाने पर, सीएम शर्मा ने कहा कि हम भर्ती आयोग को उनके दस्तावेजों की जांच करने के लिए लिखेंगे और फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का दोषी पाए जाने पर उनकी नियुक्ति रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा कि मुद्दा ज्यादातर श्रवण हानि के लिए नकली प्रमाण पत्र बनाने वालों के साथ है। यह हमारे संज्ञान में आया है कि ऐसे कई उम्मीदवार हैं जो झूठे प्रमाण पत्र पेश कर रहे हैं, जो उन्हें दिव्यांगजन कोटा के तहत भर्ती पाने के लिए मंजूरी दे रहे हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि यह उन लोगों के लिए बाधा उत्पन्न करता है जो वास्तव में विकलांग हैं और कोटा के तहत योग्य उम्मीदवार हैं। इस बीच, असम के सीएम ने कहा कि फर्जी सर्टिफिकेट बनाने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि हम फर्जी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला दर्ज करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी भी जवाब देंगे कि उन्होंने उन्हें विकलांगता प्रमाण पत्र कैसे जारी किया जब उनकी चिकित्सा जांच से पता चला कि उन्हें कोई विकलांगता नहीं है। इस संबंध में, हमने एक जांच बिठा दी है और सीआईडी और सीएम सतर्कता सेल को मामले की जांच करने के लिए कहा है। इस मामले में बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां होंगी। मुझे उम्मीद है कि यह संख्या लगभग 1,000 होगी। नकली प्रमाण पत्र बनाने वाले और जो लोग ये प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं, उन सभी की जांच की जाएगी, सीएम ने आगे कहा। उन्होंने यह भी कहा कि कई संगठन सरकारी नौकरी चाहने वाले उम्मीदवारों को जारी किए गए फर्जी एससी, एसटी प्रमाण पत्र का विरोध कर रहे हैं। मैं दिव्यांग लोगों के साथ ऐसा नहीं होने दूंगा।

मैतेई व कुकी के ...

प्रतिनिधि मंडल पार्टी के वरिष्ठ नेता व महासचिव मुकुल वासनिक के नेतृत्व में मणिपुर गया था। इस प्रतिनिधि मंडल ने राज्य के आम लोगों से बातचीत की और वहां के राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। कुमार ने कहा कि कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने हिंसा के दौरान मारे गए लोगों के परिजनों को 25 लाख रुपये का मुआवजा और हिंसा के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को पांच-पांच लाख रुपये देने की मांगी की है।

2047 तक भारत ...

और इसे मुख्य रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारतीय सीमा की रक्षा करने का काम सौंपा गया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा देश की प्रगतिशील समृद्धि की आधारशिला थी और जो विकास पहले होना चाहिए था वह अब हो रहा है। धनखड़ ने कहा कि आप देखते हैं कि हमारे पास किस तरह का सड़क बुनियादी ढांचा है, जिस तरह की तकनीकी भागीदारी हो रही है, जिस तरह के हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं और जिस तरह की सुविधाएं मानव संसाधन के लिए बनाई जा रही हैं...वह शानदार हैं। बीएसएफ जैसे सुरक्षा बलों के प्रति यह कोई दायित्व नहीं है यह हमारा कर्तव्य है। धनखड़ ने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट हैं कि अब इन मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है। संबोधन के दौरान उपराष्ट्रपति ने बीएसएफ के काम की सराहना की।

कर्नाटक में हटेगा ...

कि वह भाजपा के फैसलों पर पुनर्विचार करेंगे। विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करते समय डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भाजपा के फैसलों को वापस लेने का ऐलान भी किया था। उन्होंने कहा था कि अगर राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनती है, तो वह हिजाब बैन समेत सांप्रदायिक आधार पर बनाए गए उन सभी कानूनों को वापस लेगी, जिन्हें भाजपा सरकार ने बनाया था। इससे ये तो पूरी तरह से साफ हो गया था कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है, तो ये मुद्दा उठेगा और पार्टी को इस पर जल्द फैसला भी लेना होगा। वहीं, जब विधानसभा में बुधवार को डिप्टी सीएम से सवाल किया गया कि एमनेस्टी इंटरनेशन ने कर्नाटक में हिजाब बैन को लेकर चिंता जताई है, इस पर आप क्या कहना चाहेंगे।

कोर्ट के फैसले के ...

क्योंकि, उनको वो नहीं मिलता, जिसके लिए समय, रुपये और रातों की नींद बर्बाद कर दी। वे फिर से दुखी हो जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं फैमिली काउंसलिंग सेंटर की एक सदस्य थी। कुछ केस फाइनल होने के बाद हम उनके घर जाते थे। यह देखने के लिए कि जिस केस को हमने फाइनल किया, वह परिवार ठीक है या नहीं। बहुत से लोग अपने फैसले लेकर मेरे पास आते कि फैसला तो हमारे पक्ष में आ गया लेकिन हमें न्याय नहीं मिला। मुझे नहीं मालूम सुप्रीम कोर्ट के आगे कुछ होता है। ऐसे लोगों का कुछ हो सकता है। मूर्मु ने कहा कि चीफ जस्टिस डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने उन्हें बताया कि ऐसे मामले होते हैं। लोग कंटेम्प्ट में जा सकते हैं।

मां के अंतिम ...

धर्म के तहत करेगी। बेटी का दावा है कि वह पिछले 12 साल से मां का ख्याल रख रही थी। मीडिया से बातचीत में मृतक महिला की बेटी ने यह भी दावा किया उसकी मां इस्लाम धर्म अपना ली थी। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में उन्होंने अपनी मां की सर्जरी करवाई थी, जिसमें पांच लाख रुपये खर्च हुए थे लेकिन मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। दरअसल वह अपने भाई पर निशाना साध रही थी। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल से उसकी (मां) देखभाल की है। उन्होंने कहा कि मेरी मां की अंतिम इच्छा थी कि उसकी रिती रिवाज से उसका अंतिम संस्कार हो। हमारी परंपरा के मुताबिक उन्हें दफनाया जाएगा। डीसीपी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी तरह का कोई तनाव नहीं हुआ। यह एक पारिवारिक विवाद था, जिसे पुलिस ने सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया। बेटी की पसंद के मुताबिक, उसके घर पर फाइनल प्रेयर की गई और बॉडी को बेटे के परिवार वालों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

पत्नी का अनोखा...

कोरोना काल में देश भर में लगे लॉकडाउन के चलते वो पति के शव को केरला नहीं ले जा सकी, जिसके चलते शव को फतेहगढ़ स्थित ईसाई कब्रिस्तान में दफना दिया गया था। जॉली ने जिलाधिकारी से उनके पति के शव के अवशेषों को निकालकर अपने साथ केरला ले जाने की अनुमति मांगी थी। जिलधिकारी द्वारा अनुमति मिलने पर कब्र को खोदकर प्रशासन ने जॉली के पति के अवशेषों को उन्हें सौंप दिया है। स्व0 पॉल की पत्नी जॉली ने बताया कि उनके पति की दो साल पहले मौत हो गई थी। उनके शव को यहां दफना दिया गया था। जॉली केरला की रहने वाली उन्होंने अपने पति के अवशेषों को अपने साथ केरला ले जाने के लिए आवेदन करा था।

लेनोवो इंडिया ने वित्त वर्ष 22–23 में 1.9 अरब डॉलर का राजस्व किया प्राप्त

नई दिल्ली।
उपभोक्ता प्रौद्योगिकी प्रमुख लेनोवो ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 22-23 में भारत में कुल 1.9 अरब डॉलर का राजस्व प्राप्त किया। उद्योग और वैश्विक अनिश्चितताओं के एक साल के बाद, लेनोवो ने कहा कि वह बाजार में स्थिरता के सकारात्मक संकेत देख रहा है। यह पीसी और स्मार्ट डिवाइस के बाजार में 2023 की दूसरी छमाही में साल-दर-साल वृद्धि की उम्मीद करता है।

लेनोवो इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर शैलेंद्र कात्याल ने कहा, हम पीसी सेगमेंट में मंदी का अनुभव कर रहे हैं, सॉल्यूशंस एंड सर्विस ग्रुप (एसएसजी), मोटोरोला और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस ग्रुप (आईएसजी) के हमारे विकास इंजनों ने मंदी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, हमने भारत में स्थानीय प्रतिभाओं और क्षमताओं के पोषण में निवेश कर इस वृद्धि का समर्थन किया है और भारत में 5 मिलियन से अधिक उत्पादों के साथ अपनी स्थानीय विनिर्माण उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखा है।

जहां डिवाइस मार्किट में नरमी के चलते ग्रुप रेवन्यू प्रभावित हुआ, वहीं नॉन–पीसी बिजनेस से रेवन्यू लगभग 40 प्रतिशत के वित्तीय वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिसे सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज ग्रुप (एसएसजी) और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस ग्रुप (आईएसजी) ने बढ़ावा दिया।

अध्यक्ष व सीईओ युआनकिंग यांग ने कहा, हमारी स्पष्ट रणनीति काम कर रही है, और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद हमारा संचालन लचीला है। आगे बढ़ते हुए, हम अनुसंधान एवं विकास में निवेश करना जारी रखेंगे, ताकि हम भविष्य के लिए अच्छी तरह से तैयार रहें।

ताजा आईडीसी रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पारंपरिक पीसी बाजार में, लेनोवो 37.5 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद 2023 की पहली तिमाही में 15.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

यूपीआई लेनदेन नई ऊंचाई पर, भुगतान में गांवों ने शहरों को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। यूपीआई से लेनदेन 2022–23 में रिकॉर्ड 139 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।2016 में यूपीआई के जरिये सिर्फ 6,947 करोड़ रुपये का लेनदेन होता था।इस अवधि में संख्या के लिहाज यूपीआईलेनदेन 1.8 करोड़ से बढ़कर 8,375 करोड़ पहुंच गया।खास बात है कि यूपीआई भुगतान में गांवों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया। एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 2015–16 में जीडीपी की तुलना में डिजिटल भुगतान 668 फीसदी था, जो अब 767 फीसदी पहुंच गया है। आरटीजीएस को छोड़ दें तो खुदरा डिजिटल भुगतान 129 फीसदी से बढ़कर 242 फीसदी पर पहुंच गया है। उधर, 2022–23 में मूल्य के लिहाज से यूपीआई भुगतान में गांवों का हिस्सा बढ़कर 25 फीसदी पहुंच गया, जबकि शहरों की हिस्सेदारी 20 फीसदी रही। खुदरा में यूपीआई का मूल्य बढ़कर 83 फीसदी हो गया है। एटीएम से निकासी घटकर 17 फीसदी हो गई है। एटीएम से कुल लेनदेन (डेबिट कार्ड) 30–35 लाख करोड़ रुपये रहा है। 2017 में एटीएम से लेनदेन नॉमिनल जीडीपी का 15.4 फीसदी था, जो अब 12.1प्रतिशत पर आ गया है। एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आरबीआईके 2000 के नोट वापस लेने के फैसले का अर्थव्यवस्था पर कोईअसर नहीं होगा। हालांकि, इससे बैंकों को तरलता के मोर्चे पर मदद मिल जाएगी। रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि नोट वापसी से करीब 3 लाख करोड़ रुपये वापस सिस्टम में आ जाएंगे, जबकि बैंकों के करेंसी चेस्ट के पास पहले से ही 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पैसे निकालने के लिएपहले लोग साल में औसतन 16 बार एटीएम में जाते थे। अब यह संख्या घटकर 8 बार रह गईहै।लगातार डिजिटल भुगतान की वजह से अब एटीएम से नकदी निकासी में गिरावट आईहै।इस समय देश में 2.5 लाख एटीएम हैं।

सोने में बढ़त, चांदी टूटी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में उछाल आया है। वहीं चांदी में गिरावट दर्ज की गयी है। चांदी के वायदा भाव में तीसरे दिन भी गिरावट आई और ये 72 हजार रुपये से नीचे आये। वहीं सोने के वायदा भाव एक रुपये की हल्की गिरावट के साथ खुले पर बाद में इनकी वायदा कीमतों में उछाल आया जिससे इनके दाम 60 हजार से ऊपर पहुंच गये। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर इस सप्ताह चांदी की वायदा कीमतों में लगातार तीसरे दिन नरमी आई। चांदी 240 रुपये की गिरावट के साथ 71,924 रुपये के भाव पर खुली। इस माह चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपये किलो के ऊपर शीर्ष स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध एक रुपये की गिरावट के साथ ही 60,196 रुपये के पर खुला। हालांकि बाद में इसमें तेजी देखी गई।

अदाणी ग्रुप में 10प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाकर हुआ फायदा

मुंबई । जीक्यूजी पार्टनर्स एलएलसी के निवेशक राजीव जैन ने गौतम अदाणी समूह में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाने के बाद कहा कि वह भविष्य में कंपनी के लिए फंड जुटाने में भी मदद करेंगे। जैन ने बताया कि पिछले पांच सालों में वह अदाणी समूह के सबसे बड़े निवेशक के रूप में उभरे हैं। जैन ने बताया कि वह अदाणी समूह के किसी भी ऑफर में हिस्सा ले सकते हैं। जैन ने बताया कि अडानी ग्रुप में जीक्यूजी की हिस्सेदारी करीब 3.5 डॉलर के करीब है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने अदाणी समूह की किस कंपनियों में निवेश किया है। मार्च में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद जीक्यूसी ने समूह की चार कंपनियों में दो बिलियन डॉलर का निवेश किया, जिससे अदाणी समूह को थोड़ी मजबूती मिल सकी। बता दें, जनवरी में प्रकाशित हुए हिंडनबर्ग के एक संस्करण में अदाणी समूह के शेयर को ओवरवैल्यूड और हेरफेर करने का आरोप लगाया गया था। इस वजह से समूह को 150 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था।

दूसरे विकासशील देशों से बेहतर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार', देश के आर्थिक हालात पर पीयूष गोयल का भरोसा

मुंबई।
वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के पास एक मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है। अगले पांच-छह साल में खराब-से-खराब परिस्थितियों में देश की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक स्थिति में है।

11.7 बिलियन डॉलर का उछाल

बता दें, भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 12 मई 2023 को खत्म हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 3.55 बिलियन डॉलर की छलांग के साथ 599.53 बिलियन डॉलर पर जा पहुंचा है। पिछले दो हफ्ते आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार में 11.7 बिलियन डॉलर का उछाल आया है। इससे पहले 5 मई को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 595.97 अरब डॉलर रहा था।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि सरकारी प्रयासों ने मुद्रास्फीति के प्रबंधन में मदद की है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि रिजर्व बैंक ने भी इसे 'मान्यता' देते हुए पिछली मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है।

पांच-छह साल मजबूती से खड़े हैं हम

विदेशी मुद्रा भंडार पर बात करते हुए गोयल ने कहा हमारे पास मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार है। अपने विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से भारत खराब से खराब स्थिति में भी अगले पांच–छह साल की जरूरतों को पूरा करने की दृष्टि से संतोषजनक स्थिति में है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कोई भी अन्य विकासशील देश इस तरह की बेहतर स्थिति में नहीं है। यह पहली बार है जब कारोबारी ब्याज दरों को विकसित देशों के समान देख रहे हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि उद्योग को गुणवत्ता, नवाचार और कुशल जनशक्ति पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देना चाहिए। यह मेरा मानना है कि यह निवेश के लिए, विकास के लिए और हमारे अंतरराष्ट्रीय पहुंच का विस्तार करने के लिए, प्रौद्योगिकी लाने के लिए, देश में नवाचार लाने के लिए एक अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के व्यापारिक साझेदार चाहते हैं कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए तेजी से बातचीत करे। बता दें, फिलहाल भारत अभी कनाडा, ईएफटीए (यूरोपियन मुक्त व्यापार संघ), ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ इस तरह के समझौतों के लिए बातचीत कर रहा है।

यह नया भारत है

उन्होंने कहा कि यह वैश्विक व्यवस्था में भारत के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। एफटीए दो तरफा यातायात है। मुझे बहुत दुख होता है जब मुझे कभी–कभी कहा जाता है कि मैं (उद्योग) यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच चाहता हूं, लेकिन कृपया उन्हें इसकी अनुमति न दें। गोयल ने कहा कि वे दिन गए। यह एक नया भारत है। यह एक ऐसा भारत है जो पूरी ताकत से और पूरे विश्वास के साथ दुनिया के साथ जुड़ता है।

मंत्री ने भरोसा जताया कि 2030 तक देश 2,000 अरब डॉलर के वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के आंकड़े पर पहुंच जाएगा।

आरबीआई गवर्नर की दो टूक, कहा- ब्याज दर घटाना हमारे हाथ में नहीं; महंगाई में तेज गिरावट के नहीं हैं आसार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर से कहा गया कि ब्याज दर को गिराना उनके हाथ में नहीं है, बल्कि ये ग्राउंड से मिलने वाले डाटा पर निर्भर करता है। अगले महीने जून में मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक होने वाली है। अप्रैल में पेश की गई मॉनेटरी पॉलिसी में आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया था और रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा था। इससे पहले मई 2022 से केंद्रीय द्वारा रेपो रेट में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस कारण लोन की ईएमआई में भी इजाफा हुआ है। ब्याज दर में कमी को लेकर आरबीआई गवर्नर ने क्या कहा सीआईआई की ओर से आयोजित किए गए एक कार्यक्रम में दास ने कहा कि ब्याज दर कम करना हमारे हाथ में नहीं है। यह जमीनी डाटा पर निर्भर करता है। बाजार का ट्रेंड और महंगाई का डाटा काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खुदरा महंगाई को लेकर उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति अभी नियंत्रण में है और बहुत तेज गिरावट के आसार नहीं है। दास के मुताबिक, मई में खुदरा महंगाई दर 4.7 प्रतिशत के नीचे रहने का अनुमान है। अप्रैल में ये 4.7 प्रतिशत से कम रही थी। बता दें, खुदरा महंगाई दर आरबीआई की ओर से तय किए गए महंगाई के बैंड 6 प्रतिशत से नीचे आ गई है। इसके बाद से अनुमान लगाया जा रहा था कि जल्द आरबीआई ब्याज दरों में कटौती का ऐलान कर सकता है।

भारत की जीडीपी पहली बार 350 लाख करोड़ पार

अगले कुछ सालों में सबसे तेजी से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली।

बीते कैलेंडर ईयर यानी 2022 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद पहली बार 3.5 लाख करोड़ डॉलर (350 लाख करोड़) से ऊपर निकल गया। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि भारत अगले कुछ सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली जी–20 अर्थव्यवस्था होगी। लेकिन इसके लिए कुछ सुधारों की जरूरत होगी। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक 2021 में भारतीय जीडीपी 3.18 लाख करोड़ डॉलर यानी 263.50 लाख करोड़ रुपए की थी। बहरहाल, मूडीज ने एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा कि ब्यूरोक्रेसी विभिन्न लाइसेंस लेने और बिजनेस स्थापित करने की प्रक्रिया धीमी कर सकती है। इसे प्रोजेक्ट की अवधि और लागत बढ़ा सकती है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा, 'निर्णय लेने में लेट लतीफी की वजह से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की रफ्तार कम कर देगी। खास तौर तब, जब एशिया–प्रशांत की अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं, मसलन इंडोनेशिया और वियतनाम के साथ भारत तगड़ी प्रतिस्पर्धा में है।'

मकान, सीमेंट और कार की डिमांड बढ़ाएगा तेज शहरीकरण – मूडीज के मुताबिक, भारत में बड़ी और पढ़ी लिखी वर्कफोर्स है। ऐसे में छोटे परिवार बढ़ेंगे। साथ ही तेज शहरीकरण से घर, सीमेंट और कार की डिमांड बढ़ेगी। मूडीज के मुताबिक, भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च स्टील और सीमेंट सेक्टर्स के लिए मददगार होगा, जबकि नेट–जीरो एमिशन हासिल करने की चाहत अक्षय ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देगी। मूडीज ने ये भी कहा कि इन सेक्टरों में भारत की क्षमता 2030 तक चीन से कम रहेगी।

जीडीपी क्या है – जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है।

80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। हालांकि कच्चे तेज की कीमतों में तेजी देखने को मिली है और ये 80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है।

16 राज्यों में पेट्रोल 100 के ऊपर – देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, तेलंगाना, पंजाब, झारखंड, सिक्किम, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए के ऊपर बिक रहा है। वहीं डीजल भी ओडिशा, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 100 रुपए से ऊपर है।

राजस्थान में सबसे महंगा पेट्रोल–डीजल – भारत में सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में बिक रहा है। यहां एक लीटर पेट्रोल की कीमत 113.30 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 98.07 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गई है। वहीं महाराष्ट्र के परभणी में पेट्रोल 109.26 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.66 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल–डीजल बिक रहा है। यहां पेट्रोल की कीमत 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल का भाव 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

21 मई 2022 से स्थिर हैं पेट्रोल–डीजल के दाम – आखिरी बार 21 मई 2022 में पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। जुलाई 2022 में, महाराष्ट्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपए और 3 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी।

2000 नोट वापस लेने का फैसला सर्वे के बाद लिया: आरबीआई गवर्नर बोले- नोट बदलने के लिए पर्याप्त समय दिया है

नई दिल्ली।

आरबीआई यानी भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2000 के नोटों को वापस लेने का फैसला अनौपचारिक सर्वे के बाद लिया गया था। सर्वे से पता चला कि इन नोटों का आमतौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के इवेंट में शक्तिकांत दास ने ये बात कही है।

बैंकों में भीड़ नहीं थी

2000 के नोट बदलने पर शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके लिए हमने पर्याप्त समय दिया है, कल भी बैंकों में भीड़ नहीं थी। लोग 30 सितंबर तक बैंकों में जा सकते हैं और अपने 2,000 रुपए के नोटों को बदल सकते हैं या जमा कर सकते हैं। आरबीआई ने 19 मई को 2000 का नोट सर्कुलेशन से वापस लेने का ऐलान किया था।

2023-24 के लिए जीडीपी अनुमान 6.5प्रतिशत

शक्तिकांत दास ने कहा कि सरकार ने 2023–24 के लिए जीडीपी अनुमान 6.5प्रतिशत दिया है जबकि इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड का अनुमान 5.9प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सर्विस सेक्टर और एग्री सेक्टर का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। वहीं महंगाई पर बोलते हुए दास ने कहा कि आने वाले दिनों में रिटेल महंगाई 4.7प्रतिशत से कम रहने की उम्मीद है, लेकिन महंगाई से हमारा युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है।

महंगाई के स्तर से तय होती है ब्याज दर

ब्याज दरों में बढ़ोतरी को रोकने को लेकर दास ने कहा कि लोन की ब्याज दरों में इजाफा पर रोक लगाना उनके हाथ में नहीं है। फैसला ग्राउंड पर स्थिति और महंगाई के स्तर से ड्राइव होता हैं। अभी रेपो रेट 6.50प्रतिशत है। अप्रैल की पॉलिसी मीटिंग में इसमें बदलाव नहीं किया गया था। केंद्रीय बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी पर फैसला करने के लिए अगली बैठक 6–8 जून को होगी।

सेरेंटिका रिन्यूएबल्स से हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी प्राप्त करेगा स्टरलाइट कॉपर

नई दिल्ली।
वेदांता लिमिटेड की सहायक कंपनी स्टरलाइट कॉपर ने हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी की सोर्सिंग के लिए एक स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) स्थापित किया है जिसके तहत सेरेंटिका रिन्यूएबल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआरआईपीएल) के साथ हाथ मिलाया है।स्टरलाइट की सिलवासा यूनिट के लिए 16 मेगावाट हाइब्रिड रिन्यूएबल पावर के सोर्स के डील के हिस्से के रूप में पावर डिलीवरी एग्रीमेंट (पीडीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

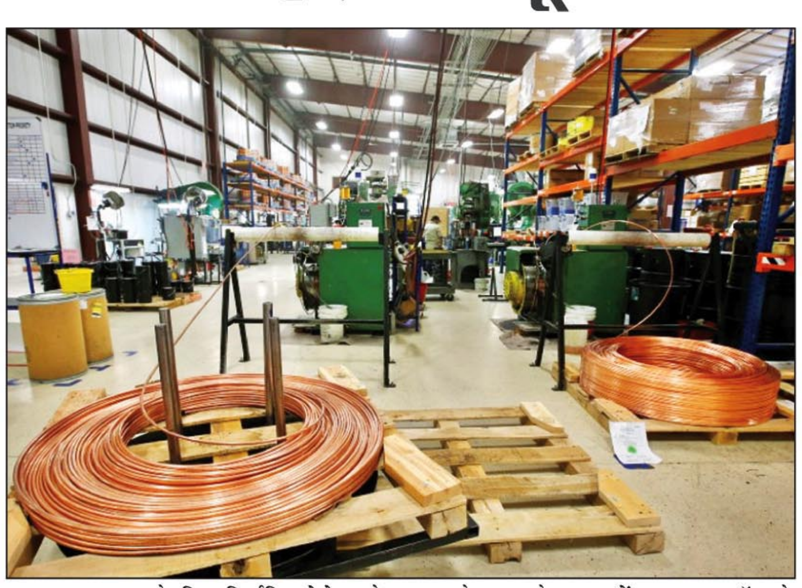

हाइब्रिड एनर्जी प्रोजेक्ट का निर्माण कैप्टिव मॉडल पर किया जाएगा और यह बिल्ड–ओन–ऑपरेट आधार पर संचालित होगी। इसे 70: 30 डेब्ट–टू–इक्विटी आधार पर वित्तपोषित किया गया है, जिसमें स्टरलाइट कॉपर की एसपीवी में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है।

अगस्त 2024 के लिए निर्धारित प्रोजेक्ट के चालू होने की तारीख से 25 वर्षों के लिए पीडीए प्रभावी रहेगा।

टिकाऊ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हाल के कदम के जवाब में, स्टरलाइट कॉपर के डिप्टी सीईओ पुनीत खुराना ने कहा, हमें इस प्रोजेक्ट के लिए सेरेंटिका रिन्यूएबल्स के साथ सहयोग करने पर गर्व है। यह साझेदारी हमारी ईएसजी जर्नी के लिए बेहद अहम है। यह स्टरलाइट केयर्स के हमारे सस्टेनेबिलिटी एजेंडे के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। चूंकि हमारे उद्योग के लिए सस्टेनेबिलिटी अनिवार्य है, हम बेहतर कल के लिए निवेश करना जारी रखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, इस सहयोग के माध्यम से, स्टरलाइट कॉपर का लक्ष्य पारंपरिक थर्मल पावर से हाइब्रिड रिन्यूएबल्स एनर्जी में एक सुचारु परिवर्तन करना है। हाइब्रिड रिन्यूएबल्स एनर्जी से स्कोप 2 ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में 64,535 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष (एमटीसीओ2ई) की कमी होने की उम्मीद है। यह वेदांता के 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है।

स्टरलाइट कॉपर ने हाल ही में वेदांता के ईएसजी विजन के अनुरूप ईएसजी सब–ब्रांड स्टरलाइट केयर्स लॉन्च किया है। यह समुदाय, पर्यावरण और कार्यबल को बदलने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को पुनर्स्थापित करता है।

27 माह में सबसे कम रह सकता है पाम तेल आयात, भारत पेट्रोलियम को 168 प्रतिशत अधिक लाभ

मुंबई । पाम तेल का आयात इस महीने गिरकर 27 माह के निचले स्तर पर आ सकता है। आयातकों ने इस बार पाम तेल के कार्गो को रद्द कर सोया तेल और सूरजमुखी तेल का आयात किया है। डीलरों के मुताबिक, भारत ने नवंबर से अब तक 6 महीने में औसत 8.18 लाख टन मासिक पाम तेल आयात किया है। अप्रैल में, भारतीय खरीदारों ने कई वर्षों में पहली बार बड़ी मात्रा में पाम तेल की खरीद को रद्द करने का विकल्प चुना था।

काम न मिलने के कारण एक साल डिप्रेशन में रही एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना को काम न मिलने के कारण डिप्रेशन का सामना करना पड़ा है। हालांकि इन दिनों करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे के साथ-साथ बड़े पर्दे पर भी अपनी पकड़ बनाई हुई है। वह डिजिटल प्लेफॉर्म पर भी छाई हुई हैं। करिश्मा ने वैसे तो कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन उन्हें नागिन में नागिन बनकर जो पॉपुलैरिटी मिली, वो उससे पहले कभी नहीं मिली। करिश्मा, टीवी शो, फिल्मों के साथ कई वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। वह एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस मानी जाती हैं, लेकिन हाल में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने सबको चौंका दिया। उनका कहना था कि वह लगभग 1 साल डिप्रेशन में थीं क्योंकि उन्हें काम नहीं मिल रहा था। करिश्मा तन्ना अपकमिंग वेब सीरीज स्कूप में दिखेंगी। इसमें वह लीड रोल में है। यह सीरीज 2 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। सीरीज के प्रमोशन के दौरान उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने डिप्रेशन का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि साल 2018 में आई संजू में उन्होंने छोटा लेकिन दमदार काम किया था। इसकी सक्सेस के बाद करिश्मा को उम्मीद थी कि उन्हें अब काम मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। करिश्मा तन्ना ने कहा कि संजू के बाद वह करियर के बुरे दौर से गुजरीं। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि छोटे रोल के बावजूद संजू मुझे लाइफ और करियर में आगे बढ़ने में मदद करेगी। लेकिन असल में हुआ कुछ नहीं। फिल्म के बाद, जो भी रिस्पांस, फिल्में या प्रोजेक्ट मुझे उम्मीद थी, वे नहीं आए। संजू के बाद वह लगभग 2 साल तक बड़े पर्दे से गायब रही थीं। करिश्मा तन्ना ने खुलासा किया कि वह 8 से 12 महीनों के लिए बेरोजगार थीं। इस दौरान बहुत ही डिप्रेशन वाले फेज में चली गई थी।

उर्फी जावेद की ड्रेस देख यूजर जमकर उड़ा रहे मजाक

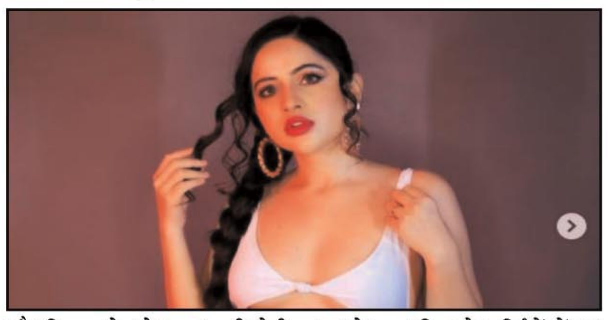

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट रह चुकी उर्फी जावेद की ड्रेस इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब छाई हुई है। जिसकी यूजर तारीफ कम और मजाक ज्यादा उड़ा रहे हैं। हालांकि उर्फी जावेद आज अपने फैशन की वजह से अपनी एक खास पहचान बना चुकी हैं। उर्फी ने अब तक न जानें किन-किन चीजों से अपने लिए ड्रेस तैयार की है। हर बार उर्फी अपने फैंस को बिग सरप्राइज देती हैं। इसी बीच एक बार फिर उर्फी अपने नए लुक के साथ सामने आई हैं। इस उर्फी ने जिस चीज से अपने लिए ड्रेस तैयार की है। उसे देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि वह इतनी क्रियेटिविटी आखिर लाती कहां से हैं। दरअसल उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए लुक की वीडियो शेयर की है। उर्फी ने इस बार अपने लिए पेड़ की छाल से ड्रेस बनाई है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी पहले एक पुराने और विशाल पेड़ के पास खड़ी होती हैं। इसके बाद वह पेड़ की तरफ इशारे करते हुए कुछ कहने की कोशिश करती हैं। तभी वह अचानक ही घूमती और नए लुक के साथ कैमरे के सामने आ जाती हैं।

उर्फी अचानक ही पेड़ की छाल से बने हुए टाप में दिखाई देती हैं। वहीं, नीचे की तरफ उन्होंने येलो कलर के छोटे से कपड़े को स्कर्ट के तौर पर लपेटा होता है। एक्ट्रेस ने अपने बालों को ओपन कर स्टाइल दिया है। हालांकि उर्फी जावेद का ये लुक फिर से सुर्खियों में आ गया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उर्फी ने कैप्शन में लिखा, इस ड्रेस को बनाने के दौरान किसी भी पेड़ को नुकसान नहीं पहुंचाया गया था! इस लुक पर कमेंट कर यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो पर कमेंट कर एक यूजर ने लिखा, भाई ये पेड़ कम गोबर ज्यादा लग रहा है। एक ने कहा, उर्फी मैम आप अजूबा हो। एक यूजर ने लिखा, बस यही देखना रह गया था। ऐसे कई और कमेंट उर्फी के इस लुक पर आ रहे हैं।

एक्ट्रेस डिंपल हयाती ने आईपीएस अधिकारी की कार को मारी टक्कर, केस दर्ज

साउथ की मशहूर एक्ट्रेस डिंपल हयाती और उनके दोस्तों के खिलाफ जुबली हिल पुलिस ने मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि डिंपल ने जानबूझकर अपने अपार्टमेंट के पास आईपीएस अधिकारी की कार को टक्कर मारी है। आईपीएस अधिकारी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया कि डिंपल और आईपीएस अधिकारी एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। अधिकारी के ड्राइवर ने डिंपल और उसके दोस्त के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। ड्राइवर की शिकायत के अनुसार डिंपल ने जानबूझकर उनकी कार को टक्कर मारी। पुलिस ने डिंपल और उसके दोस्त को थाने बुलाया। सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत नोटिस जारी किया गया है। अब इस पर डिंपल ने रिएक्ट किया है। डिंपल ने ट्वीट कर इस पर प्रतिक्रिया दी है। डिंपल ने ट्वीट किया है कि "गलतियों को ताकत के बल पर छिपाया नहीं जा सकता।" साथ ही उन्होंने "सत्यमेव जयते" हैशटैग का इस्तेमाल किया है।

डिंपल कौन है?

डिंपल ने अब तक कुछ तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम किया है। उनके पिता एक तमिल भाषी हैं, जबकि उनकी मां एक तेलुगु भाषी हैं। डिंपल का जन्म आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था, लेकिन वह हैदराबाद में पली-बढ़ीं। वर्ष 2017 में 19 साल की उम्र में उन्होंने तेलुगु फिल्म 'गल्फ' से अपने अभिनय के सफर की शुरूआत की। फिल्म 'गड्डुलकोंडा गणेश' का उनका आइटम सॉन्ग हिट रहा था।

कान्स 2023 में हरे रंग के गाउन में एक्ट्रेस सनी लियोनी ने बिखेरा जलवा

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 इस समय चल रहा है। फिल्म गाला के 76वें संस्करण के लिए कई भारतीय हस्तियां फ्रेंच रिवेरा पहुंच चुकी हैं। फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करने वाली सेलेब्स में सनी लियोनी भी हैं। अभिनेत्री ने अपने कान्स 2023 लुक की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। सनी लियोन ने हरे रंग के वन-शोल्डर थाई-स्लिट गाउन में हुस्न का जलवा बिखेरा। इस आउटफिट में सनी लियोनी समंदर किनारे फोटोशूट करवाती नजर आ रहीं हैं। उन्होंने साटन गाउन को कम से कम एक्सेसरीज के साथ पेयर किया और हमेशा की तरह खूबसूरत लग रही थीं।

कांस से डेब्यू का लुक शेयर करते हुए सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो देखते ही देखते वायरल हो गईं। पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में कहा, "कैनेडी के लिए फेस्टिवल दि कांस में शानदार रहा पहला दिन। इलिया वनजाटो आपका शुक्रिया मुझे खूबसूरत महसूस कराने के लिए।" गौरतलब है कि अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म कैनेडी के प्रीमियर के लिए फिल्म समारोह में भाग ले रही हैं, जिसे कान्स 2023 में आउट ऑफ कॉम्पिटिशन सेक्शन में दिखाया जा रहा है। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म एक नोयर थ्रिलर है, जिसमें राहुल भट मुख्य भूमिका में हैं।

जब मैं 12 साल की थी, सांवले रंग की वजह से लोग कहते थे मैं बदसूरत हूं: सुहाना खान

सुहाना ने सांवले रंग के लिए ट्रोल करने वालों की लगाई क्लास

मुंबई (ईएमएस)। शाह रुख खान की लाड़ली सुहाना खान पॉपुलर स्टार किड्स में से एक हैं। 22 मई को सुहाना खान अपना 23वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही सुहाना सोशल मीडिया सेंसेशन बन गई हैं। हालांकि, लुक्स को लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। सुहाना खान को उनके सांवले रंग के लिए कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। वहीं, एक बार उन्होंने इन ट्रोलर्स का दिमाग ठिकाने लगाते हुए एक पोस्ट शेयर किया और स्किन टोन के लिए ट्रोल करने वालों की क्लास लगाई। सुहाना ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर खुद पर किए गए कुछ भद्दे कमेंट्स का स्क्रीनशॉट शेयर किया और हर रोज झेली जाने वाली ट्रोलिंग का खुलासा किया था। पोस्ट शेयर करते हुए सुहाना ने कहा कि यहां बहुत कुछ चल रहा है, इस समस्या को ठीक करने की जरूरत है। ये सिर्फ मेरी बात नहीं है, ये उन सभी यंग लड़के और लड़कियों के बारे में हैं, जिन्होंने बिना किसी वजह के बड़े होते हुए हीन भावना में गुजार दिया। उन्होंने आगे कहा कि यहां पर कुछ कमेंट्स हैं जो मेरे अपीरियंस पर किए गए हैं। जब मैं 12 साल की थी, तब से मेरे सांवले रंग की वजह से पूर्ण विकसित पुरुषों और महिलाओं ने मुझसे कहा कि मैं बदसूरत दिखती हूं। सुहाना खान ने आगे लिखा है कि इस तथ्य के अलावा कि ये सभी लोग एडल्ट्स है, सबसे बुरी बात ये है कि हम सब भारतीय हैं, जो हमें ऑटोमेटिकली सांवला बनाता है, हां हम अलग-अलग रंग के हैं, लेकिन आप मेलानिन से खुद को दूर रखने की चाहे जितनी कोशिश कर लें, आप नहीं कर सकते हैं। अपने ही लोगों से नफरत करने का मतलब है कि आप बेहद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जूनियर एनटीआर संग स्क्रीन शेयर करती दिखेगी जाह्नवी

जूनियर एनटीआर स्टारर निर्देशक कोराताला शिवा की इस फिल्म में हिन्दी फिल्मों में नजर आ रही जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। जाह्नवी की यह पहली साउथ फिल्म होगी। जिसमें वहां जूनियर एनटीआर संग स्क्रीन शेयर करेगी हैं। दिलचस्प बात ये है कि जूनियर एनटीआर और निर्देशक कोरताला शिवा की ये फिल्म एक पैन इंडिया रिलीज होगी। इस्कारण इस फिल्म को मेकर्स हिंदी में भी रिलीज करने वाले हैं। खास बात यह है कि जूनियर एनटीआर और कोरताला शिवा इसके पहले ब्लॉकबस्टर फिल्म जनता गैराज में एक साथ काम कर चुके हैं। यही वजह है कि इस फिल्म से भी दर्शकों को खासी उम्मीदें हैं। जूनियर एनटीआर और कोरताला शिवा की इस फिल्म में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल और अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु भी नजर आई थीं। फिल्म की बंपर सक्सेस के बाद अब दूसरी बार ये स्टार एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी दोबारा धमाल मचाने की तैयारी में हैं।

नुसरत भरुचा को पति में चाहिए ये क्वालिटी

अभिनेत्री नुसरत भरुचा एक आदर्श पति में कुछ क्वालिटीज चाहती हैं। नुसरत फिल्म छत्रपति का प्रमोशन करने द कपिल शर्मा शो में बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, भाग्यश्री, करण सिंह छाबड़ा, पलक मुच्छल, निर्देशक वीवी विनायक और निमार्ता जयंतीलाल गडा के साथ नजर आई थी। शो में पति से जुड़ा सवाल का जवाब देकर नुसरत ने कहा, मुझे पति के रूप में ऐसा लड़का चाहिए, जो खूब हंसा सकता हो, उसका सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा होना चाहिए, वह सिंगल हो और उसमें हीरो के गुण भी होने चाहिए। इसके अलावा, कपिल ने मजाक में कहा कि उन्होंने अंधेरी वेस्ट में शादी की है और फिल्म सिटी में अकेला है, जिसका मतलब है कि उनमें यह सब क्वालिटीज है और वह उनके लिए पूरी तरह परफेक्ट है।

सपना का कान्स के रेड कारपेट से दूसरा लुक आया सामने

हरियाणा की छोरी सपना चौधरी आजकल काफी चर्चा में हैं। सपना का कान्स के रेड कारपेट से दूसरा लुक सामने आ गया है। दूसरी बार हरियाणवी क्वीन ने शॉर्ट ड्रेस पहनकर एंट्री मारी और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर भी खूब तहलका मचा रही हैं। दूसरी बार कान्स के रेड कार्पेट पर सपना चौधरी ने व्हाइट एंड पिंक शॉर्ट ड्रेस पहनकर वॉक किया। ड्रेस की केप स्लीव उनके लुक को और भी ग्रेसफुल बना रही हैं, जो कि फ्लोर टच हैं। इस ड्रेस के साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर की हैं और बालों को सेंटर पार्ट कर पोनीटेल बनाया है। बता दें, इससे पहले सपना चौधरी ने सॉफ्ट पिंक कलर का गाउन कैरी कर रेड कार्पेट पर डेब्यू किया था, जहां उन्होंने नमस्ते और हाय-हैलो के स्टाइल से लोगों का खूब अटेंशन खींचा था।

बीबर ने किया ग्लैमरस लुक की तस्वीरें शेयर

हाल ही में अमेरिकन सिंगर जस्टिन बीबर की वाइफ एक्ट्रेस हैले बीबर ने अपनी कुछ ग्लैमरस लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें फैंस खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में हैले बीबर डिफ्रेंट्स शॉर्ट आउटफिट्स में बेहद किलर लग रही हैं। पिंक फ्लोरल जैकेट के साथ मैचिंग शॉर्ट्स में एक्ट्रेस बेहद हॉट लग रही हैं। जैकेट को हैले ने महज एक हुक से टाई किया है, जिसमें उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। वहीं अन्य एक सिल्वर और ब्लैक आफशोल्डर ड्रेस में भी एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए हैले कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक जबरदस्त पोज दे रही हैं। काम की बात करें तो हैली बीबर को आखिरी बार टीवी सीरीज डेव में देखा गया था, जिसमें उनके किरदार को खूब पसंद किया गया था।

फैंस के बर्ताव से नाराज हुई एक्ट्रेस अहाना कुमारा

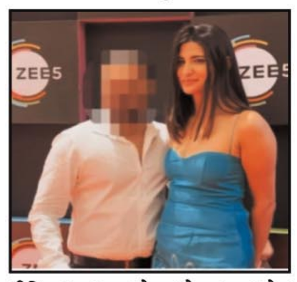

सोशल मीडिया ने सेलेब्रिटीज और उनके फैंस के बीच की दूरी को कम कर दिया है। अभिनेत्रियों के साथ अक्सर ऐसा होता है। पब्लिक में अपने फेवरेट सेलेब्रिटी को देखकर कुछ फैंस के होश उड़ जाते हैं और कुछ गलत हरकत कर बैठते हैं। ऐसा हाल ही में एक्ट्रेस अहाना कुमारा के साथ हुआ। ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जी5' के एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान अहाना को उनके कई प्रशंसकों ने घेर लिया। वह भी मुस्कुराई और हर प्रशंसक के साथ तस्वीरें लीं, जिनमें से एक ने बिना अनुमति के अहाना के हाथ को छू लिया, जब वह तस्वीर लेने के लिए उसके पास पहुंचा। यह देखकर, अहाना बहुत परेशान हो गई, "छूना नहीं मुझे" कहकर वह गुस्से में चली गई। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अहाना ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर खेद जताया। हाल ही में अहाना ने मीडिया से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया। इस इंटरव्यू में अहाना ने कमेंट किया है कि उस वक्त उन्हें वास्तव में क्या फील हुआ था और इसके लिए क्या सावधानी बरतनी चाहिए। अहाना ने कहा कि, "सिर्फ इसलिए कि मैं फोटो खिंचवाने के लिए तैयार हो गई, इसका मतलब यह नहीं है कि आप मुझे छू सकते हैं। यह बहुत ही अजीब अनुभव था। जब मैं नहीं चाहती तो मैं विनम्रता से फोटो खिंचवाने से मना कर देता हूं, लेकिन आमतौर पर मैं कभी किसी के साथ इतना असभ्य नहीं होती। उन्होंने आगे कहाकि, 'एक सेलेब्रिटी होने के नाते लोग हमें हल्के में लेते हैं क्योंकि सोशल मीडिया के जरिए हम उनसे लगातार रूबरू होते हैं। कभी-कभी लोग सेलिब्रिटी और फैन के बीच की महीन रेखा को पार कर जाते हैं। हम उन्हें अच्छी तरह से नहीं जानते हैं, इसलिए लोगों के लिए दूरी बनाए रखना हमेशा अच्छा होता है।

जब हमें इस तरह के इंवेंट्स में आमंत्रित किया जाता है तो आयोजकों को हमारी सुरक्षा के बारे में सोचना चाहिए।" आप को बता दे कि अहाना को पहचान फिल्म "लिपस्टिक अंडर माई बुर्का" से मिली थी। फिल्मों के अलावा वह वेब की दुनिया में भी काफी सक्रिय हैं।

इस दिन रिलीज होगी अरविंद अकेला कल्लू और आम्रपाली दुबे स्टारर फिल्म 'शादी मुबारक'

निमार्ता रौशन सिंह और निर्देशक आनंद सिंह की भोजपुरी फिल्म 'शादी मुबारक' 26 मई 2023 को भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने को तैयार है। यानी यह फिल्म 26 मई को ऑल ओवर इंडिया में रिलीज होने वाली है। यह एक पारिवारिक फिल्म है और लगन के सीजन में इस फिल्म को रिलीज किया जा रहा है। इसकी सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। फिल्म का निर्माण काफी भव्यता के साथ हुआ है। फिल्म में युवा दिलों की धड़कन अरविंद अकेला कल्लू और आम्रपाली दुबे मुख्य भूमिका में हैं, जिनके फैंस को इस फिल्म के रिलीज का इंतजार था, जो अब फाइनली रिलीज होने वाली है। इसकी जानकारी फिल्म की सह निमार्ता शर्मिला आर सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म 'शादी मुबारक' भोजपुरी बॉक्स ऑफिस की बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी एक झलक सबों ने देखी है, जिसके बाद से लोगों को फिल्म के रिलीज होने का इंतजार था। अब हम इसके लिए तैयार हैं। फिल्म इसी सप्ताह में रिलीज होगी। आशा करती हूँ कि अपने पसंदीदा स्टार के साथ फिल्म को सभी लोग थियेटर में जाकर देखें। इस फिल्म में शानदार गीत संगीत और दिल को छू लेने वाली कहानी है। इसलिए मैं अपील करूंगी कि सब लोग फिल्म को सिनेमाघरों में ही जाकर देखें।

सूडोकु नवताल- 6441

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6440 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7188

र	क	ल	ड्री	म	ही	ला	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	म	ला	ई
त	स	म	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	म	द
ब	ज	ज	हा	पु	र	म	प	र	हा	ब
म	गा	म	ग	दे	लं	हा	तू	गी	रा	र्निं
स	म	व	श	ह	व	रा	ना	म	णा	ग
त्ते	ज	स	त	हू	प	जा	श	स	ला	ट्रे
पे	बू	दा	ई	ह	र	सा	फ	ल	श	न
स	र	चे	न	म	हा	न	री	ना	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	म	ज	दू	र
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल में 'म' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

महान, मजबूर, मजदूर, महिला, महाराणा, महादेव, मसलना, मलाई, मशहूर, महाराजा

शब्दजाल - 7187 का हल

आ	घा	त	ह	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	त	ता	यी	तें	शा	ई
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ना
आ	कु	अ	ल	बे	ला	क	ई	रि	श	लौ
स	मा	श	आ	तं	क	स	अ	ग	वी	ट
री	रं	दा	चु	व	लि	आ	वा	ग	म	न
आ	गा	ल	के	गा	आ	म	र	कौ	या	ले
ग	बा	आ	रा	म	क	रो	प्रे	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	ग्य	शा	जू	द
न	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	आ	स	मा	न	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6141

		4	6		1	2
2	33		36		27	5
7		5		3		
	42		25	1	22	6
	6			2		4
6	36		32		34	
1		3	4	5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6140 का हल

3	7	6	1	2	4	5
2	33	1	23	6	33	6
5	7	2	4	1	6	3
4	40	4	27	4	24	4
7	6	5	4	3	2	1
6	37	7	38	7	33	2
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

दुनिया की पूर्व शीर्ष टेनिस खिलाड़ी हालेप का खुलासा, टेनिस एजेंसी पर खिलाड़ियों से भेदभाव के आरोप लगाए

नई दिल्ली।
पूर्व शीर्ष टेनिस खिलाड़ी और दो बार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सिमोना हालेप ने अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी पर दोहरे मानदंड़ अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट के संबंध में लगाए गए अनियमितताओं के आरोप से निपटने के लिए दोहरे मानक बनाए गए। रोमानिया की हालेप 31 वर्षी की उम्र में फ्रेंच ओपन और विंबलडन ओपन में महिला एकल का खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आईटीआईए ने एबीपी में कथित विसंगतियों के लिए डोपिंग के मामले में दोहरे मानदंड बनाए।

आईटीआईए ने कहा कि पिछले घोषित नवीनतम आईटीआईए शुल्क अलग और इसके अलावा है, जो हालेप को पिछले साल यूएस ओपन के दौरान ड्रग परीक्षण में विफल होने के बाद मिला था।

हालेप ने आरोप लगाया कि जहां आईटीआईए एक ओर कह रहा था कि वह उन्हें समयबद्ध तरीके से संलग्न करना चाहता था, वहीं दूसरी ओर वह न्यायाधिकरण से सुनवाई में देरी करने के लिए कह रहा था। हालेप ने सोशल मीडिया पर कहा जबकि आईटीआईए ने अपने प्रतिनिधि निकोल सैपस्टेड के माध्यम से तीन दिन पहले सार्वजनिक रूप से कहा था कि आईटीआईए एक सहानुभूतिपूर्ण, कुशल और समयबद्ध तरीके से हालेप का मामला सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, वे उसी समय आधिकारिक तौर पर ट्रिब्यूनल से मेरी सुनवाई में देरी करने का अनुरोध कर रहे थे। आईटीआईए सार्वजनिक रूप से एक बात कहता है, जबकि निजी तौर पर कुछ और करता है, मैंने बार-बार अपनी सुनवाई के लिए कहा है और आईटीआईए ने बार-बार इसमें देरी करने की मांग की है। 24 खिताब जीतने वाली हालेप ने कहा कि उन्हें त्वरित सुनवाई का अधिकार है और इसमें देरी करना नियमों के खिलाफ है। 2019 विंबलडन फाइनल में सेरेना विलियम्स को सीधे सेटों में हराने वाली हालेप ने कहा, यह कब बंद होने जा रहा है मैं एक बार फिर सवाल पूछती हूं। मैं त्वरित सुनवाई की हकदार हूं। इस तरह से काम करना मेरे अधिकारों के विपरीत है। आईटीआईए ने कहा था कि विशेषज्ञों की टीम टेनिस खिलाड़ी के जैविक पासपोर्ट प्रोफाइल के एक आकलन के आधार पर ताजा आरोप लगाया गया था। एबीपी एक खिलाड़ी के शरीर में पदार्थों की आधारभूत रीडिंग प्रदान करता है और चार्ट डोपिंग में मदद करने का एक तरीका माना जाता है। एंटी-डोपिंग के लिए आईटीआईए के वरिष्ठ निदेशक सैपस्टेड ने पिछले एक बयान में कहा था, हम समझते हैं कि घोषणा पहले से ही हाई-प्रोफाइल स्थिति में जटिलता जोड़ती है। इस प्रक्रिया की शुरुआत से और वास्तव में कोई भी आईटीआईए में हालेप के साथ एक सहानुभूतिपूर्ण, कुशल और समयबद्ध तरीके से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल के अगले सीजन में मालामाल हो जाएंगे चक्रवर्ती सनसनी रिंकू सिंह, यूनिवर्स बॉस ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। रिंकू सिंह का नाम हर भारतीय की जुबां पर चढ़ा हुआ है। कोलकाता नाइटराइडर्स के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने केकेआर को कई हारी बाजी जिताई। उत्तर प्रदेश के रिंकू सिंह ने आईपीएल 2023 में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 14 मैचों में चार अर्धशतकों की मदद से 474 रन बनाए। रिंकू सिंह की फैन फॉलोइंग महज भारत तक सीमित नहीं रही। वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक ओपनर क्रिस गेल भी रिंकू सिंह के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हैं। यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल ने भविष्यवाणी की है कि आईपीएल के अगले सीजन में रिंकू सिंह मालामाल हो जाएंगे। गेल ने कहा कि रिंकू सिंह को अगले सीजन में महंगी रकम पर खरीदा जाएगा। क्रिस गेल ने जिओ सिनेमा पर बातचीत करते हुए कहा, रिंकू सिंह पहले भी केकेआर के लिए कई मौकों पर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। मुझे भरोसा है कि अगले साल उन्हें ज्यादा रकम मिलेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि केकेआर के लिए वो बल्ले से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने भी रिंकू सिंह की जमकर तारीफ की है। जहीर खान ने कहा, अगर आप केकेआर के लिए सर्वश्रेष्ठ बात देखें तो वो है रिंकू सिंह। वो लखनऊ और प्लेऑफ के बीच दीवार बनकर खड़े रहे और काफी विश्वास के साथ खेले। उन्होंने टीम को पूरे सीजन में आगे बढ़ाया।

महिला खिलाड़ियों का कराटे संघ के अध्यक्ष पर आरोप, भेज रहे अश्लील मैसेज; जांच समिति का गठन

पेंड्रा (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ में महिला कराटे खिलाड़ियों के एक ग्रुप ने छत्तीसगढ़ कराटे संघ

के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गौरेला पेंड्रा मारवाही (जीपीएम) जिले की महिला कराटे खिलाड़ियों ने प्रदेश कराटे संघ के अध्यक्ष पर अश्लील मैसेज भेजने और अलग अलग कोचों के चयन के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है खिलाड़ियों ने कराटे संघ के महासचिव पर उनके अभिभावकों को धमकाने और शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। आयुक्त को दी गई शिकायत में कहा गया है कि कई आदिवासी छात्र कराटे ट्रेनर अशोक वर्मा से सरकार की रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा योजना के तहत प्रशिक्षण ले रहे हैं। खिलाड़ियों ने बिलासपुर के आयुक्त को भी ज्ञापन दिया, जिसमें दावा किया कि चंद्र और प्रदेश कराटे संघ के महासचिव अविनाश शेट्टी ने उनके माता पिता को रतनपुर कोटा रोड पर एक खाने की दुकान पर बुलाया और शिकायत वापस लेने को कहा है। इससे पहले यादव और कश्यप ने वर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। वर्मा ने उनके खिलाफ लगाये गए आरोपों को बेबुनियाद बताया था। अधिकारियों ने बताया कि जिला आयुक्त प्रियंका ऋषि महोबिया ने आरोपों की जांच के लिये तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

पेरिस 2024 ओलंपिक उद्घाटन समारोह के लिए किराए पर लिए जाएंगे 116 नाव

पेरिस। पेरिस ओलंपिक खेलों का उद्घाटन समारोह इस बार शहर के सीन नदी पर होगा जिसके लिए 42 कंपनियों की कुल 116 नौकाओं की पहचान की गई है। ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने ये घोषणा की है। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई, 2024 से शुरू हो रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां 98 फीसदी नौकाएं पेरिस इकोसिस्टम से किराए पर ली जाएंगी, वहीं स्ट्रासबर्ग स्थित बतोरामा भी अगले साल उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए अपनी नौकाएं भेजेगी। पेरिस 2024 के प्रेसिडेंट टोनी एस्टैंगुएट ने कहा, 26 जुलाई, 2024 को ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के लिए एक अरब से अधिक दर्शक पेरिस आएंगे। उन्होंने कहा, हम इस अभूतपूर्व, रोमांचक आयोजन के लिए उन पर भरोसा कर बहुत खुश और आभारी हैं, और हम खेलों के इतिहास में सबसे बड़े समारोह की उम्मीद कर रहे हैं। दिसंबर 2021 में, आयोजकों ने सीन नदी पर उद्घाटन समारोह करने की अपनी महत्वाकांक्षा का खुलासा किया था।

पहलवानों के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका

विनेश-बजरंग आदि पर एफआईआर की मांग, हिसार पहुंची साक्षी बोली- पीएम मोदी बुलाएं तो

हिसार।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ पिछले 1 महीने से दिल्ली में धरने पर बैठी ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक हिसार पहुंची। साक्षी मलिक 28 मई को नई संसद पर महिला महापंचायत के आयोजन को लेकर समर्थन जुटा रही हैं।

वह हिसार में रामायण टोल प्लाजा पर किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों से मिलने के लिए टोल पर रुकी थीं। इस दौरान साक्षी ने कहा कि बृजभूषण जिन मेडल को 15 रुपए का बता रहा है, उसके लिए हमने कई सालों तक मेहनत की। केंद्र सरकार ने पहलवानों के लिए कुछ नहीं किया। बृजभूषण पर एफआईआर तक सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई।

वहीं जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर हुई है। कोर्ट इस मामले की सुनवाई करेगा। इस याचिका में कहा गया है कि विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया व साक्षी मालिक और अन्य पहलवानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बृजभूषण सिंह पर झूठे आरोप लगाए हैं। इसलिए उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाए।

यह भारत की लड़ाई बन चुकी: साक्षी

पत्रकारों से बातचीत करते हुए साक्षी मलिक ने बृजभूषण सिंह को लेकर कहा कि जब से खिलाड़ियों का धरना शुरू हुआ है तब से वह अनाप शनाप बयान दिए जा रहे हैं। उनके खिलाफ फेयर इन्वेस्टिगेशन नहीं की जा रही है। बृजभूषण के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और इसलिए 28 मई को देश की नई संसद में महिला महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए वह जगह-जगह जाकर खापों और आम जनता का समर्थन जुटा रही हैं। यह भारत की लड़ाई बन चुकी है।

पीएम को संज्ञान लेना चाहिए, हम नार्को टेस्ट को राजी

मलिक ने कहा कि जिस व्यक्ति के खिलाफ पहले से 40 मुकदमे चल रहे हों ऐसे व्यक्ति के खिलाफ शोषण की आवाज उठाने की हिम्मत लड़कियों में नहीं थी। इसी कारण इतने सालों के बाद ये मुद्दा उठाया गया है। साक्षी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर संज्ञान लेना चाहिए। वह यदि खिलाड़ियों को इस मुद्दे पर बातचीत के लिए बुलाते हैं तो वह जाने के लिए तैयार हैं। हम सभी लड़कियां लाई डिटेक्टर टेस्ट के लिए राजी हैं। इस मौके पर साक्षी के साथ उनके पति व पहलवान सत्यव्रत कादयान भी मौजूद रहे।

मय्यड़ टोल पर धरना

किसान संघर्ष समिति व मय्यड़ टोल प्लाजा संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों के समर्थन में 25 मई रामायण टोल पर धरना शुरू कर दिया जाएगा। जब तक खिलाड़ियों को न्याय नहीं मिलता तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

टेनिस इन्फ्लूएंसर राचेल ने पेश किया पेरिस कलेक्शन

पेरिस । अपनी खूबसूरती से छायी टेनिस इन्फ्लूएंसर राचेल स्टुहल्मन ने पेरिस कलेक्शन में हॉट पोज दिया है। इसमें राचेल लाल लो-कट टॉप और स्कर्ट में नजर आयी हैं। राचेल ने अपने क्ले कोर्ट क्लोथिंग लाइन की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर भेजी है। इसमें वह एक टेनिस रैकेट और मिट्टी लगी गेंद को पकड़े हुए दिख रही हैं। राचेल ने इसके साथ लिखा। आंखिरकार मेरा पेरिस कलेक्शन आ ही गया। मैं वास्तव में इस सत्र में रैड क्ले कोर्ट में अपने नए स्पोर्ट टॉवल, पोस्टर और क्ले कोर्ट सीजन परिधान लाइन को साझा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं स्वेटर, लंबी आस्तीन, 2 टी-शर्ट और टोपी के मिट्टी के स्वर से ग्रस्त हूं। मैं टेनिस कैलेंडर के सबसे बड़े पलों में से एक को मनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। राचेल की इस पोस्ट को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। प्रशंसकों ने इसपर जमकर कमेंट भी किए। एक ने लिखा, मेरी राय में यह ग्रह पर सबसे आकर्षक इंसान की तस्वीर है। दिमाग और सुंदरता का एक खूबसूरत संयोजन। एक ने लिखा, आपको अपकी पोशाकें असाधारण बना देती हैं। राचेल पेशेवर टेनिस खिलाड़ी बनना चाहती थी पर अब वह सोशल मीडिया से होने वाली कमाई पर ही निर्भर है। उसके इंस्टाग्राम पर भी 300,000 से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों साथ-साथ अपने प्रशंसकों के लिए गोल्फ टिप्स भी पोस्ट करती रहती हैं।

पीयूष चावला के सामने आईपीएल 2023 के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों ने संघर्ष किया है : हरभजन सिंह

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 एक और हाई-वोल्टेज मुकाबले के लिए तैयार है, क्योंकि लखनऊ सुपर जायंट्स एमए चिदंबरम स्टेडियम में एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। आईपीएल 2023 में जब पिछली बार दोनों टीमें भिड़ी थीं, तो नवागंतुक लखनऊ ने पांच बार की चैंपियन मुंबई को मात दी थी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस बार उस हार का बदला चुकाना और स्कोर तय करना होगा। चेपॉक ट्रैक परंपरागत रूप से स्पिनरों की मदद के लिए जाना जाता है, इसलिए एलिमिनेटर में फोकस दोनों टीमों के ट्वीकर्स पर होगा।

एलएसजी और एमआई के पास अपने रैंक में गुणवत्ता वाले स्पिन गेंदबाज हैं और सभी की निगाहें अनुभवी एमआई स्पिनर पीयूष चावला पर होंगी। चावला - जो एक विशेषज्ञ के रूप में स्टार स्पोर्ट्स स्टूडियो में बैठे थे - ने विकेट लेने की अपनी भूख दिखाई और विपक्षी बल्लेबाजों को परेशान किया।

भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने 34 वर्षीय लेग स्पिनर की सराहना की है, जो प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को आउट करने के अपने जुनून के कारण चल रहे सीजन में किसी रहस्योद्घाटन से कम नहीं है।

हरभजन सिंह ने कहा, पीयूष चावला का विकेट लेने वाला सॉफ्टवेयर अद्भुत है। यह आदमी कमाल का है। उसने अपनी फिरकी से हर टीम के दिग्गजों को परेशान किया है। मैं इस खिलाड़ी के लिए बहुत खुश हूं, क्योंकि पिछले सीजन में , उन्हें किसी भी टीम ने उपयोगी नहीं माना। इस सीजन में इसने हर टीम को बता दिया है कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। इस खिलाड़ी का कोई मुकाबला नहीं है।

फातिमा सना शेख संग आमिर खान ने खेला पिकलबॉल गेम, सामने आया यह मजेदार वीडियो

नई दिल्ली।
दंगल मूवी में बाप-बेटी बने आमिर खान और फातिमा सना शेख की इस मूवी के बाद अच्छी बॉन्डिंग हो गई। उन्होंने ठग्स ऑफ हिंदुस्तान में भी साथ काम किया। आमिर और फातिमा की क्लोजनेस को लेकर अक्सर कई बातें बनती रही हैं। उनके अफेयर की अफवाहें लंबे वक्त से हैं। हालांकि, दोनों ने कभी इस तरह की खबरों पर हामी नहीं भरी है। इस बीच दोनों को एक साथ पिकलबॉल खेलते देखा गया।

आमिर-फातिमा ने खेला पिकलबॉल

आमिर और फातिमा का पिकलबॉल स्पोर्ट्स खेलते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में रेड टीशर्ट और ब्लैक पैंट पहने आमिर खान बहुत फुर्ती के साथ गेम खेलते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, फातिमा ग्रे टी शर्ट और ब्लैक शार्ट्स में नजर आ रही हैं। दोनों ही बहुत स्मार्ट्ली और एनर्जी के साथ इस गेम को खेलते देखे जा सकते हैं।

आमिर की बेटी से है अच्छी दोस्ती

फातिमा सना शेख और आमिर खान के अफेयर्स को लेकर कई खबरें सामने आ चुकी हैं। इन बातों को ज्यादा तूल न देते हुए दोनों ने कभी भी अपनी बॉन्डिंग को प्रभावित नहीं होने दिया है। फातिमा खान परिवार

की करीबी बताई जाती हैं। उनकी आमिर की बेटी आइरा से अच्छी दोस्ती है।

पिछले साल जब आइरा ने अपने ब्वॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से सगाई की थी, तब फातिमा ने कपल के लिए प्यारा सा नोट शेयर किया था। उन्होंने आइरा की सगाई भी अटेंड की थी, जहां से एक्ट्रेस ने कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं।

अफेयर की खबरों पर आमिर ने कही थी ये बात

फातिमा सना शेख संग अफेयर की खबरों पर एक बार आमिर खान ने रिएक्ट करते हुए इसे बकवास बताया था। उन पर आरोप था कि फातिमा सना शेख की वजह से वह किरण राव से अलग हुए। 2022 में एक पोर्टल में इस बारे में आमिर ने कहा था यह बिल्कुल गलत है। न तो उस वक्त उनकी लाइफ में कोई और था, न अब है।

वार्नर स्पष्ट रूप से हमारी योजनाओं में है: ऑस्ट्रेलिया के कोच मैकडोनाल्ड

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने डेविड वार्नर का शीर्ष क्रम में अपना स्थान बनाए रखने के लिए समर्थन किया है और जोर देकर कहा है कि वह भारत के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और इंग्लैंड के साथ एशेज सीरीज के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और पहले दो एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में नामित किए जाने के बावजूद, वार्नर का मैचों में शामिल होना अनिश्चित लग रहा था क्योंकि चयन प्रमुख जॉर्ज बेली ने सलामी बल्लेबाज के खेलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर स्पष्ट जवाब नहीं दिया था। वार्नर ने पिछले साल मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान एमसीजी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने दोहरे शतक से पहले अपनी अंतिम 15 टेस्ट पारियों में सिर्फ एक बार अर्धशतक पूरा किया था। उन्होंने इस साल फरवरी में कोहनी में फ्रैक्च र से उबरने के लिए स्वदेश भेजे जाने से पहले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारत में 1, 10 और 15 का स्कोर दर्ज किया था। लेकिन मैकडोनाल्ड ने अनुभवी बाएं हाथ के

बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और उनका मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज श्रृंखला सहित व्यस्त छह-टेस्ट शेड्यूल में वह महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मैकडोनाल्ड ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के हवाले से एसईएन को बताया, डेव के पास जो बचा है, उससे हम आशान्वित हैं, हमने उन्हें टीम में चुना है और हमें लगता है कि वह एशेज और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में वास्तव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए वह विमान पर है। हमें लगता है कि उसके पास कुछ अच्छे मैच बाकी हैं। यह पूछे जाने पर कि चयनकर्ताओं ने वार्नर को एशेज के लिए उनकी जगह के बारे में क्या बताया था, मुख्य कोच ने कहा, वह उस टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर वह नहीं होते तो हम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के बाद एक नयी टीम चुनते। ऐसा नहीं है वह स्पष्ट रूप से हमारी योजनाओं में है, और वह जाने के लिए तैयार है। हम उनके साथ लगातार संपर्क में हैं। वह जानते हैं कि वह हमारे साथ कहां बैठते हैं। इस साल दिल्ली कैपिटल्स के साथ 14 आईपीएल मैचों में 516 रन बनाते समय वार्नर उचित फॉर्म में दिखे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि वह 2023 आईपीएल में वार्नर के फॉर्म से उत्साहित थे और उन्होंने इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया की 2015 एशेज श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 36 वर्षीय वार्नर के पांच अर्धशतक और 416 रन के सफल प्रदर्शन की ओर इशारा किया। मैकडोनाल्ड ने कहा, आप 2015 में इंग्लैंड में कुछ सकारात्मक अनुभवों को आकर्षित कर सकते हैं, उनका 40 के मध्य का औसत था। उन्हें वहां सफलता मिली है। ऐसा नहीं है कि उन्हें उन परिस्थितियों में सफलता नहीं मिली है। द ओवल में भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 जून से शुरू होगा ।

आईपीएल संन्यास पर धोनी बोले- फैसले के लिए 8-9 महीने

अभी से सिरदर्द नहीं लेना चाहता, चेन्नई के साथ बना रहूंगा...मुझे इतना पता है

चेन्नई।
चेन्नई सुपर किंग्स 10वीं बार आईपीएल फाइनल में पहुंच गई है। चेपॉक में खेले गए पहले क्वालिफायर मैच में चेन्नई ने गुजरात टाइटंस को 15 रन से हरा दिया। मैच के बाद धोनी ने आईपीएल से रिटायरमेंट पर पूछे गए सवाल पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इस पर फैसला लेने के लिए 8-9 महीने का वक्त है। मैच के बाद गुजरात के कप्तान हार्दिक ने भी धोनी की तारीफ की। उन्होंने कहा- हम विकेट गंवाते रहे। धोनी दूसरी ओर गेंदबाजी में बदलाव करते रहे।

रिटायरमेंट पर- फैसला लेने के लिए वक्त है

कमेंटेटर हर्षा भोगले ने पूछा था कि क्या चेन्नई के दर्शक आपको फिर यहां देखेंगे, तो धोनी बोले कि आप ये पूछना चाह रहे हैं कि क्या मैं यहां फिर खेलूंगा या नहीं उसके बाद भोगले ने धोनी से सवाल पूछा क्या चेपॉक में अगले सीजन में खेलने के लिए लौटेंगे धोनी ने मुस्कराते हुए जवाब दिया

कि मुझे नहीं पता। मेरे पास फैसला करने के लिए 8-9 महीने हैं। अभी इसे लेकर सिरदर्द नहीं लेना चाहता।

चेन्नई सुपर किंग्स- फिलहाल पता नहीं किस रोल में जुड़ा रहूंगा

धोनी ने कहा- चाहे मैं बतौर खिलाड़ी रहूं या किसी और रूप में उनके साथ रहूं, फिलहाल मैं ये नहीं जानता। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि मैं चेन्नई के साथ बना रहूंगा। मैं जनवरी से ही घर से बाहर हूं। मार्च में मैंने प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। अब आईपीएल का मिनी ऑक्शन दिसंबर में है। अभी इसमें समय है। मैं अभी इसको लेकर नहीं सोच रहा हूं।

आईपीएल - फाइनल 2 महीने की कड़ी मेहनत का नतीजा

धोनी ने चेन्नई के दसवीं बार फाइनल में पहुंचने पर कहा, आईपीएल बहुत बड़ा टूर्नामेंट है। पहले 8 टीमें खेलती थीं। अब 10 टीमें खेल रही हैं। ऐसे में एक और फाइनल कहना सही नहीं होगा। यह 2 महीने की कड़ी मेहनत का नतीजा है। सभी का इसमें योगदान रहा है। हां मिडिल ऑर्डर को पर्याप्त मौके नहीं मिल पाए, लेकिन हम जहां पर हैं, उससे खुश हैं।

कप्तानी- मैं कष्ट देने वाला कप्तान हो सकता हूं

कप्तानी पर धोनी ने कहा- मैं परिस्थितियों के अनुसार फील्डिंग को बदलता रहता हूं। ऐसे में मैं साथी खिलाड़ियों के लिए कष्ट देने वाला कप्तान हो सकता हूं। पर मुझे पता है कि कब किस खिलाड़ी का कहां उपयोग करना है। मैंने वैसा ही किया। हमने कुछ गलतियां कीं। हमने 15 अतिरिक्त रन दिए। जिस तरह से हमारे पास गेंदबाजी है, वैसे में एक्स्ट्रा रन देना सही नहीं है। इस मैच में चेन्नई ने 13 वाइड बॉल फेंकीं। पथिराना ने ही 8 गेंद वाइड फेंकीं, जबकि दीपक चाहर ने 3 और तुषार देशपांडे ने दो वाइड फेंकीं।

क्वालिफायर मैच- जडेजा ने मौके का फायदा उठाया

धोनी ने कहा कि गुजरात टाइटंस अच्छी टीम है। उन्होंने टारगेट का अच्छी तरह पीछा किया। बाद में बॉलिंग करना हमारे लिए फायदेमंद रहा। जडेजा ने मौके का फायदा उठाया। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। बल्लेबाजी में मोइन खान और जडेजा के योगदान को नहीं भूला जा सकता है।

बढ़ती उम्र में भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे एंडरसन : रुट

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि 41 साल की उम्र में भी वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर हैं। रुट ने कहा है कि मैं उसे आगे भी खेलते हुए देखना चाहता हूं। एंडरसन 700 टेस्ट विकेट के बेहद करीब हैं और उन्हें केवल 15 विकेट और चाहिये हैं। अब वह 16 जून से बर्मिंघम में ऑस्ट्रलिया के खिलाफ शुरू हो रही एशेज सीरीज में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। इंग्लैंड का लक्ष्य एशेज जीतना रहेगा क्योंकि पिछली बार टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। साल 2021 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के कप्तान रहे रूट ने एंडरसन की पांच तस्वीरों भी जारी की है।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।
- जब आप बच्चे का डायपर बदल रहे हो तो उसे खेलने के लिए खिलौने दें।
- डाइपर को शरीर पर थोड़ा ढीला कर बांधें, ताकि उसकी त्वचा पर निशान न बनें।

इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से बच्चे के डायपर को बदल सकते हैं।

हर दिन बस 15 सेकेंड बजाएं ताली...

किसी भी मौके पर ताली बजाना हम सब की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ताली बजाने से शरीर के रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है। दिन में सिर्फ 15 सेकेंड ताली बजाने व तलवों को नियमित रूप से पत्थर से रगड़ने से व्यक्ति खुद को रोगमुक्त रख सकता है।

ऐसे दूर होती हैं बीमारियां

व्यक्ति की हथेलियों व तलवों में शरीर के सभी अंगों के बिंदु होते हैं, जिन्हें दबाकर कई तरह के रोगों को दूर किया जा सकता है। जब हम ताली बजाते हैं तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा अंगूठे के नीचे का स्थान दबने से रक्त की थैलियां खून को विपरीत दिशा में संचारित करती हैं जिससे धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट दूर होती है। हृदय संबंधी परेशानियों में लाभ मिलता है। इससे पूरे शरीर में कंपन होता है व वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। इसी तरह पैर के तलवों को पत्थर से थोड़ी देर रगड़ने पर एक्यूप्रेशर पॉइंट्स में दबाव बनता है जो कई रोगों से मुक्ति दिलाता है। इस उपचार में किसी प्रकार का कोई खर्च भी नहीं होता।

ऐसे बजाएं ताली

सीधे हाथ की पहली अंगुली यानी तर्जनी को दूसरे हाथ की हथेली पर चार बार जोर-जोर से चोट करें। उसके बाद तर्जनी व मध्यम दोनों को साथ में लेकर चार बार ऐसा करें। इसी प्रकार तीन अंगुलियों को साथ में लेकर फिर चारों अंगुलियों को मिलाकर ऐसा करें, अंत में दोनों हाथों से ताली बजाएं। इस दौरान आंखों को बंद रखें।

ताली बजाने के बाद दोनों हाथ गर्म व ऊर्जावान हो जाते हैं। ऐसे में ताली बजाने के बाद गहरी सांस भरते हुए मध्यम अंगुली से आंखों को छूते हुए हाथ धीरे-धीरे नीचे की ओर ले जाएं। ऐसा करने से आंखों व चेहरे पर चमक बढ़ती है।

इसलिए 15 सेकंड जरूरी

15 सेकंड की ताली की ऊर्जा रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर देती है जिससे शरीर को तमाम रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

ध्यान रहे

ताली बजाने के भी कुछ नियम होते हैं। हमेशा आसन पर खड़े होकर या पैरों में जूते पहनकर ही ताली बजाएं। जमीन पर नंगे पैर ऐसा करने से शरीर में उत्पन्न ऊर्जा जमीन में समाकर नष्ट हो जाती है। कई बार ताली बजाने से हाथों के फटने की समस्या होने लगती है इससे बचने के लिए हाथों में सरसों, नारियल या कोई अन्य तेल लगा सकते हैं।

इस फल के फायदे एक से बढ़कर एक

नाशपाती से रोगों से दूर रहा जा सकता है। इसमें विटामिन्स, खनिज, एंजाइम और फाइबर खूब पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण खूब होते हैं। नाशपाती में मौजूद पैक्टिन नामक घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार नाशपाती पचने में हल्की, रोगी को जल्दी ऊर्जा देने वाली, प्यास बुझाने वाली और त्रिदोष नाशक है। इसमें हाइड्रोऑक्सीनॉमिक एसिड होता है जो पेट के कैंसर को रोकने में मदद करता है। फाइबर पेट के कैंसर को बढ़ने से रोकता है व बड़ी आंत को ठीक रखता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड (फोलेट) गर्भवती महिलाओं के शिशुओं में न्यूरल ट्यूब दोष से बचाता है।

यह आयरन का अच्छा स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। एक गिलास नाशपाती का रस पीने से बुखार में जल्द आराम मिलता है। यह झुर्रियां, मुहांसे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। नाशपाती के पत्रों को पीसकर त्वचा पर लगाने से त्वचा विकारों में लाभ होता है। नाशपाती में बोरोन तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से हार्ट स्ट्रोक का खतरा 50 फीसदी कम होता है व शरीर का ग्लूकोज ऊर्जा में बदल जाता है। इसमें विटामिन सी और तांबा पर्याप्त मात्रा में मिलता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाशपाती के नियमित सेवन से मोनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। मधुमेह रोगियों के लिए यह स्मार्ट नाश्ता है। इससे मीठा खाने की तलब में आराम मिलता है और पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

ध्यान रखें: नाशपाती को अच्छी तरह धो कर छिलके समेत चबा-चबा कर खाएं। जल्दबाजी में बिना चबाए इसे खाने से पेट में दर्द हो सकता है। देर से काट कर रखी नाशपाती नहीं खानी चाहिए।

ये फायदे जानने के बाद आप भी छिदवा लेंगे कान

आप कान केवल फैशन के लिए छिदवाते रहे होंगे, लेकिन सेहत के लिए यह कितना बढ़िया है, आप नहीं जानते होंगे। कान छिदवाने से पीरियड्स प्रॉब्लम खत्म हो जाती है। प्रजनन क्षमता भी अच्छी होती है। कान छिदवाने से इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और हर्निया की समस्या दूर होती है। कान छिदवाने से दिमाग का विकास भी होता है। हैरानी होगी आपको यह जानकर कि कान के दोनों ओर एक पॉइंट होता है जिसका संबंध दिमाग से होता है। एक्यूप्रेशर के इलाज में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल दिमागी विकास होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। कान के बीच का हिस्से का संबंध आंखों की रोशनी से भी होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो कान छिदवा लें। सुनने की क्षमता भी बढ़ती है। कान छिदवाने वाली जगह पर दो एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं। पहला मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। ये सुनने की क्षमता सही रखते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट्स की मानें तो टिटनस को दूर रखने के लिए भी कान छिदवाना बिल्कुल सही रहता है। हिस्टीरिया की समस्या को भी दूर रखता है। कान छिदवाने से तनाव, डिप्रेशन भी दूर होता है। डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखना है, तो कान छिदवा लें। वजन घटाने का भी यह एक अच्छा विकल्प है। कान पर एक्यूप्रेशर पॉइंट होने के कारण दबाव पड़ता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रहता है।

बरगद के दूध में छिपे हैं बड़े गुण

वट वृक्ष (बरगद) की तासीर ठंडी होती है जो कफ, पित्त की समस्या को दूर कर रोगों का नाश करती है। बुखार, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, उल्टी व त्वचा के रोगों में वट वृक्ष के पत्तों, जड़ों और दूध का प्रयोग फायदेमंद होता है।

पत्ते हैं उपयोगी

वट की कोपलें चेहरे की कांति बढ़ाने का काम करती हैं। बरगद की जड़ों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसकी ताजी जड़ों को कुचल कर चेहरे पर लगाएं। झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके पत्तों को तवे पर सेककर सहने योग्य स्थिति में फोड़ों के ऊपर बांधने से लाभ मिलता है। इसके पत्तों की लुग्दी बनाकर शहद और शक्कर के साथ लेने से नकसीर की समस्या में आराम मिलता है। वट के बीजों को पीसकर पीने से उल्टी आने की समस्या दूर होती है।

दूध भी गुणकारी

जिस दांत में कीड़ा लग गया हो वहां इसके दूध में भीगा फोहा रखने से लाभ होता है। लगभग 10 ग्राम बरगद की छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च बारीक पीसकर पाउडर बना लें। यह मंजन करने पर दांतों का हिलना, सड़न, बदबू दूर हो जाती है। वट का दूध, शक्कर के साथ लेने से बवासीर में लाभ होता है। वट का दूध लगाने से सूजन कम हो जाती है। वट के दूध का लेप कमर पर करने से दर्द में लाभ होता है। फटी पड़ी एड़ियों पर बरगद का दूध लगाया जाए, तो काफी राहत मिलती है। बरगद की ताजा कोमल पत्तियों का पाउडर बनाकर खाने से मेमोरी अच्छी होती है। इसके पत्तों की राख को अलसी के तेल में मिला कर लगाने से सिर के बाल उग आते हैं। इसके कोमल पत्तों को तेल में पकाकर लगाने से सभी केश के विकार दूर होते हैं। जले हुए स्थान पर इसके कोमल पत्तों को पीसकर दही में मिलाकर लगाने से शान्ति प्राप्त होती है।

वर्कआउट के लिए सही कपड़े

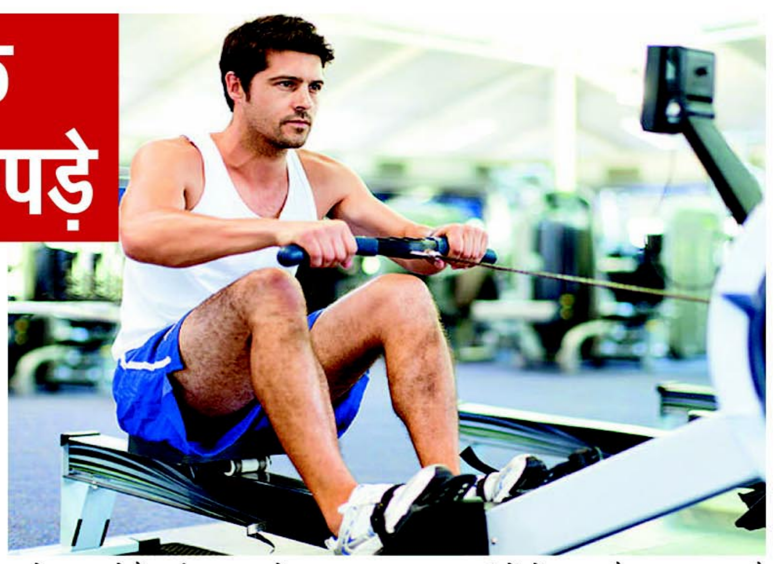

आप फिट रहने के लिए क्या कुछ नहीं करते। जिम में कई घंटों तक पसीना बहाते हैं, लेकिन सही एक्सरसाइज के साथ ही वर्कआउट के लिए सही कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। तभी आप आराम से एक्सरसाइज कर पाएंगे और दूसरों के सामने असहजता या शर्मिंदगी से भी बच सकेंगे।

कैसी हो फिटिंग

एक्सरसाइज टाइप के मुताबिक ही आपके कपड़ों की फिटिंग होनी चाहिए। जैसे हैवी एक्सरसाइज या उपकरणों के साथ कसरत करते वक्त थोड़े ढीले और कंफर्टेबल शॉर्ट/लोवर के साथ टी-शर्ट पहन सकते हैं, लेकिन योगा या पिलाटे जैसी वर्कआउट के लिए स्ट्रेचेबल और फिट आउटफिट पहनें। इनके लिए जिम पैंट्स या योगा पैंट्स पहनें। हर मौसम में एक्सरसाइज के लिए अलग तरह के कपड़े पहनें, ताकि मौसम की मार आपकी सेहत पर न पड़े।

बॉडी के हिसाब से

अकसर लोगों को जिम में पसीने की बदबू परेशान करती है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वे सुगंधित परफ्यूम और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। वर्कआउट करते समय जब आपकी बॉडी में गर्मी पैदा होने लगती है और पसीना आता है तो तेज सुंगध वाले परफ्यूम का अरोमा और बढ़ जाता है। जिम में लोशन का इस्तेमाल करने से बचें। लोशन लगाने से पसीना आने पर आपके हाथ चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद ही जिम में वर्कआउट करने में मुश्किल होती है और यह सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। कहने का मतलब है कि वर्कआउट करते समय आपके हाथ जगह जगह लगते हैं जिससे आपके द्वारा पकड़ी गई हर चीज चिपचिपी हो जाती है। आपके चेहरे पर लगा लोशन पसीने के साथ बहकर आंखों में जलन पैदा कर सकता है इसलिए यदि लोशन या परफ्यूम लगाना ही चाहते हैं तो उसकी गंध तीव्र न हो।

कैसा हो रंग

नियोन रंग के कपड़े सुंदर लगते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह आप पर फबे। हमेशा गाढ़े रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। ऐसे स्पोर्ट्स शूज चुनें जो वर्कआउट करते समय पैरों के लिए सुरक्षित हों। इसके अलावा रनर्स अपने लिए स्पेशल शूज चुन सकते हैं। जूतों का सोल घिसने से पहले उसे रिजेक्ट कर दें वरना आपके ज्वाइंट डेमेज हो सकते हैं। आप जिम जाने के लिए छोटी स्लिव्स वाले टॉप पहन सकते हैं जो टाइट न हो। कंधों को कवर करने वाले कपड़े पहने, जो ज्यादा टाइट न हों। ढीले-ढाले कपड़े पहनकर आप आसानी से न केवल अपने हाथों को मोड़ सकते हैं, आपको वेट-लिफ्टिंग में भी कोई परेशानी नहीं होती।

कॉटन के कपड़े

खुद को कूल रखने के लिए कॉटन के कपड़े चुनें। एक्सपर्ट आपको उन कॉटन के कपड़ों को चुनने की सलाह देते हैं जो लाइकरा या पॉलिएस्टर से बने होते हैं। यदि आप स्पेंडेक्स को पहनकर कम्फर्टेबल फील करते हैं तो जिम वियर के लिए स्पेंडेक्स बहुत ही बढ़िया चुनाव है। अगर आपको ज्यादा पसीना नहीं आता तो आप कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं क्योंकि गीले होने पर वह बदन में चिपकते नहीं हैं।

इस आश्रम में आते हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी

पिछले दिनों अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भारत में एक मंदिर का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि वे एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की सलाह पर भारत के इस मंदिर में गए थे। जुकरबर्ग ने इस मंदिर का नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर नैनीताल के पास पंत नगर में बाबा नीम करौली के आश्रम में ही था। इसी आश्रम में 1974 में स्टीव जॉब्स आए थे। नीम करोली बाबा का कैंची धाम आश्रम नैनीताल से 20 किलोमीटर दूर नैनीताल-अलमोड़ा रोड़ पर समुद्र तल से 1400 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 10 सितम्बर 1973 में वृन्दावन की पावन भूमि पर नीम करौली बाबा का निधन हो गया लेकिन कैंची धाम आश्रम में अब भी विदेशी आते रहते हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा अमेरिकी ही इस आश्रम में आते हैं। आश्रम पहाड़ी इलाके में देवदार के पेड़ों के बीच है। नीम करौली बाबा के कैंची धाम आश्रम की भौगेलिक स्थिति पूर्णतः वास्तुनुकूल है, क्योंकि आश्रम की दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है और जहां आश्रम बना है उसकी उत्तर एवं पूर्व दिशा में पहाड़ों के तीखे ढलान के कारण बहुत नीचाई है। पहाड़ की इस नीचाई के बाद उत्तर एवं पूर्व दिशा में ही क्षिप्रा नदी भी बह रही है। फेंगशुई का एक सिद्धांत है कि, यदि पहाड़ के मध्य में कोई भवन बना हो, जिसके पीछे पहाड़ की ऊंचाई हो, आगे की तरफ पहाड़ की ढलान हो, और ढलान के बाद पानी का झरना, कुण्ड, तालाब, नदी इत्यादि हो, ऐसा भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है।

रेसिपी

पुदीना पूरी

सामग्री

1/2 कप बारीक कटे हुए पुदीने के पत्ते
1 कप गेहूं का आटा
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून

विधि

पुदीने की पत्तियों को धोकर बारीक काट लें। पुदीना की पूड़ी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को एक बड़े बाउल में छानकर निकाल लें और छने हुए आटे में कटी हुई पुदीना की पत्तियां, अजवाइन, जीरा, बेकिंग सोड़ा, कटी हुई हरी मिर्च और नमक डालकर थोड़े-थोड़े पानी से कड़ा पूड़ी जैसा आटा गूंध लें और अब आटे को ढ़ककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद गैस पर कड़ाही में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और अब प्रत्येक लोई को गोल पूड़ी के आकार में बेल लें। जब तेल अच्छी तरह से गरम हो जाए तब एक- एक पूड़ी को गरम तेल में डालकर दोनों तरफ पलट कर डीप फ्राई करके नैपकीन पेपर पर निकाल लें, इसी तरह से सभी पुदीना पूडियों को तलकर तैयार कर लें। स्वादिष्ट पुदीना की पूड़ी बनकर तैयार हो गई है। अब आप इसे आलू की सब्जी या फिर दही और आचार के साथ खा सकते हैं।

पनीर पालक मेथी

सामग्री

पालक - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), मेथी - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), पनीर - 250 ग्राम, तेल - 2-3 टेबल स्पून, हींग - 1 चुटकी, जीरा - आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, धनियां पाउडर - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), नमक - 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी - आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)

विधि

पनीर को 1-1 इंच के चौकोर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए। पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए। भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढ़ककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए। सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढ़ककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए। पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)